www.dainikjayantnews.com
कोटद्वार, मंगलवार
25 अगस्त 2026
वर्ष: 49
अंक: 112 पृष्ठ: 6
मूल्य: 2.00

जयन्त

निर्भीक – निष्पक्ष – जनसरोकार

www.dainikjayantnews.com
स्थापित 1979
संस्थापक : स्व. नरेन्द्र उनियाल

डाक पंजीयन पी.ए.ओ.07-2024-26 फोन: 9412081969 email: nagendra.uniyal@gmail.com

राहुल गांधी पर बरसे योगी

कहा-देश को आपसे कोई अपेक्षा नहीं

यूपी सीएम बोले-काल गणना मनु ने दी ,आपके नाना-परनाना ने नहीं

रायबरेली (एजेंसी)। सीएम योगी आदित्यनाथ ने नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी के महाराष्ट्र में दिए बयान पर पलटवार किया है। सीएम योगी ने कहा कि राहुल गांधी बेटियों को भड़काने का काम कर रहे हैं। सीएम योगी ने कहा कि राहुल गांधी कहते हैं कि मनुस्मृति से बाहर निकल आएं। उन्होंने कहा कि काल गणना मनु ने दी।

राहुल जी, यह आपके नाना ने नहीं दी है, परनाना ने नहीं दी है, आपकी दादी ने नहीं दी है। सीएम योगी ने राहुल गांधी के बयान का जिक्र किया। सीएम योगी बयान पर प्रतिक्रिया देते हुए राहुल गांधी पर जमकर बरसे। कहा कि राहुल गांधी के रूप में ये देश आपसे बहुत अपेक्षा नहीं करता, लेकिन संसद में नेता प्रतिपक्ष के रूप में आपको देश के लोकतंत्र के रूप में जवाबदेह बनाता है।

जो पूर्वजों को भूल जाते, उसका कोई भविष्य नही होता

सीएम योगी रायबरेली में वीर सेनानायक राना बेनी माधव बख्श सिंह की जयंती पर लोगों को संबोधित कर रहे थे। सीएम योगी ने कहा कि जो समाज अपने पूर्वजों को भूल जाते हैं, उसका कोई भविष्य नही होता। सीएम योगी राहुल गांधी पर जमकर बरसे। सीएम योगी ने कहा कि दुर्भाग्य से भारत की परंपरा और मूल्यों को विस्मृत करके भ्रम में डालकर एक ठेका ले लिया है।

28 साल पुराने वंधामा नरसंहार की दोबारा जांच होगी

9 महिलाओं, 4 बच्चों समेत 23 कश्मीरी पंडितों की हत्या हुई थी; टपलू-जस्टिस गंजू केस भी खुले

श्रीनगर (एजेंसी)। जम्मू-कश्मीर स्टेट इन्वेस्टीगेशन एजेंसी (एसआईए) ने 28 साल पुराने वंधामा नरसंहार की जांच दोबारा शुरू कर दी है। साल 1998 के इस हत्याकांड में 23 कश्मीरी पंडितों की हत्या कर दी गई थी। मरने वालों में 9 महिलाएं और 4 बच्चे शामिल थे। सूत्रों के मुताबिक, एसआईए ने मामले से जुड़े सबूत जुटाने के लिए कश्मीर घाटी में कई जगहों पर तलाशी ली है। एजेंसी कश्मीरी पंडितों की दूसरी हत्याओं के मामलों की भी फिर से जांच कर रही है। इनमें कश्मीरी पंडित नेता टीका लाल टपलू और जस्टिस नीलकंठ गंजू की हत्या के मामले भी शामिल हैं। जांच एजेंसी हमलों में शामिल आतंकियों और ओवरग्राउंड वर्कर्स की पहचान कर उनकी भूमिका का पता लगाने की कोशिश कर रही है।

वंधामा नरसंहार: 25 जनवरी 1998 की रात गांदरबल के वंधामा गांव में हथियारबंद आतंकियों ने कश्मीरी पंडित परिवारों के घरों में घुसकर 23 लोगों की हत्या कर दी थी। मृतकों में 9 महिलाएं और 4 बच्चे शामिल थे।

टीका लाल टपलू: 13 सितंबर 1989 को श्रीनगर में कश्मीरी पंडित नेता और वकील टीका लाल टपलू की उनके घर पर गोली मारकर हत्या कर दी गई थी। टपलू उस समय जम्मू-कश्मीर बीजेपी के उपाध्यक्ष थे और घाटी में कश्मीरी पंडितों के प्रमुख राजनीतिक चेहरों में शामिल थे। उनकी हत्या को घाटी में आतंकवाद के शुरुआती दौर में कश्मीरी पंडितों को निशाना बनाए जाने की बड़ी घटनाओं में गिना जाता है। उपलब्ध रिकॉर्ड में हत्या के लिए लश्कर के आतंकियों को जिम्मेदार बताया गया है। जस्टिस नीलकंठ गंजू: 4 नवंबर 1989 को श्रीनगर की हरि सिंह स्ट्रीट इलाके में जम्मू-कश्मीर हाईकोर्ट के पूर्व जज नीलकंठ गंजू की गोली मारकर हत्या कर दी गई थी।

सरला भट और प्रेमी हत्याकांड भी जांच के दायरे में

एसआईए ने कश्मीरी पंडित नर्स सरला भट की 1990 में हुई हत्या की जांच भी दोबारा शुरू की थी। जून में एजेंसी ने इस मामले में 737 पन्नों की चार्जशीट दाखिल की थी। इसमें जेल में बंद जेकेएलएफ प्रमुख यासीन मलिक को मास्टरमाइंड बताया गया है। यासीन अभी तिहाड़ जेल में उम्रकैद की सजा काट रहा है। इसके अलावा कश्मीरी पंडित लेखक सर्वानंद कौल प्रेमी और उनके बेटे वीरेंद्र कौल की हत्या से जुड़े मामले में भी एसआईए ने तलाशी और जांच की कार्रवाई की है। 1990 में हथियारबंद आतंकियों ने अनंतनाग के सोफ शाली स्थित घर से सर्वानंद कौल और उनके बेटे वीरेंद्र का अपहरण कर लिया था।

संक्षिप्त समाचार

हम एकाधिकार के खिलाफ किसी उद्योगपति के नहीं

अडानी की डीके शिवकुमार से मुलाकात के बाद बोली कांग्रेस

नई दिल्ली (एजेंसी)। कर्नाटक के मुख्यमंत्री डीके शिवकुमार से अडानी ग्रुप के चेयरमैन गौतम अडानी की मुलाकात के बाद कांग्रेस सांसद पवन खेड़ा ने पार्टी का रुख स्पष्ट किया है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस किसी उद्योगपति के

खिलाफ नहीं है, बल्कि देश में किसी एक उद्योगपति के एकाधिकार के खिलाफ है। पवन खेड़ा ने सोमवार को कहा कि हमने हर हमले में साफ कहा है कि हम एकाधिकार के खिलाफ हैं। हम किसी उद्योगपति के खिलाफ नहीं हैं, लेकिन अगर किसी एक उद्योगपति का एकाधिकार हो जाए तो यह देश के लिए अच्छा नहीं है। इसका मतलब ये नहीं है कि किसी राज्य में कोई एल-1 लेकर कोई कॉम्पिटिटिव बिडिंग को लेकर कुछ हासिल हो जाए, ये बिल्कुल गलत नहीं है। दरअसल, रविवार को गौतम अडानी कर्नाटक के मुख्यमंत्री डीके शिवकुमार के आवास पर उनसे मुलाकात करने पहुंचे थे। मुलाकात के बाद अडानी मुख्यमंत्री आवास से बाहर निकलते हुए नजर आए। इस बैठक को लेकर राजनीतिक हलकों में चर्चा तेज हो गई है।

महाराष्ट्र में सरकारी अस्पताल में आग, तीन बच्चों की मौत

36 को बचाया,परिजन बोले-गार्ड-नर्स सबसे पहले पहुंचे

अमरावती (एजेंसी)। महाराष्ट्र के अमरावती जिला महिला अस्पताल के नवजात वार्ड में सोमवार सुबह करीब 3.30 बजे आग लग गई। तीसरी मंजिल पर स्थित इस चाइल्ड केयर यूनिट में उस समय 39 नवजात भर्ती थे। इनमें 3 नवजातों की मौत हो गई। 36 को बचाया गया। अमरावती के पुलिस कमिश्नर राकेश ओला के

मुताबिक,वार्ड के तीन कंपार्टमेंट में से एक में 9 नवजात भर्ती थे। आग इसी हिस्से में फैली, जिसमें 3 बच्चे उसकी चपेट में आ गए। बाकी 6 बच्चों को इलाज के लिए दूसरी जगह शिफ्ट किया गया है। इन छह बच्चों की मौजूदा स्थिति को लेकर अभी कोई जानकारी सामने नहीं आई है। अचलपुर के रहने वाले योगेश सावर्कर ने बताया कि उनकी पत्नी और 8 दिन का बच्चा अस्पताल में भर्ती था। वह रात में अस्पताल के बाहर सो रहे थे। वार्ड में आग और धुआं फैलते ही अस्पताल में अफरा-तफरी मच गई। योगेश ने बताया कि वे पहली मंजिल पर पहुंचे और अपने बच्चे को गोद में लेकर नीचे भागे। उन्होंने बताया कि वहां मौजूद दूसरे बच्चों के शरीर पर काली राख जमी हुई थी।

चीनी पर हाहाकार के बीच मोदी सरकार का बड़ा कदम

गेहूं के आटे के एक्सपोर्ट पर चार साल बाद हटा ली रोक

नई दिल्ली (एजेंसी)। केंद्र सरकार ने गेहूं के आटे और उससे जुड़े उत्पादों जैसे मैदा और सूजी के एक्सपोर्ट पर लगी रोक को तुरंत प्रभाव से हटा दिया है। केंद्र सरकार ने मई 2022 में गेहूं के एक्सपोर्ट पर रोक लगाने का फैसला किया था और इस साल की शुरुआत में इसे आंशिक रूप से खोला था। तब सालाना 5 मिलियन टन की अधिकतम सीमा तय की गई थी। अगस्त 2022 में सरकार ने गेहूं के आटे और उससे जुड़े उत्पादों का एक्सपोर्ट भी रोक दिया था। एक आधिकारिक बयान के अनुसार सरकार ने गेहूं के आटे और उससे जुड़े उत्पादों की एक्सपोर्ट पॉलिसी में बदलाव किया है और इनके विदेश भेजे जाने पर पहले लगी रोक को हटा दिया है। चार साल पहले रोक तब लगाई गई थी जब गेहूं और आटे की स्थानीय कीमतों में भारी बढ़ोतरी हुई थी। रूस-यूक्रेन

संघर्ष के कारण इसकी वैश्विक कीमतों में लगभग 40 फीसदी की बढ़ोतरी हुई थी। भारत ने तब एक्सपोर्ट बढ़ा दिया था जिससे घरेलू स्तर पर कीमत में भारी उछाल आई थी। यूक्रेन युद्ध ने ब्लैक सी क्षेत्र में लॉजिस्टिक्स को भी प्रभावित किया था, क्योंकि यूक्रेन और रूस द्वारा जहाजों को निशाना बनाया गया था। इससे ब्लैक सी से एक्सपोर्ट के मुख्य सीजन के दौरान गेहूं की शिपमेंट में बाधा आई थी। यह क्षेत्र दुनिया के कुल गेहूं व्यापार का लगभग एक-चौथाई हिस्सा है। इससे भारतीय गेहूं की मांग बढ़ गई थी। इस वजह से घरेलू बाजार में गेहूं के दाम में तेजी देखने को मिली। सरकार ने देश में खाद्य सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए मई, 2022 में गेहूं के निर्यात पर रोक लगाई थी। लेकिन ट्रेडर्स फिर आटा एक्सपोर्ट करने लगे। तब अप्रैल से जुलाई के दौरान आटे का निर्यात 200 फीसदी बढ़ गया था। इसे देखते हुए सरकार ने अगस्त में आटे और उससे जुड़े उत्पादों के निर्यात पर भी बैन लगा दिया था। अब सरकार ने आटे के एक्सपोर्ट पर लगी पाबंदी हटा दी है। इस बदलाव से 2022 के बाद पहली बार गेहूं के आटे और उससे जुड़े उत्पादों का बिना किसी रोक-टोक के एक्सपोर्ट संभव हो गया है।

नैनीताल में घरेलू विवाद ने ली पत्नी की जान

बच्चों के सिर से उठा मां का साया

नैनीताल। नैनीताल जिले के दूरस्थ ओखलकांडा क्षेत्र के खनस्यूं में घरेलू विवाद के बाद एक व्यक्ति पर अपनी पत्नी की डंडे से पीटकर हत्या करने का आरोप है। वारदात के बाद आरोपी पति फरार हो गया। घटना ने पूरे क्षेत्र को झकझोर कर रख दिया है। पुलिस आरोपी की तलाश में जुटी है।

पुलिस के अनुसार, 21 अगस्त की रात पारिवारिक विवाद के बाद आरोपी ने अपनी पत्नी पर डंडे से हमला किया। गंभीर चोटों के कारण महिला की मौत हो गई। घटना के बाद आरोपी अपने 10 वर्षीय बेटे को किसी को कुछ न बताने की धमकी देकर फरार हो गया। पुलिस ने घटनास्थल से डंडा बरामद किया है और फॉरेंसिक टीम ने भी मौके से साक्ष्य जुटाए हैं।

मासूम बेटा समझता रहा मां सो रही है

वारदात के बाद मासूम बच्चे काफी देर तक यह समझते रहे कि उनकी मां सो रही है। जब मां के उठने की कोई उम्मीद नहीं रही तो 10 वर्षीय बेटे ने पड़ोसियों को घटना की जानकारी दी। इसके बाद ग्रामीणों ने पुलिस को सूचना दी।

मृतका अपने पीछे चार बच्चों को छोड़ गई है। मां की मौत और पिता के फरार होने से बच्चों के सामने अब पालन-पोषण और भविष्य की बड़ी चुनौती खड़ी हो गई है।

आरोपी की तलाश में तीन टीमें

पुलिस ने मामले में हत्या का मुकदमा दर्ज कर आरोपी की गिरफ्तारी के लिए तीन विशेष टीमें गठित की हैं। पुलिस की टीमें आरोपी के संभावित ठिकानों पर दबिश दे रही हैं। शव को पोस्टमार्टम के लिए हल्द्वानी भेजा गया है।

मणिपुर में फिर भड़की हिंसा, जमकर मचा बवाल

एक घर को आग लगाई,दो में तोड़फोड़,सीआरपीएफ जवान जख्मी

इंफाल (एजेंसी)। मणिपुर के सेनापति जिले के तापहो और उसके आस-पास के इलाके में सोमवार सुबह एक बार फिर से हिंसा भड़क गई। न्यूज एजेंसी द्वारा दी गई जानकारी के मुताबिक, यहां लोगों ने एक घर में आग लगा दी और दो घरों में तोड़फोड़ की। इस घटना में एक सीआरपीएफ जवान जख्मी भी हुआ है, उसे अस्पताल में भर्ती करवाया गया है। न्यूज एजेंसी को पुलिस ने बताया कि सोमवार को मणिपुर के सेनापति जिले में दो गुटों के बीच हुई गोलीबारी में सीआरपीएफ का एक जवान घायल हो गया और कई घर जला दिए गए।

इस घटना के बाद स्थानीय लोगों ने सड़कें जाम कर दीं। एक सीनियर अधिकारी ने बताया कि उपद्रवियों ने कांगपोकपी जिले के तापहोउ कुकी गांव में तड़के करीब 2.30 बजे एक घर में आग लगा दी। उन्होंने कहा कि सुबह करीब 9.20 बजे तापहो नागा इलाके में दो गुटों के बीच हुई गोलीबारी में सीआरपीएफ का एक जवान घायल हो गया। उसे सेनापति जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है और अब वह खतरे से बाहर है।

अधिकारी ने बताया कि सेनापति में आगजनी की घटनाओं के बाद कई जगह विरोध-प्रदर्शन शुरू हो गए। इस घटना के बाद स्थानीय लोग सेनापति गेट पर जमा हुए और नेशनल हाईवे 2 पर लकड़ी के लट्ठे और टायर जलाए। इससे वाहनों की आवाजाही प्रभावित हुई।

सात राज्यों की चुनावी जंग के लिए बीजेपी का मेगा मिशन

'जेन जी' पर नजर, ग्राउंड कनेक्ट से यूथ वोट तक फोकस

नई दिल्ली (एजेंसी)। बीजेपी ने आगामी विधानसभा चुनावों को लेकर तैयारियां तेज कर ली है। उसी क्रम में बीजेपी अध्यक्ष नितिन नवीन ने रविवार को उत्तर प्रदेश और गुजरात सहित सात राज्यों में 2027 के विधानसभा चुनावों को लेकर बैठक की। बैठक में पार्टी के नव नियुक्त पदाधिकारी शामिल थे। समाचार एजेंसी ने सूत्रों के हवाले से बताया कि बीजेपी मुख्यालय में बैठक में पार्टी के वरिष्ठ पदाधिकारी, राज्य इकाई के अध्यक्ष और राज्य प्रभारी शामिल हुए। सूत्रों के मुताबिक, बैठक में पार्टी की जमीनी स्तर पर पहुंच को मजबूत करने और युवा मतदाताओं के साथ इसके जुड़ाव पर ध्यान केंद्रित किया गया, खासकर उन राज्यों में जहां अगले साल चुनाव होने वाले हैं।

मोदी ने प्रत्येक पदाधिकारी की बात सुनी

एजेंसी के मुताबिक, मोदी ने प्रत्येक पदाधिकारी की बात सुनी और सुझाव दिए, नई टीम से अपनी पहुंच बढ़ाने, युवाओं से जुड़ने और जमीनी स्तर पर अपनी उपस्थिति बढ़ाने का आग्रह किया। शनिवार को बीजेपी के राष्ट्रीय पदाधिकारियों की बैठक में एक प्रस्ताव भी पारित किया गया जिसमें कांग्रेस द्वारा अपने कार्यक्रमों में वंदे मातरम के केवल दो छंद गाने के फैसले पर आलोचना की गई।

वंदे मातरम पर कांग्रेस के रुख को लेकर बीजेपी हमलावर

पार्टी ने राष्ट्रीय गीत के पूर्ण संस्करण की गरिमा और राष्ट्रीय स्थिति की रक्षा करने की कसम खाई और इसके महत्व को उजागर करने के लिए एक राष्ट्रव्यापी अभियान की घोषणा की। 10-सूत्रीय प्रस्ताव में, बीजेपी ने कहा कि वह वंदे मातरम के सभी 6 छंदों और उसके इतिहास के बारे में लोगों, विशेषकर युवा पीढ़ी को शिक्षित और संगठित करेगी। पार्टी ने यह भी कहा कि कांग्रेस कार्य समिति का प्रस्ताव संवैधानिक संस्थानों या संसद द्वारा बनाए गए कानूनों को खत्म नहीं कर सकता है। भाजपा ने अपने प्रस्ताव में कहा, 1937 के राजनीतिक समझौते को 1950 के संवैधानिक समझौते और 2026 में संसद द्वारा बनाए गए कानून से ऊपर नहीं उठाया जा सकता है।

2027 विधानसभा चुनावों को लेकर बीजेपी ने कसी कमर

एक सूत्र ने बताया, यह अगले साल राज्यों में होने वाले चुनावों के लिए पार्टी की तैयारियों और रणनीति पर मुख्य ध्यान देने के साथ संगठनात्मक मामलों की एक श्रृंखला पर चर्चा करने के लिए एक महत्वपूर्ण बैठक है। 2027 में उत्तर प्रदेश, गुजरात, पंजाब, उत्तराखंड, गोवा और हिमाचल प्रदेश में विधानसभा चुनाव होने हैं। बीजेपी वर्तमान में इनमें से चार राज्यों - उत्तर प्रदेश, गुजरात, उत्तराखंड और गोवा में सत्ता में है। पंजाब में आम आदमी पार्टी की सरकार है, जबकि हिमाचल प्रदेश में कांग्रेस सत्ता में है। इससे पहले शनिवार को नितिन नवीन ने नवनियुक्त पदाधिकारियों के साथ-साथ बीजेपी की पुरानी राष्ट्रीय टीम के सदस्यों के साथ अपनी पहली बातचीत की। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी शनिवार को बीजेपी मुख्यालय का दौरा किया और सभी 67 नवनियुक्त राष्ट्रीय पदाधिकारियों से बातचीत की। पार्टी नेताओं के साथ उनकी बैठक पांच घंटे से अधिक समय तक चली।

राज्य स्थापना दिवस 9 नवम्बर तक रोपवे परियोजनाओं के कार्य धरातल पर दिखें : धामी

कार्यदायी संस्थाएं 15 दिन में रोपवे परियोजनाओं की प्रगति रिपोर्ट मुख्य सचिव को दें

जयन्त प्रतिनिधि।

देहरादून : मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने सोमवार को मुख्यमंत्री आवास में प्रदेश की विभिन्न रोपवे परियोजनाओं की प्रगति की समीक्षा के दौरान कार्यों की धीमी प्रगति पर नाराजगी व्यक्त की। उन्होंने कार्यदायी संस्थाओं को कार्यों में तेजी लाने के सख्त निर्देश देते हुए कहा कि राज्य स्थापना दिवस 09 नवम्बर तक रोपवे परियोजनाओं के कार्य धरातल पर दिखाई देने चाहिए। मुख्यमंत्री ने देहरादून-मसूरी रोपवे परियोजना की प्रगति की भी समीक्षा की। उन्होंने परियोजना से संबंधित कार्यों में तेजी लाने के निर्देश दिए। मुख्यमंत्री ने कहा कि मसूरी में विशेष रूप से पर्यटन सीजन के दौरान यातायात का अत्यधिक दबाव रहता है। रोपवे से पर्यटकों को वैकल्पिक एवं सुगम परिवहन सुविधा मिलने के साथ सड़क यातायात का दबाव कम करने में भी मदद मिलेगी।

मुख्यमंत्री ने सभी संबंधित कार्यदायी संस्थाओं को 15 दिन के भीतर रोपवे परियोजनाओं की प्रगति रिपोर्ट मुख्य सचिव को उपलब्ध कराने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि वे जल्द ही इन परियोजनाओं की प्रगति की पुनः समीक्षा करेंगे। उन्होंने स्पष्ट किया कि रोपवे परियोजनाओं के क्रियान्वयन में अनावश्यक विलम्ब स्वीकार्य नहीं होगा और निर्धारित समय सीमा के अनुसार कार्यों की प्रगति सुनिश्चित की जाए। मुख्यमंत्री ने संबंधित जिलाधिकारियों को निर्देश दिए कि वे अपने जनपदों में प्रस्तावित एवं निर्माणाधीन रोपवे परियोजनाओं की नियमित निगरानी करें तथा कार्यदायी संस्थाओं के साथ लगातार संपर्क और समन्वय बनाए रखें। परियोजनाओं के क्रियान्वयन में भूमि, वन भूमि हस्तांतरण, विभागीय स्वीकृतियों अथवा अन्य स्तर पर जो भी समस्याएं आ रही हैं, उनके समाधान के लिए संबंधित विभाग और कार्यदायी संस्थाएं आपसी समन्वय से त्वरित कार्रवाई सुनिश्चित करें। मुख्यमंत्री ने कहा कि उत्तराखण्ड की

भौगोलिक परिस्थितियों को देखते हुए रोपवे कनेक्टिविटी राज्य के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है। इससे धार्मिक एवं पर्यटन स्थलों तक आवागमन सुगम होने के साथ सड़क मार्गों पर यातायात का दबाव कम करने में भी मदद मिलेगी। रोपवे परियोजनाओं से पर्यटन गतिविधियों के विस्तार के साथ स्थानीय स्तर पर रोजगार और स्वरोजगार के अवसर भी बढ़ेंगे। मुख्यमंत्री ने केदारनाथ और हेमकुंड साहिब रोपवे परियोजनाओं की प्रगति की समीक्षा करते हुए इनसे संबंधित प्रक्रियाओं में तेजी लाने के निर्देश दिए। प्रस्तुतीकरण के अनुसार केदारनाथ रोपवे परियोजना की लंबाई 12.90 किमी. तथा हेमकुंड साहिब रोपवे परियोजना की लंबाई 12.40 किमी. है। मुख्यमंत्री ने कहा कि इन महत्वपूर्ण परियोजनाओं के क्रियान्वयन से श्रद्धालुओं की यात्रा अधिक सुगम होगी। मुख्यमंत्री ने नैनीताल रोपवे परियोजना से संबंधित कार्यवाही में तेजी लाने के निर्देश देते हुए कहा कि नैनीताल राज्य का प्रमुख पर्यटन स्थल है। पर्यटकों को बेहतर परिवहन सुविधा उपलब्ध कराने और यातायात के दबाव को कम करने की दिशा में रोपवे महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकता है। बैठक में हरिद्वार में प्रस्तावित इंटीग्रेटेड रोपवे परियोजना तथा त्रिवेणी घाट-नीलकंठ रोपवे से संबंधित प्रस्तावों पर भी चर्चा की गई। मुख्यमंत्री ने कहा कि सभी परियोजनाओं में यात्रियों की सुरक्षा, पर्यावरणीय संतुलन और भविष्य की आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए कार्य किया जाए। मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि रोपवे परियोजनाओं में प्रगति केवल प्रक्रियाओं तक सीमित न रहे, बल्कि 09 नवम्बर तक कार्य धरातल पर स्पष्ट रूप से दिखाई दें। उन्होंने संबंधित विभागों, जिलाधिकारियों और कार्यदायी संस्थाओं को आपसी समन्वय से सभी लंबित प्रकरणों का त्वरित समाधान करते हुए परियोजनाओं को तेजी से आगे बढ़ाने के निर्देश दिए। कार्यदायी संस्थाओं द्वारा 15 दिन में मुख्य सचिव को दी जाने वाली प्रगति रिपोर्ट के आधार पर मुख्यमंत्री जल्द ही रोपवे परियोजनाओं की पुनः समीक्षा करेंगे। इस अवसर पर अवस्थापना अनुश्रवण परिषद के उपाध्यक्ष विश्वास डाबर, प्रमुख सचिव आर. मीनाक्षी सुंदरम, सचिव डॉ. पंकज कुमार पाण्डेय, धीराज गर्ब्याल, कार्यदाई संस्थाओं के अधिकारी एवं वर्चुअल माध्यम से संबंधित अधिकारी उपस्थित थे।

एक नजर

मेडिकल कॉलेज पर सीएम का मिला आश्वासन

नई टिहरी। टिहरी में मेडिकल कॉलेज निर्माण करने की मांग को लेकर संयुक्त संघर्ष समिति की मुख्यमंत्री से वार्ता विफल रही। मांग के समर्थन में स्थानीय लोग सोमवार को नौवें दिन भी धरना-क्रमिक अनशन पर डटे रहे। संयुक्त संघर्ष समिति के संयोजक डॉ. राकेश भूषण गोदियाल ने बताया कि वार्ता के दौरान मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने पूर्व में हुई घोषणा के अनुसार ही मेडिकल कॉलेज बनाने का आश्वासन दिया।

बौराड़ी गणेश चौक में संयुक्त संघर्ष समिति के बैनरतले 44 संगठनों से जुड़े लोग मेडिकल कॉलेज निर्माण शुरू करने की मांग को लेकर बीते 16 अगस्त से धरना-क्रमिक अनशन पर बैठे हुए हैं। मामले में वार्ता के लिए सोमवार को भाजपा जिलाध्यक्ष उदय रावत, विधायक किशोर उपाध्याय के नेतृत्व में संयुक्त संघर्ष समिति से जुड़े 15 लोग मुख्यमंत्री से वार्ता के लिए देहरादून गए थे। समिति के संयोजक डॉ. गोदियाल ने बताया कि मेडिकल कॉलेज के मामले में मुख्यमंत्री धामी से विस्तार से वार्ता हुई। मुख्यमंत्री ने आश्वासन दिया कि टिहरी में पूर्व घोषणा के अनुसार ही मेडिकल कॉलेज का निर्माण कराया जाएगा लेकिन शासन-प्रशासन की ओर से वार्ता के क्रम में लिखित में कुछ भी नहीं दिया गया। समिति ने निर्णय लिया है कि जब तक मेडिकल कॉलेज का शासनादेश जारी नहीं हो जाता तब तक आंदोलन चलता रहेगा।

टाडा से नक्शा पास करने की व्यवस्था पर जताया विरोध

नई टिहरी। टिहरी और उत्तरकाशी के 98 गांवों में नए भवन निर्माण के लिए नक्शा पास कराने की व्यवस्था को लेकर विरोध के स्वर मुखर होने लगे है। टिहरी झील के समीप आवासीय और गैर आवासीय भवनों का निर्माण करने से पहले टिहरी विशेष क्षेत्र पर्यटन विकास प्राधिकरण (टाडा) से नक्शा स्वीकृत कराने की प्रक्रिया पर स्थानीय लोगों ने विरोध दर्ज किया है।सोमवार को चाह-गडोलिया की जिला पंचायत सदस्य शकुंतला पंवार के नेतृत्व में जनप्रतिनिधियों ने डीएम व टाडा की मुख्य कार्यकारी अधिकारी नितिका खंडेलवाल को ज्ञापन देकर समस्या से अवगत कराया। टाडा की ओर से 21 अगस्त को जारी सूचना के अनुसार टिहरी झील के आसपास बसे भागीरथी और भिलंगना घाटी के 98 गांवों को प्राधिकरण के अंतर्गत शामिल किया गया है। उक्त गांवों में आवासीय और गैर आवासीय भवनों का निर्माण करने से पहले लोगों को नक्शा स्वीकृत करवाना होगा। इस मौके पर ज्येष्ठ उपप्रमुख त्रिलोक बिष्ट, प्रधान मधुबाला भट्ट, रमेश राणा, राकेश कुमाई, सोहन सिंह राणा, प्रदीप भट्ट, महाजन पंवार, राजेंद्र बिष्ट मौजूद रहे।

पार्क कर्मियों की सुरक्षा में स्कूल पहुंचे छात्र

यमकेश्वर। धमांद गांव में नेपाली मजूदर पर बाघ के हमले के बाद दहशत का माहौल है। घटना के बाद राजाजी टाइगर रिजर्व प्रशासन की ओर से छात्रों को स्कूल छोड़ने व वहां से लाने की जिम्मेदारी ली गई है। घटना के बाद से छात्र-छात्राएं भी डरे हुए हैं।

बाघ के हमले के बाद सुरक्षा की दृष्टि से शनिवार को राजकीय इंटर कॉलेज दिउली, प्राथमिक धमांद और प्राथमिक विद्यालय दिउली के विद्यालय बंद रहे। सोमवार सुबह धमांद, चमनपुर और संयार के स्कूली छात्र पार्क कर्मियों की सुरक्षा में विद्यालय पहुंचे। छुट्टी के बाद भी पार्क की टीम छात्र-छात्राओं को छोड़ने गांव जा रही है ताकि कोई अनहोनी न हो। वहीं घायल श्रमिक को तुरंत एम्स ऋषिकेश में भर्ती कराया गया था जहां उसका ऑपरेशन किया गया। फिलहाल उसकी हालत स्थिर बताई जा रही है। वहीं सुरक्षा की दृष्टि से पार्क प्रशासन ने जंगल से सटे क्षेत्रों में झाड़ी कटवा रहा है। वहीं गौहरी रेंजर राजेश जोशी ने बताया कि सुरक्षा की दृष्टि से छात्र छात्राओं को पार्क की टीम के साथ विद्यालय भेजा गया और छुट्टी के समय वापस लाया गया।

स्मैक तस्करी के आरोप में युवक गिरफ्तार

रायवाला। कोतवाली पुलिस ने स्मैक तस्करी के आरोप में एक युवक को गिरफ्तार किया है। आरोपी से 6.66 ग्राम स्मैक भी बरामद की गई है। प्रभारी निरीक्षक केके लुंठी ने बताया कि नियमित चैकिंग के दौरान मोतीचूर फ्लाईओवर के पास से संदिग्ध दिखाई देने पर एक युवक को रोक कर उसके तलाशी। युवक की जेब से 6.66 ग्राम स्मैक बरामद हुई। आरोपी की पहचान हरिपुरकलां निवासी संतोष शर्मा के रूप में हुई है। कोतवाल लुंठी ने बताया कि आरोपी के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट के तहत प्राथमिकी दर्ज कर गिरफ्तार किया गया है।

गरीबों के राशन पर अमीरों की नजर!

देहरादून। उत्तराखंड की सरकारी राशन व्यवस्था में चलाए गए विशेष सत्यापन अभियान ने व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। प्रदेश में 23 लाख से अधिक राशन कार्डों की जांच के दौरान अब तक करीब 18 हजार अपात्र राशन कार्ड निरस्त किए जा चुके हैं। विभागीय सत्यापन में ऐसे लोग भी सामने आए हैं, जो सरकारी सस्ता राशन लेने की पात्रता नहीं रखते थे, लेकिन लंबे समय से राशन कार्ड के जरिए सरकारी योजना का लाभ उठा रहे थे। सबसे अधिक मामले देहरादून, नैनीताल, हरिद्वार, पौड़ी और ऊधमसिंह नगर से सामने आने की बात कही जा रही है। शहरी क्षेत्रों में ऐसे मामलों की संख्या अधिक होने की बात भी सामने आई है।

गरीब राशन कार्ड के लिए कतार में, अपात्रों के हाथ में सरकारी अनाज

एक तरफ वास्तविक गरीब और जरूरतमंद परिवार राशन कार्ड बनवाने

के लिए खाद्य आपूर्ति विभाग के चक्कर काट रहे हैं, वहीं दूसरी तरफ अपात्र लोगों द्वारा सरकारी राशन का लाभ उठाए जाने के मामले सामने आना पूरी व्यवस्था पर सवाल खड़ा करता है।

विभाग का कहना है कि अपात्र कार्ड निरस्त होने के बाद उनके स्थान पर वास्तविक पात्र परिवारों को राशन योजना से जोड़ने का प्रयास किया जाएगा। प्राथमिकता संबंधित गांव और क्षेत्र के पात्र लोगों को देने की बात कही गई है।

आयकर रिटर्न और वाहन मालिकों की सूची से हो रही जांच

खाद्य आयुक्त वंशी लाल राणा के मुताबिक मुख्यमंत्री और खाद्य विभाग के मंत्री के निर्देश पर विशेष अभियान चलाया गया है। सत्यापन के लिए केंद्र सरकार की ओर से उपलब्ध कराई गई विभिन्न सूचनाओं का भी इस्तेमाल किया जा रहा है।

इनमें आयकर रिटर्न दाखिल करने वाले लोगों तथा मोटर वाहन रखने वाले लोगों से संबंधित सूचियां शामिल हैं। इन रिकॉर्ड का राशन कार्डों से मिलान कर संदिग्ध मामलों का सत्यापन किया जा रहा है।

24 लाख के करीब कार्डों की सीमा, नए गरीब परिवारों के सामने चुनौती

उत्तराखंड में विभिन्न श्रेणियों के राशन कार्डों की निर्धारित सीमा करीब 24 लाख के आसपास बताई जा रही है। प्रदेश में पहले से ही 23 लाख से अधिक कार्ड मौजूद हैं। ऐसे में नए पात्र परिवारों को राशन कार्ड उपलब्ध कराने के लिए अपात्र कार्डों की पहचान और निरस्तीकरण बेहद महत्वपूर्ण हो गया है।

क्या अपात्रों से होगी सरकारी राशन की वसूली?

अब सबसे बड़ा सवाल यह है कि जिन लोगों ने अपात्र होने के बावजूद सरकारी राशन का लाभ लिया, उनके खिलाफ केवल राशन कार्ड निरस्त करने की कार्रवाई होगी या गलत तरीके से प्राप्त राशन की वसूली और जुर्माने की कार्रवाई भी की जाएगी।

विभागीय स्तर पर सत्यापन और जांच आगे बढ़ रही है। नियमों के अनुसार आगे की कार्रवाई किए जाने की बात कही गई है।

आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए धरना शुरू

नई टिहरी। प्रतापनगर ब्लॉक के देवल गांव निवासी मृतक केतन लाल के परिजनों और ग्रामीणों ने हत्याकांड में शामिल अन्य लोगों की गिरफ्तारी की मांग को लेकर कलेक्ट्रेट परिसर में बेमियादी धरना शुरू कर दिया है। उन्होंने आरोप लगाया कि केतन की पिटाई करने में लड़की की मां समेत कुछ अन्य लोग भी शामिल थे लेकिन पुलिस उनको गिरफ्तारी नहीं कर रही है। उन्होंने अन्य आरोपियों की गिरफ्तारी न होने तक धरना जारी रखने की चेतावनी दी। सोमवार को देवल गांव के मृतक केतन लाल के पिता धनपाल लाल समेत जय भीम आजाद समाज पार्टी के पदाधिकारी कलेक्ट्रेट परिसर में बेमियादी धरने पर बैठ गए। उन्होंने पुलिस पर घटना में शामिल अन्य सह आरोपियों को बचाने का आरोप लगाया। कहा कि पुलिस भीड़ के दबाव में काम कर रही है। उन्होंने मृतक के परिवार के एक व्यक्ति को सरकारी नौकरी देने, गांव से बाहर सुरक्षित स्थान पर पुनर्वास करने, हत्याकांड की सुनवाई फास्ट ट्रैक कोर्ट में करने, विधि विज्ञान प्रयोगशाला के वैज्ञानिकों की रिपोर्ट सार्वजनिक करने की मांग की। कहा लंबे समय बाद भी उक्त मांगों पर शासन-प्रशासन की ओर से कोई कार्रवाई नहीं की जा रही है जिस कारण परिजनों को न्याय के लिए दर-दर भटकना पड़ रहा है।

टिहरी की सड़क परियोजनाओं को मिलेगी रफ्तार

नई टिहरी। जिलाधिकारी नितिका खंडेलवाल ने वन भूमि हस्तांतरण संबंधी बैठक ली। उन्होंने लंबित 10 प्रकरणों का तय समय पर निस्तारण करने के निर्देश दिए। संबंधित अधिकारियों को क्षतिपूरक पौधरोपण और वन भूमि हस्तांतरण के मानकों का अध्ययन करने को कहा गया।

जिलाधिकारी ने उत्तराखंड सरकार द्वारा उपलब्ध कराए गए लैंड पार्सल पर चर्चा की। उन्होंने कहा कि किसी समस्या पर विशेषज्ञ से परीक्षण कराएं। यह परीक्षण तीन दिन के भीतर पूरा होना चाहिए। इसके बाद प्रभारी वनाधिकारी को भूमि की उपयुक्तता बताएं। इससे सप्ताहभर में वन भूमि हस्तांतरण की कार्रवाई पूर्ण हो सकेगी। राज्य योजना के तहत टिहरी विधानसभा क्षेत्र में नैर से पुजाल्डी सड़क बननी है। उप जिलाधिकारी धनोल्टी को ग्राम घनसी, नैनबाग से भूमि प्रस्ताव उपलब्ध कराना है। प्रतापनगर में तेलुंगा सड़क के लिए प्रभागीय वनाधिकारी द्वारा सांदणा उप तहसील मदननेगी की भूमि उपयुक्त पाई गई। इसका प्रस्ताव उप जिलाधिकारी प्रतापनगर से मांगा गया है। प्रतापनगर क्षेत्र में रैंका महरगांव से मुखेम सड़क के लिए वन विभाग टिहरी को तीन लैंड पार्सल मिले हैं। ये तहसील जाखणीधार के ग्राम गौसारी में हैं और वन विभाग की रिपोर्ट का इंतजार है। धनोल्टी क्षेत्र में मसोन, कांडी, द्वारगढ़, जयद्वार-सुरांचु तक मोटर मार्ग निर्माण हेतु 27 लैंड पार्सल की सूची भेजी गई है। जिलाधिकारी ने वन भूमि हस्तांतरण की प्रक्रिया जल्द पूरी करने के निर्देश दिए।

भू-धंसाव की पड़ताल करेगी आईआईटी रुड़की की टीम

नई टिहरी। कलेक्ट्रेट सभागार में आयोजित जनता मिलन कार्यक्रम में पुनर्वास, सड़क निर्माण, मुआवजा भुगतान, पेंशन और दिव्यांग प्रमाणपत्र से जुड़ी शिकायतें प्रमुखता से उठी। डीएम नितिका खंडेलवाल ने संबंधित अधिकारियों को दर्ज शिकायतों पर प्राथमिकता के आधार पर आवश्यक कार्रवाई करने को कहा।

जाखणीधार ब्लॉक के पिपोला गांव के ग्रामीणों ने सड़क का डामरीकरण करने, गांव में हो रहे भू-धंसाव का सर्वे कराने की मांग की। बताया भू-धंसाव आवासीय भवनों के लिए खतरा बना हुआ है। डीएम ने बताया कि भू-धंसाव का वैज्ञानिक सर्वे आईटीआई रुड़की की टीम करेगी। सर्वे रिपोर्ट के आधार पर पुनर्वास की कार्रवाई की जाएगी। नरेंद्रनगर तहसील के कखील गांव निवासी अशोक कुमार ने गांव में आधार कार्ड बनाने के लिए शिविर लगाने की मांग की। वही प्रियंका ने अपने पिता का दिव्यांग प्रमाणपत्र जारी नही होने की शिकायत की।

24 घंटे में बाइक चोरी का खुलासा, सहसपुर का युवक गिरफ्तार

विकासनगर। जुडली आदूवाला से रात में चोरी हुई स्प्लेंडर प्लस बाइक को विकासनगर पुलिस ने महज 24 घंटे के भीतर बरामद कर लिया। पुलिस ने चोरी की बाइक के साथ बड़ा रामपुर शंकरपुर, थाना सहसपुर निवासी मौ. मुकीम उर्फ मक्की को गिरफ्तार किया है।

पुलिस के मुताबिक, 23 अगस्त को जुडली आदूवाला निवासी सुनील कुमार ने तहरीर देकर बताया था कि 22 अगस्त की रात उनके घर से वड16ए8820 नंबर की स्प्लेंडर प्लस बाइक चोरी हो गई। शिकायत मिलते ही पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर सीसीटीवी फुटेज खंगालने और संदिग्धों की तलाश शुरू कर दी। लगातार सुरागरसी के बाद पुलिस टीम ने 24 अगस्त की सुबह करीब 4:15 बजे हरबर्टपुर स्थित अतिथि फार्म हाउस के सामने घेराबंदी कर आरोपी को चोरी की बाइक के साथ पकड़ लिया। पूछताछ में आरोपी ने कथित तौर पर नशे की पूर्ति के लिए बाइक चोरी करने और उनके पार्ट्स बेचने की बात स्वीकार की। पुलिस अब आरोपी के आपराधिक इतिहास के साथ ही अन्य वाहन चोरी की घटनाओं में उसकी संभावित भूमिका की जांच कर रही है।

कार्रवाई में चौकी प्रभारी हरबर्टपुर उपनिरीक्षक मयंक त्यागी, हेड कांस्टेबल राजेंद्र बर्त्वाल और पीआरडी जवान ऋतिक शामिल रहे।

चीनी के दाम में अचानक उछाल, आखिर क्यों महंगी हुई शक्कर?

देहरादून। देशभर में चीनी की कीमतों में पिछले कुछ हफ्तों के दौरान तेज बढ़ोतरी ने आम उपभोक्ताओं की चिंता बढ़ा दी है। सरकारी आंकड़ों के मुताबिक, चीनी की औसत खुदरा कीमत 20 जुलाई 2026 को 48.18 प्रति किलो थी, जो 20 अगस्त को बढ़कर 55.70 प्रति किलो पहुंच गई। यानी एक महीने में करीब 15.6 प्रतिशत की बढ़ोतरी दर्ज की गई है। हालांकि, कई शहरों में खुदरा बाजार में कीमतें इससे भी अधिक हैं और दिल्ली समेत कुछ स्थानों पर चीनी 60 प्रति किलो से ऊपर बिकने की रिपोर्ट सामने आई है।

उत्पादन में कमी बनी बड़ी वजह

केंद्र सरकार के अनुसार, इस साल चीनी का घरेलू उत्पादन शुरुआती अनुमान से काफी कम रहने की संभावना है। चीनी उत्पादन का शुरुआती अनुमान करीब 343

लाख टन था, जिसे अब घटाकर लगभग 306 लाख टन कर दिया गया है।

गन्ने की फसल पर रेड रॉट और टॉप बोरर जैसी बीमारियों के साथ-साथ अत्यधिक बारिश और जलभराव का असर पड़ा है। इससे गन्ने की उपलब्धता और चीनी उत्पादन दोनों प्रभावित हुए हैं।

त्योहारों से पहले बढ़ी मांग

अगस्त से नवंबर के बीच देश में त्योहारों का दौर शुरू हो जाता है। गणेश चतुर्थी, दशहरा और दीपावली के दौरान मिठाइयों, बेकरी उत्पादों और अन्य खाद्य पदार्थों में चीनी की मांग तेजी से बढ़ती है।

सरकार ने भी माना है कि त्योहारों से पहले बढ़ी मांग ने बाजार पर दबाव बढ़ाया है।

जमाखोरी और सट्टेबाजी पर भी नजर

चीनी की कीमतों में तेजी के पीछे कुछ कारोबारियों द्वारा जमाखोरी और सट्टेबाजी को भी एक कारण माना जा रहा है। केंद्र सरकार ने जुलाई के अंत में चीनी कारोबारियों के लिए स्टॉक रखने की सीमा लागू की थी।

सरकार के मुताबिक, कुछ स्थानों पर वास्तविक मांग-आपूर्ति की स्थिति के अनुरूप नहीं होने के बावजूद एक्स-मिल कीमतों में तेजी देखी गई और कुछ व्यापारिक गतिविधियों से बाजार में कृत्रिम कमी का माहौल बना।

क्या इथेनॉल के कारण महंगी हुई चीनी?

चीनी के दाम बढ़ने के बाद यह सवाल भी उठ रहा है कि क्या गन्ने से इथेनॉल उत्पादन के लिए चीनी का इस्तेमाल बढ़ने के कारण बाजार में चीनी की कमी हुई है।

हालांकि, केंद्र सरकार ने इस दावे को खारिज किया है। सरकार के अनुसार, इथेनॉल के लिए डायवर्ट की जाने वाली चीनी का हिस्सा 2022-23 में करीब 12 प्रतिशत से घटकर 2025-26 में करीब 9 प्रतिशत रह गया है। इसलिए मौजूदा तेजी को केवल इथेनॉल उत्पादन से जोड़ना सही नहीं है।

वैश्विक बाजार में भी बढ़े दाम

चीनी की कीमतों में तेजी केवल भारत तक सीमित नहीं है। सरकार के अनुसार, वैश्विक स्तर पर भी चीनी की आपूर्ति को लेकर दबाव है। 30 जून से 20 अगस्त के बीच अंतरराष्ट्रीय चीनी कीमत करीब 474 डॉलर से बढ़कर 552 डॉलर प्रति टन हो गई, यानी करीब 16 प्रतिशत की वृद्धि।

बटोली में कब तक जारी रहेगा जान जोखिम में डालकर आवाजाही का सिलसिला?

सहसपुर (देहरादून)। बटोली क्षेत्र से सामने आया एक वीडियो सिस्टम की कार्यप्रणाली पर गंभीर सवाल खड़े कर रहा है। वीडियो में लोग बेहद खराब और जोखिमभरे रास्ते से आवागमन करते दिखाई दे रहे हैं। रास्ते में मलबा, पत्थर और कीचड़ फैला हुआ है, जिसके बीच स्थानीय लोग एक-दूसरे का सहारा लेकर आगे बढ़ने को मजबूर नजर आ रहे हैं।

बरसात के मौसम में पहाड़ी और ग्रामीण क्षेत्रों में रास्तों की स्थिति पहले ही चुनौतीपूर्ण बनी रहती है। ऐसे में यदि सुरक्षित आवागमन का वैकल्पिक इंतजाम न हो तो आम लोगों, बुजुर्गों, महिलाओं और बच्चों के लिए परेशानी और बढ़ जाती है।

बटोली के लोगों का सवाल-आखिर कब तक?

स्थानीय लोगों के सामने सबसे बड़ा सवाल यही

है कि आखिर कब तक उन्हें इस तरह जोखिम उठाकर आना-जाना पड़ेगा? वीडियो में जिस तरह लोग मलबे और खतरनाक ढलान के बीच से गुजरते नजर आ रहे हैं, उससे किसी भी समय हादसे की आशंका से इनकार नहीं किया जा सकता।

मामला सिर्फ रास्ते की परेशानी तक सीमित नहीं है। यदि किसी व्यक्ति को अचानक स्वास्थ्य संबंधी आपात स्थिति हो जाए या किसी परिवार को जरूरी काम से बाहर जाना पड़े, तो ऐसी परिस्थितियों में सुरक्षित और सुगम रास्ता उपलब्ध होना बेहद जरूरी है।

सिस्टम की कार्यप्रणाली पर सवाल

बटोली से सामने आई तस्वीरें यह सवाल भी खड़ा करती हैं कि स्थानीय स्तर पर सड़क और आवागमन की व्यवस्था को लेकर जिम्मेदार विभागों एवं स्थानीय जन प्रतिनिधियों प्की ओर से क्या कदम उठाए जा रहे हैं?

चाह-अखोड़ीसैण-कोश्यार तहसील मोटर मार्ग निर्माण लटका

नई टिहरी। जाखणीधार ब्लॉक में चाह रेंगली-अखोड़ीसैण-कोश्यार तहसील मोटर मार्ग की मांग 10 साल बाद भी पूरी नहीं हो पाई है जिससे ग्रामीणों को कोश्यार तहसील आवागमन करने और अखोड़ीसैण के ग्रामीणों का ग्राम पंचायत की बैठक में प्रतिभाग करना मुश्किल है। गांव के प्रधान ने डीएम को दिए ज्ञापन में बताया कि सड़क बनाने के लिए जमीन की एनओसी भी प्रदान की गई है। बावजूद लोनिवि कोई सुध नहीं ले रहा है। ग्राम चाह गडोलिया के प्रधान विनोद सिंह गुसाईं ने डीएम को दिए ज्ञापन में बताया कि चाह रेंगली-अखोड़ीसैण-कोश्यार तहसील करीब 15 किमी मोटर मार्ग की मांग लंबे समय से की जा रही है। चाह रेंगली से सात किमी सैण नामे तोक तक आ रही निजी भूमि की एनओसी भी लोनिवि को दी गई है लेकिन अभी तक उस पर आगे की कार्यवाही शुरू नहीं की गई है।

प्रधान ने बताया कि आठ किमी में से सैण से अखोड़ीसैण तक तीन किमी तक चीड़ का जंगल है जबकि अखोड़ीसैण से आगे कोश्यार तहसील तक करीब पांच किमी वन विभाग की रोड 40 साल पहले से बनी हुई है। सड़क नहीं बनने से जहां उडारकी, मोलखी, चरियों, रिखोट आदि बस्ती के लोगों को पैदल नापना पड़ रहा है ।

तेज रफ्तार स्कूटी की टक्कर से बुजुर्ग की मौत, आरोपी गिरफ्तार

कोटद्वार कोतवाली पुलिस की हिरासत में आरोपी युवक।

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वार : भाबर क्षेत्र के झंडीचौड़ में तेज रफ्तार स्कूटी की टक्कर से घायल बुजुर्ग की उपचार के दौरान मौत हो गई। हादसे के मामले में पुलिस ने सीसीटीवी फुटेज के आधार पर स्कूटी चालक की पहचान कर उसे गिरफ्तार कर लिया है। झंडीचौड़ निवासी इंद्र सिंह ने पुलिस को दी तहरीर में बताया कि 16 अगस्त को उनके पिता बलवंत सिंह सड़क पर टहल रहे थे। इसी दौरान तेज रफ्तार स्कूटी ने उन्हें पीछे से टक्कर मार दी। हादसे में वह गंभीर रूप से घायल हो गए। आसपास मौजूद लोगों ने उन्हें अस्पताल पहुंचाया, जहां उपचार के दौरान 23 अगस्त को उनकी मौत हो गई। कोतवाली प्रभारी निरीक्षक प्रदीप नेगी ने बताया कि घटना के बाद आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली गई। फुटेज के आधार पर स्कूटी चालक की पहचान झंडीचौड़ निवासी अंकित उर्फ अभिषेक के रूप में हुई। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है।

यूनिकस कप का आगाज, 24 विद्यालयी टीमों ने दिखाया दमखम

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वार : नगर की शीर्ष 24 विद्यालयी टीमों की भागीदारी से आयोजित यूनिकस कप-2026 फुटबॉल प्रतियोगिता का भव्य शुभारंभ हो गया है। प्रतियोगिता का मुख्य उद्देश्य युवाओं व विद्यार्थियों को खेलों के प्रति जागरूक करना है। प्रतियोगिता का उद्घाटन सेवानिवृत्त लेफ्टिनेंट कर्नल चंद्रपाल पटवाल ने खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त कर एवं उनका उत्साहवर्धन करते हुए किया। उद्घाटन मुकाबले में मेजबान यूनिकस अकादमी ने शानदार प्रदर्शन करते हुए हैप्पी चिल्ड्रन अकादमी को 2-0 से हराकर प्रतियोगिता में विजयी शुरुआत की। इस जीत के बाद विद्यालय परिसर में उत्साह का माहौल देखने को मिला। प्रतियोगिता के प्रथम चरण के अन्य आठ मुकाबलों में डीएवी, क्रेडल प्ले, नवयुग पब्लिक स्कूल, आरपी स्कूल, एवीएन, हेरिटेज एकेडमी, बाल भारती और कॉन्वेंट स्कूल ने अपने-अपने मुकाबले जीतकर अगले दौर में प्रवेश किया। इस अवसर पर विद्यालय के प्रबंधक अभय सिंह रावत एवं प्रधानाचार्य दीपक गुप्ता ने खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन किया। उन्होंने खिलाड़ियों से परिणाम की चिंता से अधिक प्रयास, अनुशासन, समर्पण और खेल भावना को महत्व देने का आह्वान किया। यूनिकस कप युवा खिलाड़ियों को प्रतिस्पर्धा के साथ-साथ नेतृत्व, अनुशासन, टीम भावना और खेल भावना का अनुभव प्रदान करने वाला महत्वपूर्ण मंच बनकर सामने आया है। मैदान पर खिलाड़ियों का जोश और संघर्ष दर्शकों के लिए भी आकर्षण का केंद्र रहा। अब प्रतियोगिता का रोमांच और बढ़ने वाला है। क्वार्टर फाइनल मुकाबले मंगलवार को खेले जाएंगे, जहां विजेता टीमें सेमीफाइनल में जगह बनाने के लिए मैदान में उतरेंगी। यूनिकस कप-2026 प्रतिभा को मंच, जुनून को दिशा और खेल भावना को सम्मान देने वाला आयोजन।

तड़ियाल चौक पर हंगामा और मारपीट, तीन युवक गिरफ्तार

कोतवाली पुलिस की हिरासत में मारपीट करने वाले आरोपी

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वार : तड़ियाल चौक के समीप सार्वजनिक स्थान पर मारपीट और हंगामा करने के मामले में पुलिस ने तीन युवकों को गिरफ्तार किया है। मामले में पुलिस ने तीनों आरोपियों के खिलाफ विभिन्न धाराओं में मुकदमा दर्ज किया था। शिकायत के आधार पर पुलिस ने कार्रवाई करते हुए आरोपियों को हिरासत में लिया।

पुलिस के अनुसार, दीक्षांत और सुयश ने तहरीर देकर बताया कि वे तड़ियाल चौक के समीप घूम रहे थे। इसी दौरान पदमपुर निवासी विवेक और रचित तथा निंबूचौड़ निवासी आदित्य वहां पहुंचे और उनके साथ गाली-गलौज करने लगे। विरोध करने पर तीनों ने उनके साथ मारपीट कर दी। कोतवाली प्रभारी निरीक्षक प्रदीप नेगी ने बताया कि तहरीर के आधार पर विवेक, आदित्य और रचित के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया गया। पुलिस ने तीनों को गिरफ्तार कर लिया है और मामले में आवश्यक कार्रवाई की जा रही है।

संक्षिप्त समाचार

रोके गए भत्तों का जल्द भुगतान करें सरकार

जयन्त प्रतिनिधि।कोटद्वार : सेवानिवृत्त अधिकारी एवं कर्मचारी कल्याण समिति की बैठक में कोरोना काल में रोके गए भत्तों के भुगतान समेत सेवानिवृत्त कर्मचारियों से जुड़े विभिन्न मुद्दों पर चर्चा की गई। पदाधिकारियों ने प्रदेश सरकार से लंबित भत्तों का शीघ्र भुगतान करने की मांग की।

पनियाली गेस्ट हाउस में राजेंद्र पंत की अध्यक्षता में आयोजित बैठक में वक्ताओं ने कहा कि कोरोना काल के दौरान रोके गए भत्तों के भुगतान को लेकर कई बार शासन से मांग की जा चुकी है, लेकिन अभी तक इस दिशा में ठोस कार्रवाई नहीं हुई है। इससे सेवानिवृत्त कर्मचारियों में नाराजगी है। पदाधिकारियों ने कहा कि संगठन कर्मचारियों के हितों के लिए लगातार काम कर रहा है और संगठन से जुड़े कर्मचारियों की समस्याओं के समाधान के लिए हरसंभव प्रयास किए जाएंगे। बैठक में पर्यावरण संरक्षण पर भी चर्चा हुई। वक्ताओं ने अधिक से अधिक पौधारोपण करने की अपील की। बताया गया कि संगठन ने वन विभाग के सहयोग से सनेह रेंज में पौधा रोपण अभियान चलाया है। बैठक में अनिल कुकरेती, हरीश चंद्र भट्ट, नवीन जोशी, केसी निराला, गणेश डोभाल, सुरेश चंद्र मधवाल, चंद्र किशोर असवाल, राजेंद्र प्रसाद जोशी और हरेंद्र सिंह बिष्ट मौजूद रहे।

धार्मिक प्रतीक के सम्मान को लेकर जिम्मेदार बनें

श्रीनगर गढ़वाल : सोशल मीडिया पर मां धारी देवी की प्रतिमा से जुड़ा एक वीडियो वायरल होने के बाद धार्मिक प्रतिमाओं के सम्मान और रख-रखाव को लेकर चर्चा शुरू हो गई है। मां धारी देवी मंदिर के पुजारी लक्ष्मी प्रसाद पांडे ने लोगों से देवी-देवताओं की प्रतिमाओं को उपहार के रूप में देने से बचने की अपील की है। कहा कि देवी-देवताओं की प्रतिमाएं श्रद्धा और आस्था का विषय हैं। कई बार लोग सम्मान और श्रद्धा के भाव से धार्मिक प्रतिमाएं उपहार में दे देते हैं, लेकिन बाद में उनकी उचित देखभाल नहीं हो पाती। ऐसे में अनजाने में भी प्रतिमा के प्रति असम्मान की स्थिति बन सकती है। सोशल मीडिया पर सामने आने वाली ऐसी घटनाओं से सभी को सीख लेने की जरूरत है। धार्मिक प्रतीकों के सम्मान को लेकर प्रत्येक व्यक्ति को संवेदनशील और जिम्मेदार रहना चाहिए। (एजेंसी)

छात्रसंघ चुनाव कराने की उठाई मांग

श्रीनगर गढ़वाल : हेमवती नंदन बहुगुणा गढ़वाल विश्वविद्यालय में छात्रसंघ चुनाव 15 सितंबर तक कराने की मांग उठाई है। जय हो छात्र संगठन ने जिलाधिकारी पौड़ी और उपजिलाधिकारी श्रीनगर को ज्ञापन सौंपा। संगठन ने बताया कि शैक्षणिक सत्र 21 जुलाई 2026 से शुरू हो चुका है। लिंगदोह समिति की सिफारिशों के तहत, सत्र शुरू होने के छह से आठ सप्ताह के भीतर चुनाव होने चाहिए। 21 जुलाई से 56 दिनों की यह अवधि 15 सितंबर को समाप्त हो रही है। छात्र नेताओं ने समय पर चुनाव प्रक्रिया शुरू कर कार्यक्रम सार्वजनिक करने की मांग की। चुनाव छात्रों के लोकतांत्रिक अधिकार और प्रतिनिधित्व के लिए आवश्यक हैं। संगठन ने चेतावनी दी है कि 15 सितंबर तक चुनाव न होने पर वे शांतिपूर्ण आंदोलन करेंगे। उपजिलाधिकारी नुपूर वर्मा ने जिलाधिकारी को पत्र भेजकर इस मामले में दिशा-निर्देश मांगे हैं। (एजेंसी)

बूथों को मजबूत करने के लिए भाजपा चलाएगी अभियान

कोटद्वार में आयोजित भाजपा जिला कार्ययोजना बैठक का दीप प्रज्ज्वलित कर शुभारंभ करते पदाधिकारी।

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वार : कोटद्वार में भाजपा की जिला कार्य योजना बैठक में आगामी बूथ सशक्तिकरण अभियान को लेकर रणनीति तैयार की गई। पार्टी की ओर से 31 अगस्त से 15 सितंबर तक अभियान चलाकर बूथ स्तर पर संगठन को सक्रिय और मजबूत करने का निर्णय लिया गया। अभियान के तहत कार्यकर्ताओं को जिम्मेदारियां सौंपने के साथ ही जनसंपर्क और संगठनात्मक गतिविधियों को गति दी जाएगी।

पनियाली स्थित अटल सभागार में हुई बैठक का शुभारंभ भाजपा जिलाध्यक्ष राजगौरव नौटियाल, जिला प्रभारी रमेश मैखुरी, लैंसडौन विधायक दिलीप रावत, महापौर शैलेंद्र सिंह रावत, गौ सेवा आयोग अध्यक्ष डॉ. राजेंद्र अण्थवाल और सिंचाई सलाहकार समिति के उपाध्यक्ष ऋषि कंडवाल ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्ज्वलित कर किया। जिलाध्यक्ष राजगौरव नौटियाल ने कहा कि पार्टी की मजबूती का आधार बूथ स्तर पर सक्रिय संगठन है। बूथ कार्यकर्ता संगठन और जनता के बीच महत्वपूर्ण कड़ी की भूमिका निभाते हैं। उन्होंने बताया कि अभियान की तैयारियों को लेकर 24 से 26 अगस्त तक मंडल और 27 से 30 अगस्त तक शक्तिकेंद्र स्तर पर बैठकें आयोजित की जाएंगी। इसके बाद 31 अगस्त से 15 सितंबर तक व्यापक अभियान संचालित होगा, जिसमें जनप्रतिनिधि और पार्टी पदाधिकारी भाग लेंगे। जिला प्रभारी रमेश मैखुरी ने बूथ टोलियों के पुनर्गठन, कार्यकर्ताओं के दायित्व निर्धारण और नियमित जनसंपर्क को लेकर प्रशिक्षण दिया। उन्होंने कहा कि मजबूत बूथ ही मजबूत संगठन की नींव है। वहीं भाजपा आईटी टीम के वरिष्ठ सदस्य शुभम मेहता ने सरल एप के माध्यम से बूथ गतिविधियों को अपडेट करने की जानकारी दी।

दुकानों को हटाने के विरोध में आज बाजार बंद

कोटद्वार में दुकानों को हटाए जाने के विरोध में धरना देती महिलाएं।

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वार : रेलवे स्टेशन के बाहर दशकों से संचालित दुकानों को हटाए जाने के विरोध में व्यापार मंडल ने मंगलवार को बाजार बंद रखने का निर्णय लिया है। प्रशासन की ओर से दुकानदारों को नोटिस जारी किए जाने के बाद शुरू हुआ विरोध-प्रदर्शन सोमवार को भी जारी रहा। प्रभावित व्यापारियों ने दुकानें हटाने से पहले उन्हें वैकल्पिक स्थान उपलब्ध कराने की मांग की है। नगर व्यापार मंडल के अध्यक्ष प्रवीण भाटिया ने बताया कि प्रभावित दुकानदारों के समर्थन में मंगलवार को नगर का बाजार बंद रखा जाएगा। बंद के दौरान व्यापारी पूर्वाह्न 11 बजे जुलूस निकालेंगे और नगर निगम व तहसील प्रशासन को ज्ञापन सौंपकर अपनी मांगों से अवगत कराएंगे। इससे पहले सोमवार को भी व्यापारियों ने धरना देकर प्रशासन के निर्णय का विरोध किया।

व्यापारियों का कहना है कि रेलवे स्टेशन के सामने स्थित दुकानें लंबे समय से उनके रोजगार का आधार हैं। ऐसे में उन्हें हटाने से पहले पुनर्वास या वैकल्पिक व्यवस्था की जानी चाहिए।

एंबुलेंस से 90 किलो गांजा बरामद, चालक गिरफ्तार

जयन्त प्रतिनिधि। पौड़ी : जनपद पौड़ी गढ़वाल में अवैध नशे का कारोबार थमने का नाम नहीं ले रहा है। जिले में नशे का कारोबार धड़ल्ले से चल रहा है। श्रीनगर पुलिस ने इको एंबुलेंस से 90 किलो गांजा बरामद किया है। पुलिस ने वाहन चालक को गिरफ्तार कर लिया है। साथ ही तस्करी में प्रयुक्त एंबुलेंस को भी सीज कर दिया है। पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार सोमवार को श्रीनगर पुलिस टीम द्वारा सघन चेकिंग अभियान के दौरान आवास विकास ग्राउंड, श्रीनगर के समीप वाहनों की चेकिंग के दौरान वाहन संख्या यूके 14 पीए 0539 (इको एंबुलेंस) को रोका गया। जिसमें तलाशी के दौरान एंबुलेंस में रखे 09 कट्टों से कुल 90 किलोग्राम अवैध गांजा बरामद हुआ। पुलिस टीम द्वारा मौके से वाहन चालक रविन्द्र सिंह को गिरफ्तार करने के साथ ही तस्करी में प्रयुक्त एंबुलेंस को भी सीज किया गया। इस संबंध में कोतवाली श्रीनगर में अभियुक्त के विरुद्ध धारा- 8/20/60 एनडीपीएस एक्ट के तहत अभियोग पंजीकृत किया गया। क्षेत्राधिकारी श्रीनगर तपेश कुमार के पर्यवेक्षण तथा प्रभारी निरीक्षक कोतवाली श्रीनगर कुलदीप सिंह के नेतृत्व में मादक पदार्थ बरामदगी प्रकरण में गिरफ्तार अभियुक्त से जुड़े अन्य व्यक्तियों की तलाश एवं गिरफ्तारी हेतु विशेष पुलिस टीम का गठन किया गया। सूचना एवं साक्ष्य संकलन साथ ही गिरफ्तार अभियुक्त से की गई जानकारी के दौरान यह तथ्य प्रकाश में आया कि गांजा तस्करी में मुख्य अभियुक्त के साथ रविन्द्र कठैत उर्फ बिट्टू निवासी कीर्तिनगर द्वारा रुद्रप्रयाग निवासी विनोद रावत से कम दामों में गांजा की खरीद-फरोख्त की गई थी। दोनों अभियुक्तों की गांजा तस्करी में संलिप्त होने की पुष्टि होने पर पुलिस टीम द्वारा त्वरित कार्यवाही करते हुए विनोद रावत पुत्र चंदन सिंह रावत निवासी बणसु, जनपद रुद्रप्रयाग को रुद्रप्रयाग से व रविन्द्र कठैत उर्फ बिट्टू पुत्र स्वर्गीय राज किशोर निवासी बड्यारगढ़ जनपद टिहरी गढ़वाल, हाल पता भक्तियाना श्रीनगर जनपद पौड़ी गढ़वाल को श्रीनगर से गिरफ्तार गया। गिरफ्तारशुदा दोनों अभियुक्तों को माननीय न्यायलय के समक्ष पेश कर आवश्यक वैधानिक कार्यवाही कर जेल भेज दिया गया है। पुलिस टीम में वरिष्ठ उपनिरीक्षक पंकज तिवाड़ी, उपनिरीक्षक राजेश असवाल, उपनिरीक्षक प्रमोद कुमार, हेड कांस्टेबल संजय कुमार, जय प्रकाश खत्री, दिनेश नेगी शामिल थे।

अभियुक्त एम्बुलेंस वाहन से करते थे नशा तस्करी

पुलिस के अनुसार पूछताछ के दौरान अभियुक्त रविन्द्र कठैत उर्फ बिट्टू द्वारा बताया कि पूर्व में गिरफ्तार एम्बुलेंस चालक मुख्य अभियुक्त रविन्द्र सिंह निवासी कीर्तिनगर के साथ मिलकर विनोद रावत से थोक मात्रा में गांजा खरीदा गया। इसके पश्चात दोनों अभियुक्त मादक पदार्थ गांजा को श्रीनगर में अधिक कीमत पर बेचकर अवैध आर्थिक लाभ अर्जित करने का प्लान था। पूछताछ में अभियुक्त द्वारा यह भी बताया गया कि नशा तस्करी के लिए अभियुक्त एम्बुलेंस वाहन का उपयोग करते थे, उन्हें यह विश्वास था कि एम्बुलेंस वाहन पर सामान्यतः किसी को संदेह नहीं होता तथा मानवीय संवेदनाओं के कारण ऐसे वाहनों की जांच भी अपेक्षाकृत कम की जाती है। इसी का लाभ उठाकर वे मादक पदार्थों का परिवहन एवं आपूर्ति कर रहे थे। पुलिस टीम की सतर्कता एवं प्रभावी कार्यवाही के चलते इस पूरे नेटवर्क का खुलासा हुआ तथा तस्करी श्रृंखला से जुड़े अन्य आरोपियों तक पहुंचने में सफलता प्राप्त हुई।

सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि मेरे वाहन संख्या UK12B 4385 की आर.सी. में मेरा नाम श्रीमती अनीता बुटोला पत्नी श्री बिजेन्द्र सिंह बुटोला एवं पता ग्रास्टनगंज, कोटद्वार, जिला पौड़ी गढ़वाल, उत्तराखण्ड- 246149 दर्ज है, जो कि गलत है, जबकि मेरा सही व वास्तविक नाम अनीता सिंह पत्नी बिजेन्द्र सिंह एवं पता बी-2, सेकेंड फ्लोर, लक्ष्मी अपार्टमेंट, सिताबपुर, तहसील कोटद्वार, जिला पौड़ी गढ़वाल, उत्तराखण्ड–246149 है। मेरे उपरोक्त वाहन संख्या UK12B 4385 की आर.सी. में मेरा सही व वास्तविक नाम अनीता सिंह पत्नी बिजेन्द्र सिंह एवं पता बी-2, सेकेंड फ्लोर, लक्ष्मी अपार्टमेंट, सिताबपुर, तहसील कोटद्वार, जिला पौड़ी गढ़वाल, उत्तराखण्ड-246149 दर्ज किया जाय।

अनीता सिंह पत्नी बिजेन्द्र सिंह निवासी बी-2, सेकेंड फ्लोर, लक्ष्मी अपार्टमेंट, सिताबपुर, तहसील कोटद्वार, जिला पौड़ी गढ़वाल, उत्तराखण्ड-246149।
(0596/21)

जनता मिलन कार्यक्रम में डीएम ने सुनी समस्याएं, कार्रवाई के दिए निर्देश

भूमि प्रतिकर जारी करने, विस्थापन की जांच और सुरक्षा को लेकर सर्वे करने को कहा

जयन्त प्रतिनिधि। चमोली : जिलाधिकारी गौरव कुमार की अध्यक्षता में सोमवार को जिला सभागार गोपेश्वर में जनता मिलन कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में जनपद के विभिन्न क्षेत्रों से आए लोगों ने कुल 26 शिकायतें एवं समस्याएं जिलाधिकारी के समक्ष रखीं। जिलाधिकारी ने सभी शिकायतों को गंभीरता से सुनते हुए संबंधित अधिकारियों को प्राथमिकता के आधार पर जांच एवं आवश्यक कार्रवाई करते हुए शिकायतों का समयबद्ध निस्तारण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

जनता मिलन में किशन सिंह रावत ने जोशीमठ मलारी सड़क में भू-अधिग्रहण प्रतिकर से संबंधित समस्या रखी। इस पर जिलाधिकारी ने भूमि अध्याप्ति सहायक को किशन सिंह सहित प्राप्त सभी सम्बन्धित प्रकरणों में प्रतिकर की कार्रवाई तत्काल जारी करने के निर्देश दिए। राधिका देवी, निवासी देवग्राम ने देवग्राम के 27 परिवारों के अन्यत्र विस्थापन की मांग रखी, जिस पर जिलाधिकारी ने जिला आपदा प्रबंधन अधिकारी को प्रकरण की जांच कर आवश्यक कार्यवाही करने को कहा। यादवेन्द्र सिंह, निवासी उर्गम ने कल्पेश्वर महादेव मंदिर की सुरक्षा एवं आपदा सुरक्षा से संबंधित समस्या उठाई। जिलाधिकारी ने पीएमजीएसवाई के अधिकारियों को संबंधित विभागों के साथ संयुक्त सर्वे कर सुरक्षा कार्य करने को कहा। बलवंत सिंह, निवासी गोपेश्वर ने वार्ड संख्या-1 में नाली निर्माण की समस्या रखी। जिलाधिकारी ने अधिशासी अधिकारी नगर पालिका को बरसात के बाद तत्काल आवश्यक कार्यवाही करने के निर्देश दिए। इसके अतिरिक्त विक्रम, प्रेम सिंह, दर्शन नेगी, विपिन सिंह, अतुल शाह, सुधा देवी, जय लाल, बुद्धि प्रसाद, गोपाल सिंह सहित अन्य लोगों ने भी अपनी समस्याएं एवं शिकायतें जिलाधिकारी के समक्ष रखीं। जिलाधिकारी ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि जनता की समस्याओं के निस्तारण में किसी प्रकार की लापरवाही न बरती जाए तथा प्रत्येक प्रकरण में नियमानुसार कार्रवाई सुनिश्चित करते हुए शिकायतकर्ता को भी की गई कार्रवाई से अवगत कराया जाए। इस दौरान मुख्य विकास अधिकारी डॉ. अभिषेक त्रिपाठी, मुख्य चिकित्साधिकारी डॉ. राजीव पाल, मुख्य कृषि अधिकारी जय प्रकाश तिवारी, जिला आपदा प्रबंधन अधिकारी नंद किशोर जोशी सहित संबंधित विभागों के अधिकारी एवं आमजन मौजूद रहे।

कार्यालय परियोजना प्रबन्धक, अस्थाई निर्माण इकाई, उत्तराखण्ड पेयजल निगम, पौड़ी

अल्पकालीन निविदा सूचना

पत्रांक 1020/ जी0-05 /56 दिनांक 24.08.2026

अध्यक्ष उत्तराखण्ड पेयजल संसाधन विकास एवं निर्माण निगम की ओर से अधोहस्ताक्षरी द्वारा निम्नलिखित निर्माण कार्यों की मुहरबन्द निविदाऐं उत्तराखण्ड पेयजल निगम में भवन निर्माण कार्यों में डी0 एवं उच्चतर श्रेणी के ठेकेदारों से दि0 08.09.2026 को अपरान्ह 3:00 बजे तक अस्थाई निर्माण इकाई, उत्तराखण्ड पेयजल निगम, पौड़ी में आमंत्रित की जाती है, जो दि0 08.09.2026 को परियोजना प्रबन्धक, अस्थाई निर्माण इकाई, उत्तराखण्ड पेयजल निगम, पौड़ी के कार्यालय में उपस्थित ठेकेदारों एवं उनके प्रतिनिधियों के समक्ष अपरान्ह 3.30 बजे खोली जायेगी। निविदा प्रपत्र दिनांक 07.09.2026 तक किसी भी कार्य दिवस एवं कार्यालय समय में उपरोक्त वर्णित कार्यालय से परियोजना प्रबन्धक, अस्थाई निर्माण इकाई, उत्तराखण्ड पेयजल निगम, पौड़ी के पदनाम के खाता संख्या 1370000102115654 (पंजाब नेशनल बैंक, पौड़ी) में निविदा प्रपत्र मूल्य जमा कर प्राप्ति रसीद प्रस्तुत करने के पश्चात, विक्रय हेतु उपलब्ध है। निविदा के साथ जी0एस0टी0 में पंजीकरण की छाया प्रति संलग्न करना अनिवार्य है।

क्र0 सं0	योजना का नाम	निविदा प्रपत्र का मूल्य + जी0एस0टी0 सहित	धरोहर धनराशि (रू0 लाख में)	निविदा की वैधता	कार्य पूर्ण करने की अवधि
1	राजकीय डॉ0 बी0आर0 अम्बेडकर अनुसूचित जाति बालिका छात्रावास पौड़ी में अनुरक्षण कार्य	1500+270 = 1770	0.33	45 दिन	03 माह

''जल संचय-जीवन संचय'' **''कृपया जल श्रोतों को प्रदूषित होने से बचाइये''**

''जल श्रोत बताइये-पेयजल योजना पाइये'' **''जल श्रोतों को प्रदूषित करना दण्डनीय अपराध है''**

नोट :- नियम व शर्तें कार्यालय नोटिस बोर्ड एवं कार्यालय समय में देखी एवं प्राप्त की जा सकती है।

(वीरेन्द्र प्रसाद)
परियोजना प्रबन्धक

(0397/77)

संपादकीय

मोबाइल खतरा या आवश्यकता

हमारे समाज के अंदर मोबाइल एक घातक बीमारी साबित हो रहा है। मोबाइल की चाहत और इसका प्रयोग जब दिमाग पर चढ़ जाता है तो इसके भैया वह परिणाम देखने को मिलते हैं। हाल ही में महाराष्ट्र से एक ऐसा दिलदार देने वाला वीडियो सामने आया जिसमें कथित तौर पर आईफोन की मांग पूरी न होने पर एक युवक ने पहाड़ी से चलांग लगा दी और उसके इस कृत्य के कारण उसके माता–पिता की जान भी चली गई। इस घटना ने मोबाइल को लेकर बच्चों और युवा वर्ग में पनप रही मानसिक विकृति का भी उदाहरण पेश किया है जो एक बड़ी चिंता का विषय बन गया है। आज का युग तकनीक का युग है। मोबाइल फोन जानकारी प्राप्त करने का यह एक प्रभावी माध्यम बन चुका है। लेकिन हर सुविधा के साथ कुछ चुनौतियाँ भी जुड़ी होती हैं। वर्तमान समय में मोबाइल फोन का अत्यधिक उपयोग एक गंभीर सामाजिक समस्या के रूप में उभर रहा है। यह लत अब केवल समय की बर्बादी तक सीमित नहीं रह गई है, बल्कि शारीरिक, मानसिक और सामाजिक जीवन के लिए भी खतरा बनती जा रही है। यह एक कटु सत्य है कि मोबाइल की लत का सबसे अधिक प्रभाव बच्चों और युवाओं पर पड़ रहा है। घंटों तक सोशल मीडिया, ऑनलाइन गेम और वीडियो देखने की आदत उनकी पढ़ाई, एकाग्रता और रचनात्मकता को प्रभावित कर रही है। कई युवा रात–रात भर मोबाइल का उपयोग करते हैं, जिससे उनकी नींद पूरी नहीं हो पाती और स्वास्थ्य संबंधी समस्याएँ तो उत्पन्न हो ही रही है साथ ही मानसिक विकार भी बढ़ रहे हैं जिसमें अपनी मांग पूरी करवाने को लेकर घातक कदम उठाना भी शामिल है। महंगे से महंगा मोबाइल पानी की चाहत और मोबाइल की दुनिया में खोए रहने से व्यक्ति वास्तविक जीवन के रिश्तों से दूर होने लगता है। अकेलापन, तनाव, अवसाद और चिड़चिड़ापन जैसी समस्याएँ बढ़ने लगती हैं। सोशल मीडिया पर दूसरों के जीवन से अपनी तुलना करने की प्रवृत्ति आत्मविश्वास को कमजोर करती है और मानसिक दबाव पैदा करती है। न जाने ऐसे कितने ही मामले प्रकाश में आ चुके हैं जिसमें मोबाइल की लत कई बार जानलेवा साबित हो चुका है। वाहन चलाते समय मोबाइल पर बात करना या संदेश पढ़ना सड़क दुर्घटनाओं का बड़ा कारण बन चुका है। रेलवे ट्रैक पर सेल्फी लेने, वीडियो बनाने या ध्यान भटकने के कारण अनेक लोगों ने अपनी जान गंवाई है। मोबाइल के अत्यधिक उपयोग से बच्चों और युवाओं का शारीरिक विकास भी प्रभावित हो रहा है, क्योंकि वे खेलकूद और अन्य रचनात्मक गतिविधियों से दूर होते जा रहे हैं।इस समस्या का समाधान केवल तकनीक को दोष देने में नहीं, बल्कि उसके संतुलित उपयोग में है। अभिभावकों को बच्चों के मोबाइल उपयोग पर निगरानी रखनी चाहिए और उन्हें खेल, पुस्तक पढ़ने तथा सामाजिक गतिविधियों के लिए प्रेरित करना चाहिए। विद्यालयों में भी डिजिटल जागरूकता पर विशेष ध्यान दिया जाना चाहिए। प्रत्येक व्यक्ति को स्वयं यह समझना होगा कि मोबाइल एक साधन है, जीवन का उद्देश्य नहीं। इसमें कोई संदेह नहीं की मोबाइल आज की आवश्यकता है ज्ञान का अपार भंडार है लेकिन तब जब इसका सदुपयोग किया जाए। लेकिन इसकी अति विनाशकारी सिद्ध हो सकती है। यदि समय रहते इसके दुष्प्रभावों को नहीं समझा गया, तो यह सुविधा का साधन समाज के लिए गंभीर संकट का कारण बन सकती है। इसलिए आवश्यक है कि तकनीक का उपयोग विवेकपूर्ण और संतुलित ढंग से किया जाए, ताकि उसका लाभ मिले और उसके दुष्प्रभावों से बचा जा सके।

वन्देमातरम् विवाद- राष्ट्रगान पर राजनीतिः विभाजन के प्रयास.....?

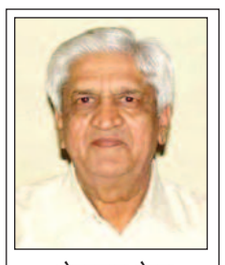

ओमप्रकाश मेहता

आज यदि सबसे अधिक दुःखी आत्मा होगी तो वह राष्ट्रभक्त बंकिमचन्द्र चटोपाध्याय की होगी, जिनकी अनुपम कृति ह्यवन्दे मातरम्ह्न पर राजनीति हावी हो गई है। खासकर इस राष्ट्रीय गीत के छंदों को लेकर जंग छिड़ी है, पिछले नौ दशक से इसके दो ही छंद गाए जाते रहे है, जबकि इसके कुल मिलाकर आठ छंद है, अब देश के गृहमंत्री ने इसी को राजनीतिक विवाद की मुख्य बना दिया है तथा इसी आधार पर प्रमुख प्रतिपक्षी दल कांग्रेस को घेरने का प्रयास किया जा रहा है। गृहमंत्री का कहना है कि कांग्रेस मुस्लिम तुष्टिकरण के कारण फिर पुरानी गलती को दोहरा रही है।

वास्तव में इस विवाद की शुरूआत स्वतंत्रता दिवस के दिन उस समय हुई जब दिल्ली स्थित कांग्रेस मुख्यालय में ध्वज वंदन के समय सोनिया गांधी एक कार्यकर्ता को कोई निर्देश दे रही थी, आरोप है कि सोनिया ने राष्ट्रगान का अपमान किया और वे राष्ट्रभक्ति पसंद नही करती। यद्यपि आज तक प्रमुख सत्ताधारी दल भाजपा के भी किसी ध्वज वंदन कार्यक्रम में 'वन्दे मातरम्' का पूरा गान गाते नही देखा गया, पिछले नो दशकों से इसके प्रारंभिक दो छंद ही गाते देखा गया है, किंतु यह राजनीति की बलिहारी है, जिसने इसे राजनीतिक विवाद का मुद्दा बना दिया और अब इस मुद्दें पर भाजपा-कांग्रेस आमने-सामने आ गए है। सत्तारूढ़ दल, कांग्रेस के इस फैसले को आत्मघाती बता रहे है।

यहां यह उल्लेखनीय है कि इस गान को 1937 में 'राष्ट्रीय गान' का दर्जा दिया गया था। इसीलिए इसे आजादी के पहले की धरोहर मानकर पूरा राष्ट्र इसका सम्मान करता है और बड़े गर्व के साथ राष्ट्रीय कार्यक्रमों में झण्ड़ा वंदन की सलामी के समय इसे गाया जाता रहा है, किंतु अब जक इसे राजनीतिक मुद्दा बना दिया गया है तो इस गान के भविष्य को लेकर पूरा देश चिंतित है।

अब इस विवादित राजनीति का असर कहां-कहां तक होता है, यह फिलहाल कल्पना से परे है, क्योंकि पूरे देश की प्राथमिक से लेकर उच्च शिक्षण संस्थाओं में इसका पूरे सम्मान के साथ गान किया जाता है। अब फिलहाल यह भी मानना मुश्किल है कि इस विवाद के पीछे भी 'वोट बैंक' की राजनीति छुपी है, क्योंकि देश के दो विशेष वर्ग मुस्लिम और ईसाई आरोपित है कि इस गान का सम्मान नही करते?

अब जो भी हो किंतु सबसे अहम् बिन्दू यही है कि इस अहम् राष्ट्र भक्ति से जुड़े बिन्दू को राजनीति का अंग बनाना किसी भी स्थिति में ठीक नही कहा जा सकता।

(यह लेखक के व्यक्तिगत विचार हैं इससे संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है)

चुनौती बन रहा है नाबालिगों का अपराध की ओर बढ़ता रूझान

मनोज कुमार अग्रवाल

नाबालिग बच्चों में अपराध की बढ़ती प्रवृत्ति एक गंभीर सामाजिक चिंता का विषय है। छोटी उम्र के बच्चों में आक्रामकता, चोरी, मारपीट और यहाँ तक कि गंभीर हिंसक अपराधों जैसे हत्या लूट के रुझान में इजाफा देखा जा रहा है। इसके मुख्य कारणों में हिंसक डिजिटल कंटेंट, पारिवारिक संवाद की कमी और गलत संगत शामिल हैं।हाल ही में तेलंगाना के नालगोंडा में एक महिला प्रिंसिपल की उनके ही स्कूल के तरूण छात्र ने एक अन्य साथी छात्र के साथ मिलकर लूटपाट कर नृशंस हत्या कर दी। पुलिस ने 48 वर्षीय स्कूल प्रिंसिपल की सनसनीखेज हत्या के मामले को सुलझा लिया है और दो छात्रों को गिरफ्तार किया है, जिन्होंने कथित तौर पर पैसे और आलीशान जीवन शैली के लिए अपराध की योजना बनाई थी।यह वारदात समाज में नाबालिक बच्चों में अपराध की दुनिया के प्रति बढ़ता आकर्षण कानून और समाज से बेखौफ उन्मुक्त और अय्याशी भरे जीवन शैली को जीने की ललक को बताती है। भारत में क्राइम के मामलों को लेकर एनसीआरबी ने चौंकाने वाली रिपोर्ट दी है। इसके मुताबिक, हत्या, रेप और अपहरण जैसे संगीन अपराधों में नाबालिगों की संलिप्तता बढ़ी है। दिल्ली में 40 फीसदी से भी अधिक ऐसे केस सामने आए हैं। आपको बता दें कि तेलंगाना के कोंडमल्लेपल्ली स्थित नागार्जुन पब्लिक स्कूल की प्रिंसिपल और डायरेक्टर कल्लू रूपा रेड्डी 12 अगस्त की सुबह अपने घर में मृत पाई गईं। उनके शरीर पर चाकू के 27 घाव थे। उनका शव तब बरामद हुआ जब उनके पति, जो हैदराबाद में थे, ने पड़ोसियों को बताया कि वह उनके फोन का जवाब नहीं दे रही हैं। पड़ोसियों ने पुलिस को सूचना दी, जिसने उन्हें मृत पाया।

इसके बाद पुलिस ने पांच टीमें बनाईं और सीसीटीवी फुटेज, फोरेंसिक साक्ष्य, फिंगरप्रिंट, तकनीकी डेटा और संदिग्धों की गतिविधियों की जांच की और 80 से अधिक लोगों से पूछताछ की। बाबू शब्द के कारण छात्रों ने जांचकताओं को तब सुराग मिला जब उन्हें पता चला कि फोन बंद होने से पहले रूपा रेड्डी ने अपनी चाची से बात करते समय बाबू शब्द का इस्तेमाल किया था। वरिष्ठ पुलिस अधिकारी शरथ चंद्र पवार के अनुसार उसकी बातचीत के दौरान रिकॉर्ड किया गया आखिरी शब्द बाबू था। हमने इस बात की जांच की कि वह किसका जिक्र कर रही थी, और इससे हमें स्कूल के छात्रों की ओर संकेत मिला।

इसके बाद जांचकताओं ने छात्रों से व्यक्तिगत रूप से पूछताछ की और कक्षा 10 के उन पांच छात्रों पर ध्यान केंद्रित किया जो स्कूल से अनुपस्थित रहे थे। उन्हें पता चला कि उनमें से दो छात्र पिछले कुछ दिनों में खूब पैसा खर्च कर रहे थे और पार्टियां दे रहे थे।पवार ने बताया कि दोनों छात्रों को बुधवार सुबह हिरासत में लिया गया और पूछताछ के दौरान उन्होंने कबूल किया कि उन्होंने योजना के अनुसार रूपा रेड्डी की हत्या की थी। जांच अधिकारी के अनुसार आरोपियों को इससे पहले रूपा रेड्डी द्वारा फटकार लगाई गई थी, जब उनके छात्रावास के बैग से नकदी और एक मोबाइल फोन बरामद हुआ था।उसने उनके माता-पिता को सूचित किया, और उन्हें छात्रावास से निकालकर दैनिक छात्र का दर्जा दे दिया गया।पुलिस को संदेह है कि इससे प्रधानाचार्य के प्रति असंतोष पैदा होने में योगदान हो सकता है। आपको बता दें कि सोशल मीडिया के इस दौर में ऑनलाइन गेम और ओटीटी प्लेटफॉर्म पर उपलब्ध असीमित और हिंसक सामग्री बच्चों के कोमल मन पर बुरा असर डाल रही है।

एनसीआरबी की ताजा रिपोर्ट के अनुसार अपराध के लगभग हर क्षेत्र में नाबालिग शामिल पाए गए। इसमे कुछ ऐसे मामले भी सामने आए हैं। जिसमें रेप, हत्या और किडनैपिंग मे मामलों में 12 साल से कम उम्र तक के नाबालिग भी शामिल रहे।

इस साल जनवरी 2026 में राजधानी दिल्ली में तीन नाबालिगों को पुलिस ने गिरफ्तार किया था. तीनों पर एक 6 साल की बच्ची का रेप करने का आरोप था. कानूनन तीनों नाबालिग थे लेकिन तीनों ने मिलकर इतनी हैवानियत की थी कि वह बच्ची ठीक से चल भी नहीं पा रही थी. इसी तरह अप्रैल में नागपुर में पुलिस ने 13 नाबालिगों को पकड़ा था. इन सभी ने मिलकर एक 22 साल के व्यक्ति की बेरहमी से हत्या कर दी थी. हत्या 100 रुपये के विवाद को लेकर हुई थी. आए दिन गंभीर अपराधों में नाबालिक अपचारियो की बढ़ती भागीदारी समाजशास्त्र और बाल मनोविज्ञान के अध्येताओं के लिए चुनौती बन रही है। ये घटनाएं इतना बताने के लिए काफी हैं कि हमारे देश में अब नाबालिग तेजी से अपराध की ओर बढ़ रहे हैं. हाल ही में नेशनल क्राइम रिकॉर्ड ब्यूरो की रिपोर्ट आई है. इसमें सामने आया है कि दो साल में नाबालिगों के खिलाफ अपराध के मामलों में 14% से ज्यादा की बढ़ोतरी हुई है.एनसीआरबी रिपोर्ट के मुताबिक, 2022 में नाबालिगों के खिलाफ 30,555 मामले दर्ज किए गए थे. 2024 में यह बढ़कर 34,878 हो गए। रिपोर्ट बताती है कि 2024 में दर्ज मामलों 58.9 लाख मामले दर्ज किए गए थे. 2023 की तुलना में यह 6 फीसदी की गिरावट थी. लेकिन इसके उलट, नाबालिगों के खिलाफ दर्ज आपराधिक मामलों में बढ़ोतरी हुई है. चिंता वाली बात यह है कि नाबालिग रेप, मर्डर, लूटपाट और किडनैपिंग जैसे गंभीर अपराधों भी शामिल हो रहें हैं। रिपोर्ट के मुताबिक, 2024 में महिलाओं और बच्चों के खिलाफ होने वाले अपराध के 2,557 मामलों में नाबालिगों को आरोपी बनाया गया था. इसके अलावा मर्डर और किडनैपिंग जैसे 8,943 मामलों में आरोपी नाबालिग थे. 2024 में नाबालिगों के खिलाफ रेप के 1,067 और मर्डर के 1,120 मामले दर्ज किए गए थे. अगर इसका औसत निकाला जाए तो हर दिन रेप और मर्डर के 3-3 मामलों में आरोपी नाबालिग होते हैं.रिपोर्ट के मुताबिक, 2024 में जितने नाबालिगों को गिरफ्तार किया गया, उनमें से 2,857 ही ऐसे थे जो अनपढ़ थे. 21,068 आरोपी ऐसे थे जिन्होंने 5वीं से 10वीं तक की पढ़ाई की थी. जबकि, 10वीं से 12वीं तक पढ़ाई करने वाले 8,301 और 12वीं पास 1,418 नाबालिगों को गिरफ्तार किया गया था.इसी तरह, इनमें से सिर्फ 2,216 नाबालिग ही ऐसे थे जो बेघर थे और जिनके माता-पिता नहीं थे. जबकि 36,905 आरोपी ऐसे थे जो अपने माता-पिता के साथ रहते थे. इनके अलावा 3,512 आरोप किसी न किसी गार्जियन के साथ रहते थे.

दरअसल माता-पिता का बच्चों के साथ संवाद कम होना, घरेलू हिंसा या परिवार का विघटन बच्चों को विद्रोही बना रहा है। पढ़ाई और अन्य गतिविधियों में हर समय जीतने का भारी तनाव बच्चों में गुस्सा और कुंठा पैदा कर रहा है।बुरी संगत और सहपाठियों (पीयर प्रेशर) के दबाव में आकर बच्चे जल्दी गलत रास्ते पर कदम रख देते हैं। विश्व स्वास्थ्य संगठन का सुझाव है कि गरीबी कम करके और शहरी वातावरण को बेहतर करके नाबालिगों को हिंसा में आने से रोका जा सकता है. अमीरी और गरीबी का अंतर अपराध को बढ़ाता है, क्योंकि ऐसी स्थिति में अपनी भड़ास निकालने के लिए हिंसा सबसे आसान जरिया बन जाती है. इसलिए गैर-बराबरी कम करने के साथ-साथ स्कूली शिक्षा को बेहतर करके बच्चों को हिंसा और अपराध से बचाया जा सकता है.इसके साथ ही माता-पिता बच्चों के साथ समय बिताएं और उनकी भावनाओं को समझें। बच्चों द्वारा देखे जाने वाले डिजिटल और ऑनलाइन कंटेंट की निगरानी करें। घर और स्कूल में ऐसा वातावरण दें जहाँ बच्चा खुलकर अपनी बात रख सके।जुवेनाइल जस्टिस सिस्टम का उद्देश्य बच्चों को सजा देना नहीं बल्कि उनकी काउंसलिंग कर उन्हें सुधारना है लेकिन इस सहानुभूति भरे कानून का नाबालिक अपचारी दुरूपयोग न करें इस ओर भी निगरानी जरूरी है।

क्रिकेट के बहाने सत्ता, सुरक्षा और कूटनीति का अंदरूनी सच

कुमार कृष्णन

पूर्व खुफिया एवं सुरक्षा अधिकारी यशोवर्धन आजाद की पुस्तक 'पॉलिसिंग द रिपब्लिक' इस यात्रा के कुछ ऐसे पहलुओं को सामने लाती है, जो बताते हैं कि भारत-पाकिस्तान क्रिकेट संबंधों में खेल से कहीं अधिक महत्वपूर्ण सुरक्षा और रणनीतिक गणनाएं होती रही हैं। पुस्तक में आजाद ने अपने लंबे अनुभव के आधार पर पुलिस व्यवस्था, भ्रष्टाचार, आतंकवाद, अपराध, राजनीतिक हस्तक्षेप और राष्ट्रीय सुरक्षा से जुड़े प्रश्नों पर चर्चा की है।

क्रिकेट को भारत और पाकिस्तान के बीच संबंधों में अक्सर केवल खेल के रूप में देखा जाता है। लेकिन दोनों देशों के इतिहास में क्रिकेट कई बार कूटनीति का माध्यम भी बना है और कई बार सुरक्षा तथा राजनीति की जटिलताओं का आईना भी। वर्ष 2004 का भारत का पाकिस्तान दौरा इसका महत्वपूर्ण उदाहरण है। एक दशक से अधिक समय बाद भारतीय क्रिकेट टीम पाकिस्तान गई थी। इसे 'मैत्री दौरा' कहा गया और उस समय दोनों देशों के बीच संबंधों को सामान्य बनाने की कोशिशें चल रही थीं। हालांकि मैदान पर दिखाई देने वाले खेल के पीछे सुरक्षा, खुफिया जानकारी और राजनीतिक निर्णयों की एक जटिल कहानी थी।

पूर्व खुफिया एवं सुरक्षा अधिकारी यशोवर्धन आजाद की पुस्तक 'पॉलिसिंग द रिपब्लिक' इस यात्रा के कुछ ऐसे पहलुओं को सामने लाती है, जो बताते हैं कि भारत-पाकिस्तान क्रिकेट संबंधों में खेल से कहीं अधिक महत्वपूर्ण सुरक्षा और रणनीतिक गणनाएं होती रही हैं। पुस्तक में आजाद ने अपने लंबे अनुभव के आधार पर पुलिस व्यवस्था, भ्रष्टाचार, आतंकवाद, अपराध, राजनीतिक हस्तक्षेप और राष्ट्रीय सुरक्षा से जुड़े प्रश्नों पर चर्चा की है।

वर्ष 2004 के पाकिस्तान दौरे से जुड़ा एक प्रसंग विशेष रूप से ध्यान खींचता है। पाकिस्तान के तत्कालीन राष्ट्रपति परवेज मुशर्रफ कराची में एक टेस्ट मैच आयोजित करना चाहते थे। लेकिन भारतीय सुरक्षा व्यवस्था ने कराची और पेशावर को टेस्ट मैच के लिए उपयुक्त नहीं माना था। आजाद उस समय भारतीय टीम की सुरक्षा से जुड़े दल में थे। सुरक्षा आकलन के बाद कराची और पेशावर में टेस्ट मैच नहीं कराने की सलाह दी गई थी। मुल्तान, रावलपिंडी और लाहौर को टेस्ट मैचों के लिए अपेक्षाकृत सुरक्षित माना गया।

इसी बीच आजाद को तत्कालीन उपप्रधानमंत्री लालकृष्ण आडवाणी का फोन आया। आडवाणी ने उनसे पूछा कि क्या कराची में टेस्ट मैच कराने पर पुनर्विचार किया जा सकता है। आजाद ने सुरक्षा संबंधी कारणों की जानकारी दी। इसके बाद उनसे कहा गया कि वे इस मामले को खुफिया ब्यूरो के निदेशक के सामने उठाएं। आडवाणी स्वयं भी इस संबंध में खुफिया ब्यूरो के निदेशक से बात करने वाले थे।

आजाद के अनुसार, उन्हें यह जानकर भी आश्चर्य हुआ कि यह आग्रह सीधे उपप्रधानमंत्री तक कैसे पहुंचा। बाद में उन्हें विदेश मंत्रालय में पाकिस्तान संबंधी जिम्मेदारी संभाल रहे अधिकारी अरुण सिंह से पता चला कि यह स्वयं राष्ट्रपति मुशर्रफ का अनुरोध था। लेकिन अंततः सुरक्षा सलाह को प्राथमिकता दी गई और सुरक्षा दल द्वारा सुझाए गए कार्यक्रम में बदलाव नहीं किया गया।

यह प्रसंग इसलिए महत्वपूर्ण है क्योंकि इसमें कूटनीति और राष्ट्रीय सुरक्षा के बीच संतुलन दिखाई देता है। एक ओर पाकिस्तान के राष्ट्रपति की इच्छा थी और दूसरी ओर भारतीय सुरक्षा एजेंसियों का पेशेवर आकलन। राजनीतिक नेतृत्व के सामने विकल्प था कि वह कूटनीतिक अवसर को प्राथमिकता दे या सुरक्षा संबंधी सलाह को। अंततः सुरक्षा आकलन को स्वीकार करना यह बताता है कि संवेदनशील मामलों में राजनीतिक नेतृत्व और पेशेवर सुरक्षा तंत्र के बीच संवाद तो जरूरी है, लेकिन निर्णय लेते समय सुरक्षा संबंधी तथ्यों की अनदेखी नहीं की जा सकती।

2004 का पाकिस्तान दौरा सामान्य क्रिकेट दौरा भी नहीं था। भारत और पाकिस्तान के बीच क्रिकेट संबंध लंबे समय से राजनीतिक तनाव की छाया में रहे थे। ऐसे समय में भारतीय टीम का पाकिस्तान जाना दोनों देशों के बीच विश्वास बहाली की बड़ी कोशिश के रूप में देखा गया। मैदान पर खिलाड़ी थे, दर्शकों में उत्साह था और राजनीतिक नेतृत्व के लिए यह संबंध सुधारने का अवसर था। लेकिन सुरक्षा एजेंसियों के लिए वही दौरा अत्यंत संवेदनशील अभियान था।

आजाद ने कराची में होने वाले एकदिवसीय मैच से पहले पैदा हुई सुरक्षा चिंताओं का भी उल्लेख किया है। उनके अनुसार, भारतीय टीम को आतंकवादी खतरे की सूचना मिली थी। इसी दौरान 11 मार्च 2004 को स्पेन के मैड्रिड में रेलगाड़ियों में बम विस्फोट हुए, जिनमें 193 लोगों की मौत हुई और करीब दो हजार लोग घायल हुए। उस समय पाकिस्तान के कबायली और शहरी क्षेत्रों में अल-कायदा के शीर्ष कार्यकताओं की मौजूदगी के बारे में भी खुफिया जानकारी थी।

भारतीय टीम की सुरक्षा व्यवस्था संभाल रहे आजाद के सामने चुनौती केवल खतरे को पहचानने की नहीं थी, बल्कि यह तय करने की भी थी कि खिलाड़ियों को कितनी जानकारी दी जाए। उन्होंने टीम के प्रबंधक आर. एस. शेट्टी और प्रशिक्षक जॉन राइट के साथ इस सूचना को साझा किया और तत्काल इसे सार्वजनिक नहीं करने का निर्णय लिया। अगले दिन भारतीय टीम को कराची में एकदिवसीय मैच खेलना था।

इसके बाद इस्लामाबाद स्थित भारतीय उच्चायोग से भी भारतीय टीम को आतंकवादी खतरे की सूचना मिली। यह सूचना खुफिया स्रोत से प्राप्त हुई थी और उसमें विशेष रूप से कराची तथा भारतीय टीम का उल्लेख था। हालांकि खतरे का विस्तृत विवरण उपलब्ध नहीं था, फिर भी इसे गंभीरता से लिया गया। टीम का सामान पहले ही तैयार करवा दिया गया, ताकि मैच समाप्त होते ही भारतीय टीम सीधे हवाई अड्डे के लिए रवाना हो सके।

यह प्रसंग बताता है कि सुरक्षा व्यवस्था केवल हथियारबंद सुरक्षाकर्मियों की तैनाती का नाम नहीं है। इसमें यात्रा की समय-सारणी, खिलाड़ियों की गतिविधियां, सामान की आवाजाही, आने-जाने के रास्ते, संभावित खतरे और आपात स्थिति में तत्काल निकासी की योजना तक शामिल होती है। किसी संवेदनशील देश में राष्ट्रीय टीम का दौरा अपने आप में एक जटिल सुरक्षा अभियान बन जाता है।

इस गंभीर वातावरण के बीच आजाद की पुस्तक में सचिन तेंदुलकर से जुड़ा एक दिलचस्प प्रसंग भी है। इस्लामाबाद हवाई अड्डे पर तेंदुलकर ने काले सूट और काले ब्रीफकेस लिए खड़े सुरक्षाकर्मियों की ओर संकेत करते हुए मासूमियत से पूछा कि क्या वे ह्यपरमाणु बटनह्न लेकर खड़े हैं। जब आजाद ने उन्हें जैमर के बारे में बताया तो तेंदुलकर ने उससे जुड़े कई सवाल किए। यह प्रसंग सुरक्षा के गंभीर संसार के बीच एक मानवीय और हल्का क्षण सामने लाता है। लेकिन 'पॉलिसिंग द रिपब्लिक' की महत्ता केवल ऐसे रोचक प्रसंगों में नहीं है। पुस्तक की वास्तविक उपयोगिता इस बात में है कि लेखक ने सत्ता, पुलिस और सुरक्षा तंत्र को भीतर से देखा है। उन्होंने अपने अनुभवों के आधार पर यह समझाने का प्रयास किया है कि अपराध, भ्रष्टाचार, आतंकवाद और राजनीतिक हस्तक्षेप से निपटने वाली संस्थाओं के सामने किस तरह की चुनौतियां होती हैं।

राष्ट्रीय सुरक्षा का सवाल आज पहले से अधिक जटिल हो गया है। आतंकवाद के साथ-साथ साइबर अपराध, संगठित अपराध, सीमा पार से आने वाले खतरे और सूचना के दुरुपयोग जैसी नई चुनौतियां भी सामने हैं। ऐसे समय में सुरक्षा संस्थाओं की पेशेवर क्षमता के साथ उनकी जवाबदेही भी महत्वपूर्ण है। लोकतंत्र में सुरक्षा और नागरिक अधिकारों के बीच संतुलन बनाए रखना किसी भी सरकार के लिए बड़ी चुनौती है।

2004 का कराची टेस्ट प्रसंग इसी संस्थागत विवेक का उदाहरण है। पाकिस्तान के राष्ट्रपति की इच्छा थी, भारत के राजनीतिक नेतृत्व के सामने कूटनीतिक अवसर था, लेकिन सुरक्षा आकलन ने जोखिम की ओर संकेत किया। अंततः टेस्ट मैच के कार्यक्रम में बदलाव नहीं किया गया। उस समय यह निर्णय शायद केवल क्रिकेट कार्यक्रम से जुड़ा मामला लगा हो, लेकिन वर्षों बाद सामने आए विवरण इसे राष्ट्रीय सुरक्षा और निर्णय प्रक्रिया को समझने का महत्वपूर्ण उदाहरण बना देते हैं।

भारत और पाकिस्तान के रिश्तों में क्रिकेट की भूमिका हमेशा दोहरी रही है। यह कभी जनता को जोड़ने का माध्यम बना, तो कभी दोनों देशों के तनाव का प्रतीक। 2004 का दौरा उस दौर की उम्मीदों का प्रतिनिधित्व करता था जब दोनों देशों के बीच संबंध सुधारने की कोशिश हो रही थी। सौरव गांगुली की कप्तानी में भारत ने एकदिवसीय श्रृंखला 3-2 से और टेस्ट श्रृंखला 2-1 से जीती। लेकिन स्कोरबोर्ड से परे इस दौरे की सबसे महत्वपूर्ण कहानी सुरक्षा और कूटनीति की थी।

आजाद की पुस्तक का व्यापक संदेश भी यही है कि गणतंत्र की सुरक्षा केवल पुलिस या खुफिया एजेंसियों की जिम्मेदारी नहीं है। इसके लिए मजबूत संस्थाएं, पेशेवर निर्णय, राजनीतिक संयम, जवाबदेही और नागरिक अधिकारों के प्रति सम्मान आवश्यक है। सुरक्षा तंत्र को राजनीतिक दबाव से मुक्त रखते हुए उसकी लोकतांत्रिक जवाबदेही सुनिश्चित करना किसी भी लोकतांत्रिक व्यवस्था की बुनियादी आवश्यकता है।

इस दृष्टि से 'पॉलिसिंग द रिपब्लिक' केवल एक पूर्व अधिकारी का संस्मरण नहीं है। यह उस व्यवस्था के भीतर झांकने का अवसर देती है, जहां सार्वजनिक रूप से दिखाई देने वाले निर्णयों के पीछे अनेक स्तरों पर विचार और जोखिम का आकलन चलता है। कराची का वह टेस्ट मैच अंततः नहीं हुआ, लेकिन उसके पीछे की कहानी अब सामने आई है।

क्रिकेट के मैदान पर मैच होते हैं, श्रृंखलाएं जीती और हारी जाती हैं और रिकॉर्ड बनते हैं। लेकिन किसी अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट दौरे की सफलता केवल खेल परिणामों से तय नहीं होती। उसके पीछे कूटनीति, खुफिया जानकारी, सुरक्षा आकलन और राजनीतिक निर्णय भी काम करते हैं।

2004 का पाकिस्तान दौरा इस बात का प्रमाण है कि कभी-कभी कोई मैच इसलिए भी इतिहास का हिस्सा बन जाता है क्योंकि वह खेला नहीं गया। कराची में टेस्ट मैच न कराने का फैसला उस समय शायद एक प्रशासनिक निर्णय था, लेकिन आज वह भारत-पाकिस्तान संबंधों, राष्ट्रीय सुरक्षा और राजनीतिक निर्णय प्रक्रिया के बीच जटिल संबंधों को समझने का महत्वपूर्ण दस्तावेज बन गया है।

यशोवर्धन आजाद की 'पॉलिसिंग द रिपब्लिक' ऐसे ही पर्दे के पीछे के संसार को सामने लाती है। इसका महत्व क्रिकेट से आगे जाकर उस प्रश्न में है कि लोकतांत्रिक गणराज्य अपनी सुरक्षा कैसे सुनिश्चित करता है और संकट के समय राजनीतिक नेतृत्व तथा सुरक्षा संस्थाएं किस तरह निर्णय लेती हैं। यही इस पुस्तक को समकालीन भारतीय लोकतंत्र और राष्ट्रीय सुरक्षा पर एक महत्वपूर्ण संस्मरणात्मक दस्तावेज बनाता है।

(यह लेखक के व्यक्तिगत विचार हैं इससे संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है)

संक्षिप्त समाचार

जापान में भूकंप से कांपी धरती, 20 लोगों के घायल होने की खबर, रिक्टर स्केल पर झटके कितने तेज

टोक्यो, एजेंसी। जापान के पूर्वी हिस्से और राजधानी टोक्यो के आसपास रविवार तड़के मध्यम तीव्रता के भूकंप ने लोगों को दहला दिया। प्रारंभिक तौर पर भूकंप की तीव्रता 5.9 मापी गई, जबकि अमेरिकी भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण ने इसे 5.8 दर्ज किया। भूकंप में 20 से अधिक लोग घायल हुए, हालांकि अधिकांश को मामूली चोटें आईं। राहत की बात यह रही कि सुनामी का कोई खतरा नहीं था। जापान मौसम विज्ञान एजेंसी के अनुसार, भूकंप का केंद्र इबाराकी प्रांत के दक्षिणी हिस्से में जमीन से करीब 70 किलोमीटर की गहराई में था। यह इलाका भूकंप की दृष्टि से संवेदनशील माना जाता है। चार प्रांतों में कुल 23 लोगों के घायल होने की सूचना मिली। इनमें साइतामा और कानागावा में नौ-नौ, चिबा में चार और इबाराकी में एक व्यक्ति घायल हुआ। अधिकांश लोग उस समय सो रहे थे और अचानक आए तेज झटकों से घबराकर बिस्तर से उठे। इस दौरान कई लोग गिर पड़े या फर्नीचर और दरवाजों से टकरा गए। कानागावा के योकोहामा में 80 वर्ष से अधिक उम्र की एक महिला बिस्तर से गिर गई, जिससे उसके कूल्हे में गंभीर चोट आई। भूकंप के कारण टोक्यो और नारिता हवाईअड्डे को जोड़ने वाली एक्सप्रेस ट्रेनों समेत कुछ स्थानीय रेल सेवाएं प्रभावित हुईं और देरी से चलीं। हालांकि शिंकानसेन बुलेट ट्रेन सेवाएं सामान्य रहीं। टोक्यो के कोटो वार्ड में भूमिगत पानी की पाइप फटने से सड़क पर पानी भर गया, जिसे बाद में ठीक कर दिया गया। भूकंप के बाद करीब 460 घरों की बिजली आपूर्ति बाधित हुई, लेकिन रविवार सुबह तक बिजली बहाल कर दी गई।

ईरान की अमेरिका को दो-टूक: रवैया बदलो तभी खुलेगा होर्मुज; पड़ोसी देशों को दी धमकी

तेहरान, एजेंसी। ईरान की सर्वोच्च राष्ट्रीय सुरक्षा परिषद (एसएनएससी) के सचिव मोहसिन रेजाई ने शनिवार (स्थानीय समय) को दावा किया कि होर्मुज जलडमरूमध्य अभी भी बंद है। उन्होंने कहा कि अमेरिका जब तक अपनी जिम्मेदारियां पूरी नहीं करता और अपना रवैया नहीं बदलता, तब तक इसे दोबारा नहीं खोला जाएगा। समाचार एजेंसी आईआरआईबी को दिए इंटरव्यू में रेजाई ने कहा, अमेरिका के दावों के बावजूद होर्मुज जलडमरूमध्य बंद है। अमेरिका का रवैया ठीक करने तक यह नहीं खुलेगा। उन्होंने आगे कहा, इस बार अमेरिका को पहले अपनी जिम्मेदारियां पूरी करनी होंगी। रेजाई ने आरोप लगाया कि वाशिंगटन ने सैन्य विकल्पों की उम्मीद छोड़ दी है। अब वह ईरान पर आर्थिक दबाव बनाने पर निर्भर है। उन्होंने कहा, सैन्य हमलों से अमेरिकी पूरी तरह निराश हैं। उन्हें लगता है कि आर्थिक नाकेबंदी के जरिये सैन्य कार्रवाई में मदद की जा सकती है।

मेरिका पर कनाडा का पलटवार: 8 सितंबर से लगाएगा जवाबी टैरिफ, पीएम मार्क ने किया एलान

टोरंटो, एजेंसी। कनाडा के प्रधानमंत्री मार्क कार्नी ने शनिवार को कहा कि उनका देश 8 सितंबर से अमेरिका से आने वाले सामान पर जवाबी शुल्क (टैरिफ) लगाएगा। इससे पहले अमेरिका ने करीब 20 अरब अमेरिकी डॉलर कीमत के कनाडाई सामान पर 50 फीसदी टैरिफ लगाया था। दोनों देशों के बीच इस व्यापारिक विवाद को बातचीत से खत्म करने की आखिरी कोशिश भी शुक्रवार देर रात वाशिंगटन में नाकाम हो गई। कनाडाई प्रधानमंत्री ने क्या कहा प्रधानमंत्री कार्नी ने कहा कि अमेरिका कनाडा के सामान पर जितने डॉलर का टैरिफ लगाएगा, कनाडा भी उतने ही डॉलर के जवाबी टैरिफ अमेरिकी सामानों पर लगाएगा। यह टैरिफ इस्पात, डेयरी उत्पाद, घरेलू उपकरण, खेती में इस्तेमाल होने वाली मशीनें, कागज बनाने का कच्चा माल और कागज व इलेक्ट्रॉनिक सामान पर लगाया जाएगा। किन-किन खास उत्पादों पर टैरिफ लगेगा, इसकी जानकारी आने वाले दिनों में जारी की जाएगी। क्या अमेरिका की मांगों से बिगड़ी बात कार्नी ने ओटावा में यह भी बताया कि कनाडा इस्पात, एल्युमिनियम और कारों पर लगाए गए अपने बाकी जवाबी टैरिफ हटाने के लिए तैयार था। लेकिन इसके लिए अमेरिका को अपने लगाए टैरिफ में बड़ी कटौती करनी थी। कनाडा अमेरिकी शराब की बिक्री दोबारा शुरू करने के लिए अपने प्रांतों को प्रोत्साहित करने के लिए तैयार था। लेकिन अमेरिकी की आखिरी मांगें बहुत ज्यादा थीं। कनाडाई पीएम ने कहा, उन्होंने बहुत ज्यादा मांगा और बदले में बहुत कम दिया।

पेंटागन में पावर गेम: हेगसेथ से तनाव के बाद शीर्ष अफसर दे सकते हैं इस्तीफा, रक्षा मंत्री की पत्नी पर लगे आरोप

वाशिंगटन, एजेंसी। डिफेंस सेक्रेटरी पीट हेगसेथ के साथ तनाव के बीच अमेरिकी आर्मी सेक्रेटरी डैन ड्रिस्कॉल के साल के अंत तक पद छोड़ने की चर्चा है। उनके जाने से पहले से नेतृत्व संकट से जूझ रही अमेरिकी सेना पर दबाव बढ़ सकता है। वहीं, हेगसेथ की पत्नी जेनिफर की पेंटागन में बढ़ती भूमिका भी विवाद का विषय बनी हुई है। वह स्टाफ चयन, रणनीति, मीडिया प्रशिक्षण और सैन्य संचार से जुड़ी गतिविधियों में सक्रिय रही हैं तथा संवेदनशील बैठकों में उनकी मौजूदगी पर सैन्य अधिकारियों और सांसदों ने सवाल उठाए हैं। इस पूरे घटनाक्रम ने ट्रंप प्रशासन के रक्षा प्रतिष्ठान में नेतृत्व, निर्णय लेने की प्रक्रिया और प्रभाव के इस्तेमाल को लेकर नई बहस छेड़ दी है।

ड्रिस्कॉल के जाने से सेना के शीर्ष नेतृत्व पर असर : ड्रिस्कॉल के पद छोड़ने की स्थिति में अमेरिकी सेना के शीर्ष स्तर पर नेतृत्व का संकट और गहरा सकता है। सेना पहले से ही सीनेट से मंजूर स्थायी चीफ के बिना काम कर रही है। डिफेंस सेक्रेटरी पीट हेगसेथ ने अप्रैल में सेना के चीफ ऑफ स्टाफ जनरल रैंडी जॉर्ज को उनके पद से हटा दिया था। हेगसेथ ने जॉर्ज को हटाने का कोई सार्वजनिक कारण नहीं बताया था और अब तक उनकी जगह किसी स्थायी अधिकारी को नामित भी नहीं किया गया है।

लानेव संभाल रहे हैं सेना प्रमुख की जिम्मेदारी : जनरल क्रिस्टोफर लानेव, जो सेना के वाइस चीफ ऑफ स्टाफ रह चुके हैं और पहले हेगसेथ के वरिष्ठ सैन्य

सलाहकार के तौर पर काम कर चुके हैं, फिलहाल कार्यवाहक सेना प्रमुख यानी एक्टिंग आर्मी चीफ ऑफ स्टाफ की जिम्मेदारी संभाल रहे हैं। ऐसे में अगर ड्रिस्कॉल भी पद छोड़ते हैं, तो सेना के शीर्ष नेतृत्व में एक और महत्वपूर्ण पद पर बदलाव होगा।

परिवार के साथ रहने की जगह भी बदली : रिपोर्ट के मुताबिक, आर्मी सेक्रेटरी डैन ड्रिस्कॉल और उनका परिवार इस गर्मी में जॉइंट बेस मायर-हेंडरसन हॉल स्थित आधिकारिक पारिवारिक आवास से बाहर चले गए थे। उनका परिवार नॉर्थ कैरोलिना चला गया, जबकि ड्रिस्कॉल खुद सैन्य अड्डे के भीतर एक छोटे अपार्टमेंट में रहने लगे। यह घटनाक्रम हेगसेथ के साथ उनके बिगड़ते रिश्तों के बीच सामने आया है।

हेगसेथ से कब शुरू हुई अनबन : पूर्व आर्मी रेंजर और उपराष्ट्रपति जेडी वेंस के पुराने दोस्त ड्रिस्कॉल ट्रंप प्रशासन के शुरुआती दिनों में ही हेगसेथ की नाराजगी का शिकार हो गए थे। तनाव उस समय बढ़ा, जब ड्रिस्कॉल ने वेंस और अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के लिए सैनिकों से मुलाकात और सेना में सुधार की योजनाओं पर चर्चा करने के उद्देश्य से एक दौरे का आयोजन करने की कोशिश की। हालांकि दोनों के बीच अनबन बनी रही, लेकिन आर्मी सेक्रेटरी के तौर पर अपने करीब 18 महीने के कार्यकाल में ड्रिस्कॉल ने जनरल रैंडी जॉर्ज के साथ मजबूत कामकाजी रिश्ता कायम किया।

नई तकनीक और भविष्य की जंग पर था जोर : ड्रिस्कॉल और जॉर्ज ने अमेरिकी सेना को नई तकनीक अपनाने के लिए प्रेरित किया। दोनों का मानना था कि भविष्य के युद्धों में वाणिज्यिक क्षेत्र से आने वाले नवाचार और तकनीक बेहद महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं। ड्रिस्कॉल ने जॉर्ज और जनरल क्रिस डोनाह्यू के साथ यूक्रेन का दौरा भी किया था। उस समय डोनाह्यू यूरोप में अमेरिकी सेना के शीर्ष जनरल थे। इस यात्रा के दौरान ड्रिस्कॉल ने यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोडिमिर जेलेंस्की से शांति वार्ता को लेकर भी बातचीत की थी। ड्रिस्कॉल ने अमेरिकी सेना से यूक्रेन के युद्ध से सबक लेने का आग्रह किया। खासतौर पर उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि यूक्रेनी सेना युद्ध के मैदान में बाजार में आसानी से उपलब्ध वाणिज्यिक तकनीक का किस तरह इस्तेमाल कर रही है। उनके कार्यकाल के दौरान निजी कंपनियों ने कई परियोजनाओं में 25 अरब डॉलर से अधिक का निवेश किया। इन परियोजनाओं में डेटा सेंटर, महत्वपूर्ण खनिजों की रिफाइनरी और पूरे अमेरिका में सेना के ठिकानों पर डाइनिंग सुविधाओं का विकास शामिल था।

जॉर्ज की बर्खास्तगी से साझेदारी को लगा झटका : ड्रिस्कॉल और जॉर्ज की यह साझेदारी उस समय प्रभावित हुई, जब हेगसेथ ने अप्रैल में अचानक सेना प्रमुख को उनके पद से हटा दिया। हेगसेथ के इस फैसले की कांग्रेस में रिपब्लिकन नेताओं ने भी आलोचना की और कई नेताओं ने जॉर्ज के प्रति समर्थन जताया।

कांग्रेस में ड्रिस्कॉल ने जॉर्ज की तारीफ की : कांग्रेस की सुनवाई के दौरान जब ड्रिस्कॉल से जॉर्ज को हटाए जाने के बारे में सवाल किया गया, तो उन्होंने सीधे तौर पर हेगसेथ की आलोचना करने से परहेज किया। हालांकि, उन्होंने जॉर्ज के बारे में अपनी राय स्पष्ट कर दी। ड्रिस्कॉल ने सांसदों से कहा,मैं भी जनरल जॉर्ज को बहुत पसंद करता हूं। उन्होंने जॉर्ज को एक शानदार और बदलाव लाने वाले लीडर बताया। अपने पद को लेकर अनिश्चितता के बावजूद, पिछले महीने पेंसिल्वेनिया में आयोजित एक डिफेंस कॉन्फ्रेंस में राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने ड्रिस्कॉल की सार्वजनिक रूप से तारीफ की। ट्रंप ने ड्रिस्कॉल के व्यक्तित्व और उनके लुक का जिक्र करते हुए कहा कि वह दिखने में जितने सीधे-सादे लगते हैं, असल में उससे कहीं ज्यादा सख्त हैं। ट्रंप ने कहा,उनकी मुस्कान कितनी प्यारी है, लेकिन असल में वह एक किलर हैं।

इस्राइल को हथियार सप्लाई पर भड़का ईरान: फ्रांस और ब्रिटेन को दी दोटूक चेतावनी, बोला- यह अपराधों में भागीदारी

तेहरान, एजेंसी। ईरान के उप विदेश मंत्री काजेम गरीबाबादी ने इस्राइल को हथियार और अन्य समर्थन देने को लेकर फ्रांस और च की आलोचना की है। उनकी टिप्पणी 102 पूर्व ब्रिटिश और फ्रांसीसी राजनयिकों की उस अपील के बाद आई, जिसमें दोनों देशों से इस्राइल पर ठोस दबाव बनाने, हथियारों की आपूर्ति और सैन्य सहयोग रोकने, बस्तियों से जुड़े व्यापार पर प्रतिबंध लगाने तथा अंतरराष्ट्रीय अदालतों के फैसलों को लागू करने की मांग की गई है। राजनयिकों ने वेस्ट बैंक में बस्तियों के विस्तार, घरों को गिराए जाने और बसने वालों की हिंसा को लेकर गंभीर चिंता जताई है।

लंदन और पेरिस को 'चिंता' के पीछे नहीं छिपना चाहिए : ब्रिटिश और फ्रांसीसी पूर्व राजनयिकों की उस अपील के जवाब में, जिसमें उन्होंने अपनी सरकारों से फलस्तीन में अंतरराष्ट्रीय कानून का पालन करने का आग्रह किया था, गरीबाबादी ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा, लंदन और पेरिस को इस स्थिति में सिर्फ चिंता व्यक्त करने की बात कहकर पीछे नहीं छिपना चाहिए। उस शासन को हथियार भेजना और किसी भी तरह का समर्थन देना, जायोनी शासन द्वारा किए जा रहे अपराधों में सहयोग और भागीदारी का जानबूझकर किया गया फैसला है।

100 से अधिक पूर्व राजनयिकों ने उठाई आवाज़ : गरीबाबादी की यह टिप्पणी ऐसे समय आई है, जब 100 से अधिक

अनुभवी ब्रिटिश और फ्रांसीसी राजनयिकों ने अपनी-अपनी सरकारों को चेतावनी दी है कि इस्राइल की नीतियां जातीय सफाए और फलस्तीन को खत्म करने की दिशा में बढ़ रही हैं। उन्होंने लंदन और पेरिस से ठोस कदम उठाने की मांग की है। इनमें हथियारों की आपूर्ति रोकना, इस्राइली बस्तियों के साथ व्यापार पर प्रतिबंध लगाना और हेग स्थित अंतरराष्ट्रीय अदालतों के फैसलों को लागू करना शामिल है। गरीबाबादी ने एक्स पर एक अन्य पोस्ट में लिखा,100 से अधिक अनुभवी ब्रिटिश और फ्रांसीसी राजनयिकों ने अपनी सरकारों को चेतावनी दी कि जायोनी शासन की नीति 'जातीय सफाए' और 'फिलिस्तीन को खत्म करने' की ओर बढ़ रही है। उन्होंने लंदन और पेरिस से हथियारों की आपूर्ति रोकने, बस्तियों के साथ व्यापार पर प्रतिबंध लगाने और हेग अदालतों के फैसलों को लागू करने के लिए ठोस कदम उठाने की मांग की।

मुनीर के खिलाफ सेना में असंतोष; रावलपिंडी की सुरक्षा बढ़ाई गई, छह माह तक तैनात रहेंगी तीन कंपनियां

इस्लामाबाद, एजेंसी। पाकिस्तान के सेना प्रमुख फील्ड मार्शल आसिम मुनीर को मिली असीमित शक्तियों के खिलाफ सेना के अधीनस्थ रैंक अधिकारियों में असंतोष फैल गया है। स्थिति इतनी भयावह हो चुकी है कि गृह मंत्रालय को रावलपिंडी में सैन्य मुख्यालय के आसपास सुरक्षा के लिए सेना की तीन कंपनियां तैनात करनी पड़ी हैं। यह तैनाती अगले छह माह के लिएहै। हालांकि, सरकार ने इसे राजनीतिक आक्रोश के कारण किसी तरह की संवेदनशील स्थिति से निपटने की कोशिश बताया है।

गृह मंत्रालय ने सेना की तैनाती का आदेश संविधान के अनुच्छेद 245 के तहत उठाया गया है, जो नागरिक प्रशासन की सहायता के लिए सशस्त्र बलों की तैनाती का अधिकार देता है। बहरहाल, सूत्रों का कहना है कि हाल में पारित 27वें संविधान संशोधन और नए डिफेंस फोर्सेस एक्ट के बाद आसिम मुनीर को अभूतपूर्व शक्तियां मिल चुकी हैं। नए ढांचे के तहत मुनीर के पास अब थल, जल और वायु सेना, तीनों अंगों पर पूर्ण नियंत्रण है। मुनीर के पास किसी भी अधिकारी या जवान को सेवा से बर्खास्त करने और जबरन रिटायर करने के अधिकार आ गए हैं। इससे जूनियर और अधीनस्थ रैंकों के अधिकारी घुटन महसूस कर रहे हैं।

जूनियर अधिकारियों में असंतोष से सैन्य नेतृत्व को संभावित बगावत की आशंका भी सता रही है। पाकिस्तान में हालिया संशोधनों के बाद फील्ड मार्शल मुनीर का कम से कम 2030 तक पद पर बने रहने का रास्ता साफ हो गया है। यही नहीं, उन्हें आजीवन कानूनी छूट तथा अभियोजन से सुरक्षा भी हासिल हो गई है। इससे सेनाओं के भीतर आंतरिक असंतोष को और हवा मिली है। दरअसल तीनों सेनाओं के कर्मियों को लग रहा है कि उनकी स्थिति बंधुआ मजदूर जैसी हो गई है। रावलपिंडी में सेना की यह ताजा तैनाती ऐसे समय में हुई है जब कुछ दिन पहले शहर के मॉल रोड पर सुरक्षा बलों पर एक हमला हुआ था, जिसमें एक संदिग्ध को मार गिराया गया। सरकारी हलकों में उसे इमरान खान की पार्टी पीटीआई से जोने की कोशिशें हुईं, जिसे पार्टी ने सिरे से खारिज किया।

मरीज खुद बने शोधकर्ता: वर्षों तक बीमारी व दर्द से जूझते रहे, अब उसी बीमारी का खोज रहे इलाज वैज्ञानिक

संयुक्त राष्ट्र, एजेंसी। बीमारी का सामना करने वाले ज्यादातर लोग इलाज की तलाश में डॉक्टरों के पास जाते हैं, लेकिन कुछ वैज्ञानिकों ने अपनी बीमारी को ही शोध का विषय बना लिया। वर्षों तक असहनीय दर्द, गलत निदान और बीमारी के डर से जूझने के बाद इन मरीज-शोधकर्ताओं ने प्रयोगशाला का रास्ता चुना। मकसद सिर्फ खुद के लिए इलाज तलाशना नहीं, बल्कि उन मरीजों के लिए बेहतर उपचार खोजना है जिनकी बीमारियां दुर्लभ या अब तक लाइलाज हैं।

नेचर की रिपोर्ट के मुताबिक इटली की आणविक जीवविज्ञानी फ्रांसेस्का ग्रानाटा इसका उदाहरण हैं। बचपन से ही उन्हें त्वचा में इतना तेज दर्द होता था कि मां का गले लगाना भी असहनीय लगता था। 2008 में जांच के बाद पता चला कि उन्हें एरिथ्रोपोएटिक

प्रोटोपोरफीरिया है। यह आनुवंशिक बीमारी है, जिसमें लाल रक्त कोशिकाओं में प्रोटोपोरफीरिन जमा होने से रोशनी के संपर्क में त्वचा में तेज जलन और दर्द होता है। गंभीर मामलों में यकृत भी प्रभावित हो सकता है।

मां की मौत ने शोध पर किया मजबूर : अमेरिकी वैज्ञानिक सोनिया वल्लभ की कहानी भी ऐसी ही है। 2010 में उनकी 52 वर्षीय मां की तेजी से बढ़ती स्मृतिभ्रंश की बीमारी से मौत हुई। जांच में पता चला कि वह आनुवंशिक प्रायन बीमारी से पीड़ित थीं। बाद में वल्लभ ने भी जांच कराई और पाया कि उनमें भी इस बीमारी से जुड़ा जीन परिवर्तन मौजूद है। वल्लभ उस समय कानून के क्षेत्र में काम कर रही थीं। मां की मौत और खुद में बीमारी का खतरा सामने आने के बाद उन्होंने करियर बदलकर विज्ञान की पढ़ाई शुरू कर दी। अब वह अपने पति और संगणकीय जीवविज्ञानी एरिक मिनिकल के साथ प्रायन बीमारी के इलाज पर शोध कर रही हैं।

बीमारी से मिला इलाज का रास्ता : कैसलमैन बीमारी से पीड़ित चिकित्सक-शोधकर्ता डेविड फाजेनबॉम ने अपनी बीमारी के इलाज में पहले से मौजूद दवा के नए इस्तेमाल का रास्ता खोजा। बीमारी के कारण वह कई बार गंभीर स्थिति में पहुंचे। अपने रक्त परीक्षण और वैज्ञानिक शोधों के अध्ययन से उन्होंने पाया कि प्रतिरक्षा तंत्र की सक्रियता रोकने वाली एक दवा उनकी बीमारी में मदद कर सकती है। इसके इस्तेमाल से वह एक दशक से ज्यादा समय से बीमारी के दोबारा उभरने से बचे हैं।अब उनका संगठन कृत्रिम बुद्धिमत्ता की मदद से मौजूदा दवाओं में ऐसे विकल्प तलाश रहा है, जिन्हें दुर्लभ बीमारियों के इलाज में दोबारा इस्तेमाल किया जा सके। अमेरिका की स्टेम-सेल वैज्ञानिक वैलेंटिना फोसाती को 30 वर्ष की उम्र में मल्टीपल स्क्लेरोसिस यानी एमएस का पता चला। उन्होंने इसी बीमारी पर शोध शुरू कर दिया। अब वह स्टेम कोशिकाओं से मस्तिष्क की विभिन्न कोशिकाएं विकसित करने की तकनीकों पर काम कर रही हैं।

अमेरिका में गुजराती स्टोर मालिक की गोली मारकर हत्या, बेटी बाल-बाल बची; हमलावर फरार

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका के टेनेसी में एक गुजराती मूल के कारोबारी की गोली मारकर हत्या कर दी गई। वारदात उस समय हुई, जब जैक्सन शहर की एक शराब की दुकान में हथियारबंद बदमाश लूट के इरादे से पहुंचा था। घटना के दौरान कारोबारी की 19 वर्षीय बेटी भी उनके पास मौजूद थी, लेकिन वह गोली लगने से बच गई। पुलिस ने मृतक की पहचान 56 वर्षीय सुरेश पटेल के तौर पर की है। वह रिजक्रेस्ट रोड स्थित रिजक्रेस्ट सेलर्स में काम कर रहे थे। पुलिस के मुताबिक, 20 अगस्त की रात करीब नौ बजे एक हथियारबंद व्यक्ति दुकान में दाखिल हुआ और कर्मचारियों से नकदी मांगी।

बदमाश को पैसे देने के बाद भी गोलीबारी : पुलिस के अनुसार, आरोपी ने हथियार दिखाकर दुकान में मौजूद लोगों से पैसे लिए। इसके बाद उसने कई राउंड फायरिंग की। एक

गोली सुरेश पटेल को लगी और उनकी मौके पर ही मौत हो गई। शुरुआती जानकारी के मुताबिक, आरोपी नकदी लेकर सफेद रंग की सेडान कार से फरार हुआ। घटना के समय पटेल की बेटी भी उनके पास खड़ी थी। गोलीबारी के बावजूद वह सुरक्षित रही। दुकान में मौजूद एक 70 वर्षीय कर्मचारी भी घायल हुआ। बताया गया है कि गोली चलने के दौरान गिरने से उसकी कलाई में फ्रैक्चर हो गया।

पेंटबॉल मास्क से ढका था चेहरा : जांच में सामने आया है कि आरोपी अश्वेत पुरुष था। उसने ग्रे हुडी, जींस और काले रंग के कामकाजी जूते पहन रखे थे। उसकी पहचान छिपाने के लिए चेहरा पेंटबॉल खेलने के दौरान इस्तेमाल किए जाने वाले मास्क से ढका हुआ था। पुलिस ने आरोपी की तलाश शुरू कर दी है। जांच एजेंसियां इलाके के सीसीटीवी फुटेज और अन्य संभावित सुरागों की मदद से हमलावर तक पहुंचने की कोशिश कर रही हैं। पुलिस ने स्थानीय लोगों से भी ऐसी कोई जानकारी साझा करने की अपील की है, जिससे आरोपी की पहचान या उसकी सफेद सेडान कार का पता लगाने में मदद मिल सके। जानकारी के मुताबिक, सुरेश पटेल गुजरात के मेहसाणा जिले की कड़ी तहसील के अखज गांव के रहने वाले थे। बताया जा रहा है कि उनके परिवार ने हाल ही में रिजक्रेस्ट सेलर्स का कारोबार संभाला था और पटेल ने कुछ दिन पहले ही स्टोर का कामकाज अपने हाथ में लिया था। अमेरिका में भारतीय मूल के लोगों को लूट और हिंसा का सामना करने की घटनाएं सामने आती रही हैं। ताजा घटना के बाद अमेरिका में सुविधा स्टोर और अन्य छोटे कारोबार चलाने वाले भारतीय मूल के लोगों की सुरक्षा को लेकर एक बार फिर चिंता बढ़ गई है। ऐसे स्टोर अक्सर लंबे समय तक खुले रहते हैं।

गोल्डी बराड़ ने क्यों की थी हरदीप निज्जर की हत्या, भगोड़े गैंगस्टर ने लीक ऑडियो में खुद कबूला, बताई असली वजह

टोरंटो, एजेंसी। भगोड़े गैंगस्टर गोल्डी बराड़ ने कथित तौर पर एक लीक ऑडियो क्लिप में खालिस्तानी आतंकी हरदीप सिंह निज्जर की हत्या कराने की बात कबूल की है। 2023 में कनाडा के सरे में एक गुरुद्वारे के बाहर हरदीप सिंह निज्जर की हत्या कर दी गई थी। ऑडियो क्लिप के अनुवाद के मुताबिक, बराड़ ने हत्या के पीछे निज्जर द्वारा स्थानीय ड्रग नेटवर्कों को संरक्षण देने को वजह बताया। साथ ही उत्तरी अमेरिका में अवैध ड्रग्स बेचने के लिए किशोरों का इस्तेमाल करने के भी आरोप लगाए। हरदीप सिंह निज्जर की हत्या के बाद भारत और कनाडा के बीच गंभीर राजनयिक विवाद पैदा हो गया था। भारत में कई हत्याओं के मामलों में वांछित गोल्डी बराड़ ने कथित ऑडियो क्लिप में खालिस्तानी चरमपंथी परमजीत सिंह पम्मा से बातचीत के दौरान निज्जर की हत्या की वजह बताई है।

लीक ऑडियो क्लिप में क्या बोला गोल्डी बराड़ : मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, बराड़ ने कथित तौर पर चरमपंथी परमजीत सिंह पम्मा को बताया, ये ऑपरेटर 16 से 17 साल के युवाओं को ड्रग्स बेचने के लिए काम पर रखते थे। इसके बाद युवाओं को ब्लैकमेल कर मुखबिर बनने के लिए मजबूर करते थे। निज्जर अपने प्रभाव को मजबूत करने के लिए ऐसे लोगों का समर्थन और संरक्षण करता था, ताकि जरूरत पड़ने पर उनका इस्तेमाल कर सके। ऑडियो क्लिप के अनुसार उसने आगे कहा, इसीलिए मुझे और मेरी टीम को निज्जर को मारना पड़ा, क्योंकि ये लोग युवाओं का इस्तेमाल ड्रग्स बेचने के लिए कर रहे थे।

निज्जर हत्याकांड से कैसे बिगड़े भारत-कनाडा संबंध : खालिस्तानी आतंकी हरदीप सिंह निज्जर की कनाडा के ब्रिटिश कोलंबिया में अज्ञात हमलावरों ने गोली मारकर हत्या कर दी थी। इसके कुछ सप्ताह बाद कनाडा के तत्कालीन प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो ने आरोप लगाया था कि निज्जर की हत्या में भारत का हाथ हो सकता है। नई दिल्ली ने इस आरोपों को बेतुका बताते हुए सिरे से खारिज कर दिया था। भारत ने कनाडा पर अपनी धरती से खालिस्तान समर्थक तत्वों को गतिविधियां चलाने की अनुमति देने का भी आरोप लगाया था। इन आरोपों के बाद भारत और कनाडा के राजनयिक संबंध बेहद खराब दौर में पहुंच गए थे।

कनाडा को नहीं मिला निज्जर की हत्या को भारत से जोड़ने का सबूत : कनाडा द्वारा भारतीय राजनयिकों को निज्जर हत्याकांड से जोड़ने की कोशिश के बाद नई दिल्ली ने अपने उच्चायुक्त और कई अन्य राजनयिकों को वापस बुला लिया था। कनाडा में लिबरल पार्टी के नेता मार्क कार्नी के संसदीय चुनाव जीतने और ट्रूडो के सत्ता से बाहर होने के बाद दोनों देशों के संबंध धीरे-धीरे सामान्य होने लगे। पिछले महीने कनाडा के जांचकर्ताओं ने कहा था कि उन्हें निज्जर की हत्या को भारत से जोड़ने वाला कोई सबूत नहीं मिला। अमेरिकी संघीय जांच ब्यूरो (एफबीआई) ने पिछले महीने गोल्डी बराड़ की गिरफ्तारी में मदद करने वाली जानकारी देने पर 50 हजार अमेरिकी डॉलर तक के इनाम की घोषणा की थी। एफबीआई ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा था, एफबीआई सतिंदरजीत सिंह की गिरफ्तारी में मदद करने वाली जानकारी के लिए 50 हजार डॉलर तक का इनाम दे रही है। वह लॉरेंस बिश्नोई संगठित अपराध गिरोह में कथित संलिप्तता के लिए वांछित है।

यूएस ने शुरू किया व्यापार युद्ध: पीएम कार्नी का दावा, क्या ट्रेड डील के सहारे कनाडा के पर कतरना चाहते हैं ट्रंप

टोरंटो, एजेंसी। कनाडा के प्रधानमंत्री मार्क कार्नी ने अमेरिका के साथ व्यापार वार्ता टूटने के बाद कहा कि उन्होंने खराब व्यापार समझौते के कारण बातचीत से पीछे हटने का फैसला किया। उन्होंने अमेरिका के शुल्क का जवाब देने के लिए समान दर से जवाबी शुल्क लगाने की बात कही। कार्नी ने दावा किया कि अमेरिका ने बातचीत के दौरान ऐसी नई शर्तें रखीं, जो आर्थिक रूप से नुकसानदेह और अनुचित थीं। उन्होंने कहा कि इन शर्तों से कनाडा को मिलने वाला कुल मुनाफा कम हो जाता। उन्होंने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप पर व्यापार युद्ध शुरू करने का आरोप लगाया। कार्नी ने कहा, जब आप पर हमला होता है तो आप युद्ध में होते हैं। हम पर हमला हुआ।

व्यापार समझौते से कनाडा पर कैसे शिकंजा कसता अमेरिका : कनाडाई पीएम ने कहा, हम उनकी पेशकश को स्वीकार नहीं कर सकते और उन्होंने जो मांगा है, वह हम नहीं देंगे। कार्नी ने कहा, अमेरिका ने आखिरी घंटों में दूसरे देशों के साथ व्यापार समझौते करने की हमारी क्षमता को सीमित करने की कोशिश की। आपने मुझे कुछ देर पहले यह कहते हुए सुना कि हमने पिछले एक साल में क्या हासिल किया है- 20 नए समझौते, आर्थिक और सुरक्षा साझेदारी और अपने बाजार तक पहुंच दोगुनी करने की संभावना। हम मुक्त व्यापार में विश्वास करते हैं।

उन्होंने कहा, दुनिया के कई देशों के लिए हम पसंदीदा साझेदार हैं और अमेरिका इसे सीमित करना चाहता था। उसने ऐसी भाषा का प्रस्ताव दिया, जिसके तहत इसे सीमित किया जाना था। यह स्वीकार्य नहीं था।

क्यों टूटा व्यापार समझौता : कार्नी ने कहा, इन शर्तों ने किसी भी समझौते की विश्वसनीयता पर सवाल खड़े कर दिए। संक्षेप में कहें तो उन्होंने बहुत ज्यादा मांगा और बहुत कम पेश किया। इससे भी महत्वपूर्ण बात यह है

कि अमेरिकी मांगों के कुल प्रभाव ने सच्ची आर्थिक साझेदारी के प्रति उसकी प्रतिबद्धता की सीमा को दिखा दिया। कार्नी ने कहा कि इसी वजह से उन्होंने शुक्रवार शाम अमेरिका के साथ व्यापार वार्ता स्थगित कर दी और कनाडा के वार्ताकारों को ओटावा लौटने का निर्देश दिया।

शुक्रवार को वॉशिंगटन में दोनों पड़ोसी देशों के बीच बातचीत टूट गई। इसके बाद अमेरिका के 50 प्रतिशत नए शुल्क लागू होने का रास्ता साफ हो गया। ये शुल्क करीब 20 अरब डॉलर के सामान को प्रभावित करेंगे, जो अमेरिका को कनाडा के कुल निर्यात का करीब 5.5 प्रतिशत है।

ट्रंप ने कही थी क्या बात : ट्रंप ने कहा था कि कार्नी के साथ उनके अच्छे संबंध हैं और इसी वजह से अमेरिका को कनाडा के साथ व्यापार समझौता करने में सक्षम होना चाहिए। हालांकि, कनाडा के प्रधानमंत्री ने कहा कि वॉशिंगटन की शर्तें आखिरकार स्वीकार करने योग्य नहीं थीं। कार्नी ने अमेरिकी शुल्क के जवाब में डॉलर के बदले डॉलर के हिसाब से शुल्क लगाने का वादा किया। उन्होंने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, कनाडा अमेरिकी नए शुल्क का जवाब डॉलर के बदले डॉलर के हिसाब से देगा, ताकि कनाडाई श्रमिकों, किसानों, परिवारों और कारोबारों की रक्षा की जा सके। हम यह कदम इस विश्वास के साथ उठा रहे हैं कि यह कनाडा के हित में है।

8 सितंबर से लागू होंगे शुल्क : कनाडा के नए शुल्क खास तौर पर अमेरिकी स्टील और डेयरी उद्योगों को प्रभावित करेंगे। ये शुल्क 8 सितंबर से लागू होंगे। कार्नी ने कहा कि इसके बारे में विस्तृत जानकारी अगले सप्ताह दी जाएगी। अमेरिकी व्यापार प्रतिनिधि जैमीसन ग्रीर ने शुक्रवार को कहा था कि वॉशिंगटन ने कनाडा से कुछ रियायतों के बदले स्टील, एल्युमीनियम, ऑटोमोबाइल और लकड़ी पर शुल्क में महत्वपूर्ण कटौती की पेशकश की थी।

कनाडा लंबे समय से ट्रंप के ऑटोमोबाइल, स्टील और एल्युमीनियम पर लगाए गए शुल्क से राहत की मांग कर रहा है। इन शुल्कों से कनाडा की अर्थव्यवस्था प्रभावित हुई है, नौकरियों का नुकसान हुआ है और दोनों देशों के बीच लंबे समय से चले आ रहे मजबूत व्यापारिक संबंधों पर दबाव पड़ा है। व्हाइट हाउस ने कनाडा द्वारा शुल्क लगाने के फैसले को अमेरिकी शराब, ऑटोमोबाइल और डेयरी उत्पादों के साथ भेदभावपूर्ण व्यवहार बताया था।

स्वस्थ रहने के लिए हम हर उस बात का अनुसरण करने के लिए तैयार रहते हैं, जो सेहतमंद रखने का दावा करती हैं. मगर कुछ अच्छी बातें भी हमारे स्वास्थ को नुकसान पहुंचा सकती हैं..

मुश्किल में न डाल दें ये सेहतमंद आदतें

सेहत को लेकर सचेत रहना अच्छी बात है, लेकिन आपको इस बात के प्रति भी सचेत रहना चाहिए कि अपनी सेहत के लिए आप जिन आदतों को फायदेमंद मानती हैं, वे वाकई में फायदेमंद हैं या नहीं. क्योंकि ऐसा कई बार देखने में आया है कि हम अपने मन में सेहत, खाने-पीने की आदतों, साफ-सफाई को लेकर काफी सतर्कता बरतते हैं, लेकिन इस बात से बेपरवाह रहते हैं कि हमारी ये आदतें सेहत के लिए फायदेमंद न होकर नुकसानदेह साबित हो सकती हैं. हम आपको बता रहे हैं कि वे सेहतमंद आदतें कौन सी हैं, जो आपके लिए घाटे का सौदा साबित हो सकती हैं.

हर बार खाने के बाद ब्रश करना

कई लोगों को लगता है कि हर बार खाना खाने के बाद ब्रश करना आपके दांतों को कीटाणु-मुक्त और दांतों को मोतियों-सा दमकता हुआ बनाये रखने में मददगार होता है. लेकिन हकीकत यह है कि यह आपके दांतों पर से सुरक्षाकारी एनामेल को घिस सकता है और इससे आपको दांतों में सेंसिटिविटी की समस्या पैदा हो सकती है. इसलिए अपनी मां की हर दिन दो बार ब्रश करने की सलाह को याद कीजिए. आपके लिए वही फायदेमंद है. खाना खाने के बाद हर बार ब्रश करने की बजाय अच्छी तरह से कुल्ला करना आपके लिए ज्यादा उपयोगी है.

ठीक नहीं हैंड सैनिटाइजर का बार-बार इस्तेमाल

क्या आप बाहर निकलने के बाद कुछ भी छूने, किसी चीज को पकड़ने के बाद बार-बार अपने हाथों में सैनिटाइजर मलती हैं? तो आप सतर्क हो जाइए. यह आदत आपको नुकसान पहुंचा सकती है. यह सही है कि हैंड सैनिटाइजर हाथों को साफ करने का सुविधाजनक तरीका है, लेकिन इस बात का ख्याल रखना भी जरूरी है कि इसका समझदारी से उपयोग किया जाये.

अमेरिका में किये गये एक शोध के मुताबिक ज्यादातर सैनिटाइजर में ट्राइक्लोसान नामक एक केमिकल होता है, जिसे हाथ की त्वचा तुरंत सोख लेती है. अगर यह रक्त संचार में शामिल हो जाये, तो यह मांसपेशी को-ऑर्डिनेशन के लिए जरूरी सेल-कम्युनिकेशन को बाधित करता है. इसका लंबे समय तक ज्यादा इस्तेमाल त्वचा को सूखा बनाने, बांझपन और हृदय के रोग को न्योता दे सकता है. इसलिए अगर आपको हाथ धोने की जरूरत महसूस हो रही है, तो इंतजार कीजिए और मौका मिलते ही साबुन और पानी से ही अपने हाथों को धोइए.

क्या आप अपने कॉस्मेटिक्स को बार-बार बदलती हैं?

अगर आप विज्ञापनों के प्रभाव में अपने कॉस्मेटिक्स को बार-बार बदलती हैं, तो इस आदत को बदल दीजिए. त्वचा विशेषज्ञों का कहना है कि इनसानी त्वचा का पीएच स्तर 5.5 होता है. अलग-अलग कंपनियों के कॉस्मेटिक्स के पीएच मान अलग-अलग होते हैं. जिन लोगों की त्वचा संवेदनशील होती है, उनके लिए अलग-अलग पीएच मानकों के प्रोडक्ट्स का इस्तेमाल नकुसानदेह साबित हो सकता है. इससे आपकी त्वचा लाल पड़ सकती है. इसमें जलन या चकत्ते आने की शिकायत आ सकती है. इसलिए सिर्फ भरोसेमंद ब्रांड्स के कॉस्मेटिक्स का इस्तेमाल करें और इस्तेमाल से पहले सबके पीएच मानकों को जरूर पढ़ लें.

हर बार बोतल बंद पानी नहीं

कई लोगों को लगता है कि बोतलबंद पानी आपको रोगों से दूर रखने में मददगार होता है. लेकिन ध्यान रखिए. बोतलबंद पानी प्रोसेस्ड पानी होता है, जिसमें खनिज तत्व मौजूद नहीं रहते हैं. लंबे समय तक इसका इस्तेमाल करने से आपके शरीर में मैग्नीशियम, कैल्शियम, पोटैशियम, सिलिका, सल्फेट जैसे खनिजों की कमी हो सकती है. यह आपके लिए नुकसानदायक है, क्योंकि ये खनिज आपके शरीर में कई काम करते हैं. ये तत्व आपको ऊर्जा मुहैया कराने के साथ-साथ कोशिका और मांसपेशियों की मरम्मत भी करते हैं.

फ्लिप फ्लॉप और पांव

क्या आपको लगता है कि हील वाली चप्पल आपके पांवों को नुकसान पहुंचाती हैं, इसलिए आपको चपटे सोल वाली चप्पल का इस्तेमाल करना चाहिए? लेकिन यह ख्याल आपके लिए वास्तव में नुकसानदायक साबित हो सकता है. क्योंकि आर्क नहीं होने के कारण फ्लिप फ्लॉप (चपटे सोल वाली चप्पल) आपके पांवों को कोई सपोर्ट नहीं दे पातीं. चलते वक्त चपटे स्लिपर को कंट्रोल करने के लिए अंगूठों को लगातार चप्पल पर ग्रिप बनाना पड़ता है, ताकि वह पांव से फिसल न जाये. इससे पांवों का नैचुरल लिफ्ट ऑफ और पांव रखना गड़बड़ा जाता है. इससे पांवों के तलवे में दिक्कत आ सकती है. अगर आपको अपने पांवों का ख्याल है, तो कोशिश रहे कि आप फ्लिप फ्लॉप कम ही पहनें.

क्यों जरूरी है पैरेंट्स मीटिंग

ऐसे कई अभिभावक हैं जिन्हें लगता है कि उनके बच्चे तो स्कूल में बहुत अच्छा कर रहे हैं फिर उन्हें पैरेंट्स मीटिंग में जाने की क्या जरूरत, लेकिन सच्चाई स्कूल जाकर टीचर से मिलने पर ही पता चलती है. इसलिए आपको भी अपने बच्चे की प्रोग्रेस जानने के लिए उनके स्कूल में पैरेंट्स मीटिंग में जाना चाहिए.

रितेश के स्कूल से जब भी पैरेंट्स मीटिंग का नोटिस आता है, शोभा का मूड खराब हो जाता है. उसे लगता है कि पैरेंट्स मीटिंग केवल उसके वीकेंड को खराब करने के लिए ही होती है. शोभा की तरह ऐसे कई अभिभावक हैं जिन्हें लगता है कि उनके बच्चे तो स्कूल में बहुत अच्छा कर रहे हैं फिर उन्हें पैरेंट्स मीटिंग में जाने की क्या जरूरत, लेकिन सच्चाई स्कूल जाकर टीचर से मिलने पर ही पता चलती है. इसलिए आपको भी अपने बच्चे की प्रोग्रेस जानने के लिए उनके स्कूल में पैरेंट्स मीटिंग में जाना चाहिए. यह मीटिंग आपको बच्चे से जुड़ी कई अहम बातें जानने का मौका देती है.

- बच्चे के रिपोर्ट कार्ड पर लाल निशान न होना इस बात का सबूत नहीं है कि आपका बच्च पढ़ाई में अव्वल है और उसे आपके ध्यान की बिल्कुल जरूरत नहीं है. अगर आपका बच्चा क्लास में अच्छा परफार्म कर रहा है तो भी आपको उसके टीचर से जरूर बात करनी चाहिए कि वह अपने काम में और सुधार कैसे ला सकता है. जाहिर है आपको यह जानने का मौका पैरेंट्स मीटिंग के जरिये ही मिल सकता है.
- अगर बच्चा अच्छा परफार्म नहीं कर रहा होता है तो कई पैरेंट्स मीटिंग में इसलिए नहीं जाते कि उन्हें शर्मिदगी डोलनी पड़ेगी. इस तरह के विचार आपके बच्चे पर भी नकारात्मक प्रभाव डाल सकते हैं. अगर स्कूल से बच्चे की कोई शिकायत आती है, तो उसे दूर करने का रास्ता जानने के लिए पैरेंट्स मीटिंग में जरूर शामिल हों.
- बच्चे स्कूल में क्या गतिविधियां करते हैं, यह बात हर मां-बाप को पता होनी चाहिए. हो सकता है कि आपका बच्चा अपने टेस्ट पेपर पर आपके ही साइन कर लेता हो. बच्चों की इस तरह की गलतियों को जानने के लिए पैरेंट्स मीटिंग में टीचर से मिलना न भूलें.
- क्या बच्चा क्लास में दूसरे बच्चों और टीचर से घुल-मिल कर बात करता है या फिर वह चुप-चुप किसी कोने में बैठा रहता है. इन सब जरूरी सवालों के जवाब आपको इसी पेरैंट्स मीटिंग में मिलेंगे.
- इसके अलावा अगर आपको टीचर से कोई शिकायत है, तो भी आप उसे पैरेंट्स मीटिंग में सुलझा सकती हैं. अगर टीचर आपके बच्चे पर ठीक से ध्यान न देती हो या फिर कॉपी ठीक से चेक न करती हो तो पैरेंट्स मीटिंग में इस बारे में टीचर से बात कर सकती हैं.
- पैरेंट्स मीटिंग में आपकी अपने बच्चे के दोस्तों के पैरेंट्स से भी मुलाकात हो जाती है. इससे आप उन पैरेंट्स से पैरेंटिंग के कुछ अनमोल सुझाव ले सकती हैं.
- टाइम न होने का बहाना बनाना आज से ही छोड़ दें. इससे आप न केवल खुद को धोखा दे रही हैं, बल्कि अपने बच्चे के भविष्य से भी खिलवाड़ कर रही हैं. आपके पास समय न हो तो आप बच्चे के पापा से समय निकाल कर पैरेंट्स मीटिंग में शामिल होने के लिए कह सकती हैं.

खुशबू से महके आपका घर

- अगर आप चाहती हैं कि आपका कमरा बेहतरीन खुशबू से महके तो उसमें तेज महकने वाली खुशबूदार अगरबत्तियां जला दें.
- हल्की खुशबू के लिए कमरे में इत्र वाली मोमबत्तियां जलायी जा सकती हैं. ये मोमबत्तियां बाजार में कई अलग-अलग खुशबुओं में उपलब्ध हैं.
- अगर आपके घर पर पानी की केतली है, तो उसमें कुछ मसाले जैसे-लौंग, इलायची या फिर दालचीनी उबालें. इससे पूरे घर में खुशबूदार मसालों की अच्छी सुगंध भर जायेगी.
- कपूर और समब्रानी भी तेज खुशबू के लिए जाने जाते हैं. इनकी महक न केवल पूरे घर को महका देगी, बल्कि घर के कीड़े-मकौड़े को भी मार देगी.
- एक बूंद यूकेलिप्टस ऑयल को खौलते हुए पानी में डाल देने से भी घर के जितने भी कीटाणु हैं, वे मर जायेंगे और कमरे की हवा भी शुद्ध हो जायेगी.
- आप चाहें तो अपने कमरे के गुलदस्ते में तेज खुशबू वाले फूल भी सजा सकती हैं. इन फूलों की खुशबू पूरे दिन आपके कमरे को महकाती रहेगी.

-गरमी के मौसम में पूरे घर को महकाने का एक आसान उपाय कूलर में इत्र का छिड़काव करना भी है. कूलर के पानी में इत्र छिड़कने से इसकी हवा के साथ खुशबू भी पूरे घर में फैल जाती है.

फाउंडेशन का बेस, चमकाए फेस

मेकअप बेस के तौर पर फाउंडेशन का इस्तेमाल किया जाता है। इससे चेहरे पर आए कील-मुंहासे, झांइयां तथा दाग-धब्बे छिप जाते हैं। पर इसका सही इफेक्ट तभी आता है, जब यह सही तरीके से लगाया जाए। आइए समझते हैं फाउंडेशन की एबीसीडी।

मेकअप बेस के रूप में फाउंडेशन का इस्तेमाल किया जाता है। इससे चेहरे की त्वचा चिकनी और समतल बनती है तथा मेकअप को अधिक देर तक रखने के लिए भी फाउंडेशन का इस्तेमाल किया जाता है। यह मेकअप का आधार होने के साथ-साथ त्वचा की रक्षा भी करता है और इसके इस्तेमाल से कील-मुंहासे, झांइयां तथा दाग-धब्बे छिप जाते हैं। फाउंडेशन लगाने का सही तरीका फाउंडेशन लगाने से पहले चेहरे और गर्दन की त्वचा को क्लींजिंग क्रीम या लोशन से साफ करें। उसके बाद रुई की मदद से चेहरे और गर्दन पर फाउंडेशन लगाना चाहिए। या फिर अपने चेहरे के विभिन्न हिस्सों पर फाउंडेशन को डॉट्स की तरह लगाएं। फिर अपनी अंगुलियों या गीले स्पंज से चेहरे पर अंदर से बाहर की ओर हल्के से मसाज करते हुए फाउंडेशन को मिलाएं। तैलीय त्वचा पर फाउंडेशन लगाने से पहले रुई से एस्ट्रिंजेंट लोशन लगाएं। और फिर कुछ देर बाद फाउंडेशन लगाएं। एस्ट्रिजेंट लोशन से त्वचा की चिकनाई दूर होती है। इसी तरह ड्राई स्किन पर फाउंडेशन लगाने से पहले ग्लिसरीन या मॉइश्चराइजर पूरे चेहरे पर लगाना चाहिए। सामान्य त्वचा के लिए कोई भी फाउंडेशन चल सकता है, मगर ऑयली त्वचा के लिए वॉटर बेस्ड और शुष्क त्वचा के लिए मॉइश्चराइजर फाउंडेशन अच्छा होता है। आपकी स्किन ड्राई है, तो फाउंडेशन में दो-तीन बूंद पानी मिलाकर चेहर पर लगाएं। चेहरे पर फाउंडेशन अधिक न लगाकर उचित मात्रा में ही लगाएं। फाउंडेशन लगाने के बाद टिश्यू पेपर से उसे इकसार कर लें और थोड़ी देर सूखने दें। उसके बाद उस पर फेस पाउडर लगाएं। रात और दिन के हिसाब से फाउंडेशन का चयन करना उचित होता है। इसमें गोल्ड फाउंडेशन नाइट पार्टी के लिए सही होता है। फाउंडेशन का मतलब सिर्फ त्वचा के रंग को बदलना ही नहीं होता, बल्कि त्वचा के निकटतम रंग से मैच करना होता है। इसलिए फाउंडेशन का चुनाव अपने चेहरे के रंग के अनुसार ही करें। इनका चुनाव आप अपनी स्किन को ध्यान में रखकर कर सकती हैं। बाजार में फाउंडेशन कई रूपों में उपलब्ध हैं, जैसे लिक्विड, क्रीम, स्टिक, पाउडर फॉर्म में। यदि कोई दुविधा हो, तो ब्यूटी एक्सपर्ट से पूछने में जरा भी न हिचकें। गर्मियों में पैनस्टिक या केक फाउंडेशन हार्ड हो जाते हैं। इस स्थिति में फाउंडेशन लगाने से पहले थोड़ा पानी मिलाएं।

मुख्यमंत्री सशक्त बहना उत्सव योजना से महिलाओं को मिल रहा स्वरोजगार का मंच

जयन्त प्रतिनिधि। चमोली : मुख्यमंत्री सशक्त बहना उत्सव योजना के अंतर्गत मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने सोमवार को वर्चुअल माध्यम से कलेक्ट्रेट परिसर गोपेश्वर में आयोजित कार्यक्रम में स्वयं सहायता समूहों से जुड़ी महिलाओं से संवाद किया। इस दौरान मुख्यमंत्री ने महिलाओं द्वारा स्थानीय स्तर पर किए जा रहे स्वरोजगार एवं आजीविका संवर्धन के कार्यों की जानकारी ली और उनके प्रयासों की सराहना की।

कार्यक्रम में श्रीमती नीरजा पंवार ने मुख्यमंत्री को बताया कि उन्होंने अपने सिलाई सेंटर के माध्यम से ग्रामीण महिलाओं को हुनरमंद बनाने की पहल की है। एनआरएलएम के तहत अब तक 15 से 20 महिलाओं को सिलाई का प्रशिक्षण दिया गया है, जिसके बाद ये महिलाएं उनके सेंटर से जुड़कर कार्य कर रही हैं और अपनी आय अर्जित कर रही हैं। उन्होंने बताया कि महिलाओं को सिलाई तक सीमित न रखते हुए रक्षाबंधन के लिए राखियां, बिजंती की माला तथा

पिरूल से विभिन्न उत्पाद तैयार करने के लिए भी प्रेरित किया जा रहा है। उनके सेंटर से जुड़ी महिलाओं द्वारा अब तक करीब 15 से 20 हजार राखियों की बिक्री की जा चुकी है। उन्होंने बताया कि वह स्वयं अचार, जूस, जेली बनाने के साथ ही मधुमक्खी पालन का कार्य भी कर रही हैं। उनका उद्देश्य गांव की अधिक से अधिक महिलाओं को उनके हुनर से जोड़कर स्वरोजगार के अवसर उपलब्ध कराना और उन्हें आत्मनिर्भर बनाना है। वहीं श्रीमती नंदी राणा ने मुख्यमंत्री को बताया कि वह स्वयं सहायता समूह से जुड़कर स्थानीय स्तर पर आयोजित संडे मार्केट में समूह द्वारा तैयार उत्पादों की बिक्री कर रही हैं। इसके साथ ही गोपेश्वर में कटाई-बुनाई के माध्यम से कुशन कवर, पंखी एवं अन्य हस्तनिर्मित उत्पाद तैयार किए जा रहे हैं। रक्षाबंधन के अवसर पर समूह की महिलाओं द्वारा राखियां भी तैयार की जा रही हैं, जिससे उन्हें अतिरिक्त आय का अवसर मिल रहा है। स्थानीय उत्पादों को बाजार से जोड़ने और नियमित बिक्री होने से समूह की महिलाओं की आजीविका में सुधार के साथ आत्मनिर्भरता भी बढ़ रही है। कार्यक्रम में जिलाधिकारी गौरव कुमार, मुख्य विकास अधिकारी डॉ. अभिषेक त्रिपाठी, परियोजना निदेशक आंनद सिंह सहित अन्य अधिकारी व विभिन्न समूहों की महिलाएं उपस्थित रही।

स्थानीय उत्पादों को मिल रहा बाजार

जनपद के विभिन्न विकासखंडों में 30 से अधिक स्वयं सहायता समूहों की महिलाएं सशक्त बहना उत्सव के माध्यम से अपने स्थानीय उत्पादों को बाजार उपलब्ध करा रही हैं। महिलाओं द्वारा तैयार हस्तनिर्मित वस्तुओं, राखियों, खाद्य उत्पादों, ऊनी एवं सिलाई-बुनाई से तैयार सामग्री को स्थानीय बाजार से जोड़कर उनकी आय बढ़ाने के प्रयास किए जा रहे हैं।

मुख्यमंत्री को महिलाओं ने बांधा रक्षा सूत्र

प्रतिनिधि। देहरादून : मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी से सोमवार को मुख्यमंत्री कैम्प कार्यालय स्थित मुख्य सेवक सदन में आयोजित जनता मिलन के अवसर पर प्रदेश के विभिन्न क्षेत्रों से आई महिलाओं ने रक्षा सूत्र बांधा तथा उनके दीर्घायु की कामना की। मुख्यमंत्री ने सभी का आभार व्यक्त करते हुए रक्षा बन्धन की शुभकामनाएं दी। मुख्यमंत्री ने कहा कि रक्षा बन्धन के अवसर पर बहनों की सुविधा के लिए 28 और 29 अगस्त, 2026 को दो दिन परिवहन निगम की बसों में निःशुल्क यात्रा की व्यवस्था की गई है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार महिलाओं को आर्थिक रूप से मजबूत बनाने के लिए सामाजिक और संवैधानिक अधिकारों के प्रति भी सशक्त किया जा रहा है। राज्य सरकार महिलाओं के सशक्तिकरण के लिए पूरी प्रतिबद्धता के साथ कार्य कर रही है।

संक्षिप्त समाचार

बाली निकलते ही पीला पड़ने लगा लाल धान

पुरोला। रमा एवं कमल सिरांई घाटी में इस वर्ष पारंपरिक लाल धान की फसल पर बीमारी का संकट गहरा गया है। धान में बाली निकलते ही पौधों के पीले पड़ने और सूखने की समस्या सामने आने से काश्तकारों को उत्पादन में भारी गिरावट और आर्थिक नुकसान की चिंता सताने लगी है।स्थानीय स्तर पर इस बीमारी को तित्रा कहा जा रहा है। किसानों का कहना है कि उन्होंने पहले इस तरह की समस्या नहीं देखी और समय रहते नियंत्रण नहीं किया गया तो फसल को बड़ा नुकसान हो सकता है। रवांई घाटी में अगस्त के चौथे सप्ताह तक लाल धान में बालियां निकलना सामान्यतः अच्छी फसल का संकेत माना जाता है। इस बार बाली निकलने के साथ ही कई खेतों में पौधे पीले पड़ने और समय से पहले सूख रहे हैं। काश्तकारों श्यालिक राम नौटियाल, हकूमत सिंह, नवीन गैरोला, उपेन्द्र रावत और ओमप्रकाश गैरोला ने कृषि विभाग से तत्काल मदद और बीमारी के प्रभावी उपचार की मांग की है। वहीं, कृषि विभाग के तकनीकी विशेषज्ञ विकेश तोमर ने क्षेत्र का भ्रमण कर फसल का निरीक्षण किया। उन्होंने बीमारी को फफूंदजनित बताते हुए किसानों को अनुशंसित फफूंदनाशकों का निर्धारित मात्रा में छिड़काव करने की सलाह दी है। इनमें टाइबुकोनाजोल, हेक्साकोनाजोल और कार्बेन्डाजिम समूह की दवाएं शामिल हैं। उन्होंने किसानों से खेतों की नियमित निगरानी करने और आवश्यकता पड़ने पर कृषि विभाग से तकनीकी परामर्श लेने को कहा है।

पीड़िता ने मंत्री से लगाई गुहार

श्रीनगर गढ़वाल : कोतवाली क्षेत्र में छह माह पहले 15 लाख रुपये के सोने के आभूषण चोरी हुए थे। इसका खुलासा न होने पर पीड़ित परिवार ने कैबिनेट मंत्री धन सिंह रावत से गुहार लगाई। मंत्री ने पुलिस को मामले की ठोस जांच के निर्देश दिए हैं। पीड़िता अनिता बहुगुणा ने मंत्री को बताया कि मुकदमा दर्ज होने के बावजूद आभूषण बरामद नहीं हुए हैं। उन्होंने पुलिस से कड़े निर्देश देने की मांग की। मंत्री ने अनिता बहुगुणा की आपबीती सुनकर कोतवाली पुलिस से जानकारी ली। उन्होंने छह माह में चोरी की घटना पर गंभीरता न दिखाने पर नाराजगी जताई। मंत्री ने कानून व्यवस्था मजबूत करने के भी निर्देश दिए। अनिता बहुगुणा के अनुसार, 23 जनवरी को वह पति के साथ बाहर गई थीं। 15 फरवरी को घर में रखे 15 लाख के आभूषण चोरी हो गए। इनमें सात अंगूठियां, दो हार और दो जोड़ी कान के कुंडल शामिल थे। रविवार को मंत्री से गुहार के बाद सोमवार को उन्होंने कोतवाली पुलिस से मुलाकात की। प्रभारी निरीक्षक कुलदीप सिंह ने कार्रवाई का आश्वासन दिया। (एजेंसी)

आपदा ने छीना कारोबार, प्रशासन ने रोकी राहत की राह

उत्तरकाशी। धराली आपदा के एक वर्ष बाद भी प्रभावित व्यवसायियों को न्याय नहीं मिल पाया है। भटवाड़ी विकासखंड के कई गांव के लोग धराली में होटल और रेस्तरां चला रहे थे। आपदा ने उनका रोजगार छीन लिया, लेकिन उन्हें अभी तक कोई मुआवजा नहीं मिला है। बयाणा निवासी मनदीप पंवार, बाड़ागड्डी के दीपचंद, गोपाल राणा और मनमोहन राणा ने अपनी बात रखी। उन्होंने बताया कि वे आपदा से पहले करीब 15 साल से धराली में व्यवसाय कर रहे थे। 5 अगस्त 2025 को हुई आपदा में उनका व्यवसाय मलबे में दब गया था। एक वर्ष बीतने के बाद भी उन्हें नुकसान का कोई मुआवजा नहीं मिला है। प्रशासन ने उनसे भवन स्वामी से लिखित प्रमाण लाने को कहा था। व्यवसायियों ने लीज की जानकारी शपथ पत्र पर दी। शपथ पत्र जमा करने के बाद भी प्रशासन ने कोई कार्रवाई नहीं की। अब इन व्यवसायियों के सामने रोजगार की गंभीर समस्या खड़ी हो गई है। वे अपने परिवार के पालन–पोषण को लेकर चिंतित हैं। आपदा प्रभावितों ने चेतावनी दी है कि यदि प्रशासन उनकी सुनवाई नहीं करता, तो वे अपने परिवार के साथ धरने पर बैठेंगे।

मोरी में अनियमित बिजली कटौती से बढ़ी परेशानी

पुरोला। मोरी क्षेत्र में लगातार हो रही अनियमित विद्युत कटौती से व्यापारियों, ग्रामीणों और उपभोक्ताओं में रोष है। विभाग की ओर से निर्धारित समयसारिणी के बावजूद समय से पहले बिजली आपूर्ति बंद की जा हर है। ऐसे में तहसील, बैंक, बाजार सहित सरकारी और निजी कार्यालयों में पहुंचने वाले लोगों को जरूरी काम निपटाने में दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। इसी समस्या को लेकर नगर उद्योग व्यापार मंडल मोरी ने सोमवार को तहसीलदार सरदार सिंह चौहान के माध्यम से ऊर्जा निगम को ज्ञापन सौंपा। व्यापार मंडल अध्यक्ष ममतेश नेगी के नेतृत्व में दिए ज्ञापन में आरोप लगाया गया कि विभाग निर्धारित समय से करीब डेढ़ घंटे पहले ही बिजली आपूर्ति बंद कर देता है। व्यापारियों का कहना है कि अधिकांश कार्यालयों और बैंकों का काम सुबह 10 बजे के बाद शुरू होता है। ऐसे में उससे पहले बिजली कटौती होने से आवश्यक कार्य प्रभावित होते हैं। व्यापार मंडल ने मांग की है कि विद्युत कटौती का समय केवल सुबह 7 से 9 बजे तक निर्धारित किया जाए। व्यापारियों ने चेतावनी दी है कि यदि अनियमित कटौती पर रोक नहीं लगी तो क्षेत्र की जनता के साथ धरना–प्रदर्शन और आंदोलन किया जाएगा।

जल निकासी की समस्या से मिलेगी निजात

जयन्त प्रतिनिधि।

पौड़ी : लंबे समय से बदहाल स्थिति से जूझ रहे राष्ट्रीय राजमार्ग-119 के नगर क्षेत्र में अब नाली निर्माण और सफाई का काम शुरू हो गया है। सड़क किनारे पक्की नालियां नहीं होने और कई स्थानों पर सड़क क्षतिग्रस्त होने से बरसात के दौरान स्थानीय लोगों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा था।

नगर पालिका क्षेत्र में राष्ट्रीय राजमार्ग का करीब 10 किलोमीटर हिस्सा आता है। इस क्षेत्र में लंबे समय से नालियों की बदहाली, टूटी सड़क और जल निकासी की समस्या बनी हुई थी। सभासदों की ओर से लगातार संबंधित विभाग से कार्रवाई की मांग की जा रही थी। कुछ दिन पहले सभासदों ने जिलाधिकारी से मुलाकात कर समस्या से अवगत कराया था। इस पर जिलाधिकारी ने संबंधित विभाग को तत्काल आवश्यक कार्रवाई के निर्देश दिए थे। इसके बाद भी काम शुरू नहीं होने पर सभासद गौरव सागर ने राष्ट्रीय राजमार्ग के अधिकारियों को लगातार समस्या से अवगत कराया। अब कच्ची नालियों और स्कवर की सफाई के साथ जल निकासी व्यवस्था को दुरुस्त करने का काम शुरू कर दिया गया है। सभासद गौरव सागर ने कहा कि क्षेत्र की जनता लंबे समय से सड़क और जल निकासी की समस्या झेल रही है। उन्होंने कहा कि कार्य में अब किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। यदि काम में फिर लापरवाही बरती गई तो स्थानीय जनप्रतिनिधियों और क्षेत्रवासियों के साथ जिलाधिकारी से दोबारा मुलाकात कर समस्या के स्थायी समाधान के लिए प्रभावी कदम उठाए जाएंगे।

सीएम हेल्पलाइन की लंबित शिकायतों के समाधान में तेजी लाएं : डीएम

जयन्त प्रतिनिधि। चमोली : जिलाधिकारी गौरव कुमार ने सोमवार को सीएम हेल्पलाइन पर दर्ज लंबित शिकायतों की समीक्षा बैठक लेते हुए अधिकारियों को शिकायतों के त्वरित एवं गुणवत्तापूर्ण निस्तारण के निर्देश दिए। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि शिकायतों का निस्तारण केवल औपचारिकता तक सीमित न रहे, बल्कि शिकायतकर्ता की समस्या का वास्तविक एवं संतोषजनक समाधान सुनिश्चित किया जाए। साथ ही शिकायतों के निस्तारण की प्रक्रिया में अनावश्यक विलंब न हो और संबंधित अधिकारी व्यक्तिगत स्तर पर प्रकरणों की निगरानी करें। जिलाधिकारी ने 36 दिन से अधिक समय से लंबित 16 प्रकरणों की विभागवार समीक्षा की और प्रत्येक प्रकरण में अब तक की गई कार्रवाई की जानकारी ली व सभी शिकायतों को प्राथमिकता के आधार पर निस्तारित करने के निर्देश दिए। जिलाधिकारी ने कहा कि सीएम

हेल्पलाइन आमजन की समस्याओं को शासन-प्रशासन तक पहुंचाने का महत्वपूर्ण माध्यम है। इसलिए हेल्पलाइन पर प्राप्त प्रत्येक शिकायत को गंभीरता से लेते हुए निर्धारित समयसीमा के भीतर उसका गुणवत्तापूर्ण समाधान किया जाना आवश्यक है। उन्होंने अधिकारियों को लंबित प्रकरणों की नियमित समीक्षा करने तथा कार्रवाई की स्थिति को पोर्टल पर समयबद्ध तरीके से अपडेट करने के निर्देश भी दिए। उन्होंने कहा कि जिन प्रकरणों में विभिन्न विभागों के स्तर से समन्वय की आवश्यकता है, उनमें आपसी समन्वय स्थापित करते हुए शिकायत का शीघ्र समाधान सुनिश्चित किया जाए। इस मौके पर मुख्य चिकित्साधिकारी डॉ. राजीव पाल, मुख्य कृषि अधिकारी जय प्रकाश तिवारी, जिला आपदा प्रबंधन अधिकारी नंद किशोर जोशी सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी मौजूद रहे।

मुख्यमंत्री ने स्वयं सहायता समूहों द्वारा लगाए गए स्टॉलों का किया शुभारंभ

मुख्यमंत्री ने स्वयं सहायता समूहों की महिलाओं से किया संवाद

जयन्त प्रतिनिधि। देहरादून : मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने सोमवार को सचिवालय में 'मुख्यमंत्री सशक्त बहना उत्सव योजना' के अंतर्गत उत्तराखण्ड राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन के स्वयं सहायता समूहों द्वारा लगाए गए स्टॉलों का शुभारंभ एवं अवलोकन किया। मुख्यमंत्री ने महिला स्वयं सहायता समूहों द्वारा तैयार राखियों और विभिन्न स्थानीय उत्पादों की जानकारी ली। उन्होंने प्रदेश के सभी जनपदों से वर्चुअल माध्यम से जुड़ी स्वयं सहायता समूहों की महिलाओं से संवाद भी किया।

मुख्यमंत्री ने कहा कि अगले वर्ष से रक्षाबंधन के 15 दिन पूर्व ही 'मुख्यमंत्री सशक्त बहना उत्सव' शुरू किया जाएगा और इसे पखवाड़े के रूप में आयोजित किया जाएगा। इससे स्वयं सहायता समूहों की महिलाओं को अपने उत्पादों की बिक्री के लिए अधिक समय और बेहतर बाजार उपलब्ध होगा तथा उनकी आय बढ़ाने में भी मदद मिलेगी। विभिन्न जनपदों से वर्चुअल माध्यम से जुड़ी

महिलाओं ने 'मुख्यमंत्री सशक्त बहना उत्सव योजना' के लिए मुख्यमंत्री का आभार व्यक्त किया। महिलाओं ने कहा कि राज्य सरकार की विभिन्न योजनाओं और स्वयं सहायता समूहों के उत्पादों को बाजार उपलब्ध कराने के प्रयासों से उन्हें आजीविका के नए अवसर मिल रहे हैं और वे आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बन रही हैं। मुख्यमंत्री ने प्रदेशवासियों को रक्षाबंधन की अग्रिम शुभकामनाएं देते हुए सचिवालय के अधिकारियों एवं कर्मचारियों से इन स्टॉलों से खरीदारी कर महिला स्वयं सहायता समूहों को प्रोत्साहित करने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि यही 'वोकल फॉर लोकल' की वास्तविक भावना है। स्थानीय उत्पादों को अपनाकर हम अपनी मातृशक्ति के परिश्रम और हुनर को सम्मान देने के साथ ही राज्य की ग्रामीण अर्थव्यवस्था को भी मजबूत कर सकते हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि उत्तराखण्ड की मातृशक्ति राज्य की सामाजिक और आर्थिक प्रगति की मजबूत आधारशिला है। राज्य की महिलाएं परिवार संभालने के साथ खेती, पशुपालन और विभिन्न आजीविका गतिविधियों में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही हैं।

आज वे अपने कौशल, परिश्रम और उद्यमशीलता के बल पर सफल उद्यमी के रूप में भी आगे बढ़ रही हैं। हमारी माताएं और बहनें केवल अपने परिवार को ही सशक्त नहीं बना रही हैं, बल्कि प्रदेश की अर्थव्यवस्था को भी मजबूती प्रदान कर रही हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि योजना के तहत पिछले तीन वर्षों में प्रदेश के 95 विकासखंडों में 4,480 स्टॉल लगाए गए हैं, जिनके माध्यम से लगभग 12 करोड़ 50 लाख रुपये के उत्पादों की बिक्री हुई है। अवसर और बाजार मिलने पर महिलाएं अपनी आर्थिक आत्मनिर्भरता के साथ ही प्रदेश की ग्रामीण अर्थव्यवस्था को भी नई गति दे सकती हैं।

शिविर में 15 रक्तदाताओं ने किया रक्तदान

श्रीनगर गढ़वाल : राजयोगिनी दादी प्रकाशमणिजी की उन्नीसवीं पुण्यतिथि के उपलक्ष्य में विश्व बंधुत्व रक्तदान महाभियान के अंतर्गत श्रीकोट बेस अस्पताल में ब्रह्माकुमारीज श्रीनगर गढ़वाल उत्तराखंड सेवा केंद्र के द्वारा व बेस अस्पताल के ब्लड बैंक के सहयोग से रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया।

शिविर में सेवा केंद्र से जुड़े लोगों, सामाजिक कार्यकर्ताओं एवं विभिन्न संस्थाओं के प्रतिनिधियों ने भाग लिया। शिविर में कुल 15 यूनिट रक्त एकत्रित किया गया और 20 से अधिक लोगों ने भविष्य में आपातकालीन समय में रक्त की आवश्यकता के लिए पंजीकरण करवाया। इस मौके पर शिविर के आयोजकों ने कहा कि विश्व बंधुत्व रक्तदान महाभियान का मुख्य संदेश एक रक्त, एक मानवता, एक विश्व परिवार है।

नगुण भूस्खलन जोन में ट्रक फंसने से लगा जाम

उत्तरकाशी। सोमवार सुबह चिन्यालीसौड़ के नगुण भूस्खलन जोन के नीचे गंगोत्री हाईवे पर सेना का ट्रक खराब होने के कारण दोनों ओर लंबा जाम लग गया। इस दौरान सेना के जवानों ने ट्रक का टायर बदलकर वहां से उसे बाहर निकाला। उसके बाद करीब एक घंटे बाद वाहनों की आवाजाही शुरू हो पाई।

जानकारी के अनुसार सोमवार सुबह उत्तरकाशी की ओर आ रहा सेना का एक ट्रक टायर पंचर होने के कारण नगुण भूस्खलन जोन के नीचे गंगोत्री हाईवे पर खड़ा हो गया। सड़क पर मलबा पड़ा होने के कारण सड़क संकरी हो गई है। इसलिए वहां से दूसरे वाहन आवाजाही नहीं कर पा रहे थे। इस कारण दोनों ओर वाहनों का लंबा जाम लग गया। हालांकि सेना के जवानों ने कार्रवाई करते हुए ट्रक का टायर बदलकर वहां से उसे बाहर निकालकर आवाजाही के लिए मार्ग खोला लेकिन इस दौरान सेना के जवान खतरे की जद में भी आ गए थे।

स्थानीय निवासी संजय नेगी ने बताया कि अगर बीआरओ की ओर से समय रहते वहां से मलबा हटा दिया जाता तो यह स्थित नहीं बनती। साथ ही वहां पर गिर रहे पत्थरों के बीच वाहनों की आवाजाही में खतरा बना हुआ है। इसलिए प्रशासन को वहां पर सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम करने चाहिए।

होटल कारोबारियों ने स्मार्ट मीटर लगाने पर जताई आपत्ति

उत्तरकाशी। चारधाम यात्रा पर निर्भर उत्तरकाशी के होटल कारोबारियों ने स्मार्ट मीटर लगाने पर आपत्ति जताई है। होटल एसोसिएशन का दावा है कि जिन प्रतिष्ठानों में स्मार्ट मीटर लगाए गए हैं वहां पहले लगे डिजिटल मीटरों की तुलना में बिजली बिल अधिक आ रहा है। इसी को लेकर एसोसिएशन ने सोमवार को ऊर्जा निगम के अधिशासी अभियंता को ज्ञापन सौंपकर स्मार्ट मीटर हटाने और पूर्ववर्ती डिजिटल मीटर दोबारा लगाने की मांग की।

एसोसिएशन ने सवाल उठाया कि कुछ वर्ष पहले ही पुराने मीटरों को बदलकर डिजिटल मीटर लगाए गए थे, जो सही ढंग से काम कर रहे हैं।

संतोपथ के बाद अब मणिरंग चोटी पर तिरंगा फहराने का लक्ष्य

उत्तरकाशी। सतोपंथ चोटी के सफल आरोहण करने के बाद पर्वतारोहियों का छह सदस्यीय दल अब हिमाचल प्रदेश की 6593 मीटर ऊंची माउंट मणिरंग चोटी के आरोहण के लिए रवाना हो गया है। सतोपंथ की कठिन चढ़ाई और भारी हिमपात जैसी चुनौतियों को पार कर चुके दल के सामने अब मणिरंग की दुर्गम चोटियों, ग्लेशियरों और तकनीकी बर्फीले रास्तों को पार कर शिखर तक पहुंचने की चुनौती है।

अभियान का नेतृत्व अनुभवी पर्वतारोही मुनेन्द्र सिंह कर रहे हैं। उनके साथ नवप्रभात पंवार, अनुराग त्रिपाठी, रतन नेगी, पवन सिंह और रश्मि सताम दल में शामिल हैं। स्पीति और किन्नौर क्षेत्र की सीमा पर स्थित मणिरंग हिमाचल की प्रमुख ऊंची चोटियों में शामिल है। अत्यधिक ठंड, ऊंचाई, बदलता मौसम और कठिन पर्वतीय भूभाग अभियान की राह में बड़ी चुनौती बनेंगे। इससे पहले मुनेन्द्र सिंह के नेतृत्व में दल ने गंगोत्री क्षेत्र स्थित माउंट सतोपंथ का सफल आरोहण किया था। अभियान के दौरान भारी हिमपात और खराब मौसम के बावजूद टीम ने शिखर तक पहुंचकर अभियान पूरा किया। अब दल का लक्ष्य मणिरंग के शिखर पर तिरंगा फहराना है। टीम लीडर मुनेन्द्र ने कहा कि हर पर्वतारोहण अभियान नई चुनौती और अनुभव लेकर आता है। टीम पूरी तैयारी, आपसी समन्वय और सुरक्षित पर्वतारोहण के साथ शिखर तक पहुंचने का प्रयास करेगी।

हिलजात्रा आस्था, विश्वास और समृद्ध सांस्कृतिक परंपराओं का प्रतीक : धामी

ग्राम जाखनी स्थित बाबा गंगनाथ मंदिर का होगा सौंदर्यीकरण

जयन्त प्रतिनिधि। देहरादून : मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने सोमवार को मुख्यमंत्री आवास से पिथौरागढ़ में आयोजित ऐतिहासिक हिलजात्रा महोत्सव को वर्चुअल माध्यम से संबोधित किया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने प्रदेशवासियों, विशेषकर पिथौरागढ़ की जनता को हिलजात्रा पर्व की हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दीं। उन्होंने ग्राम जाखनी, पिथौरागढ़ स्थित बाबा गंगनाथ मंदिर के सौंदर्यीकरण की घोषणा भी की। मुख्यमंत्री ने युवा पीढ़ी का आह्वान करते हुए कहा कि हिलजात्रा जैसे पर्व युवाओं को अपनी संस्कृति और परंपराओं से परिचित कराने का महत्वपूर्ण माध्यम हैं। उन्होंने युवाओं से अपनी सांस्कृतिक विरासत के महत्व को समझने और उसे

भव्य स्वरूप प्रदान करने के सरकार के 'विकल्प रहित संकल्प' को सिद्धि तक पहुंचाने में योगदान देने का आह्वान किया।

मुख्यमंत्री ने कहा कि हिलजात्रा उत्तराखंड की समृद्ध लोक परंपराओं, आस्था और सांस्कृतिक विरासत का महत्वपूर्ण पर्व है। उन्होंने कहा कि जिस प्रकार घर-घर में मां गौरा और भगवान महेश्वर की पारंपरिक पूजा के साथ सातू-आठू पर्व से हिलजात्रा की भक्ति धारा प्रवाहित होती है, उसी प्रकार सभी के जीवन में सुख, समृद्धि और शांति की धारा निरंतर प्रवाहित होती रहे। मुख्यमंत्री ने कहा कि 500 वर्षों से अधिक समय से मनाया जा रहा हिलजात्रा पर्व पिथौरागढ़ की समृद्ध संस्कृति और परंपराओं की विशिष्ट पहचान बन चुका है।

सोरघाटी की यह ऐतिहासिक हिलजात्रा हमारी आस्था, विश्वास और समृद्ध परंपराओं का प्रतीक होने के साथ ही पहाड़ी जीवन के संघर्ष, साधना और कृषि-पशुपालन पर आधारित ग्रामीण जीवन की विशिष्टताओं को भी दर्शाती है। उन्होंने कहा कि हिलजात्रा केवल धार्मिक अथवा पारंपरिक आयोजन नहीं, बल्कि हमारे सामाजिक और सांस्कृतिक जीवन का अभिन्न हिस्सा है। यह पर्व हमें अपने पूर्वजों की महान परंपराओं, आदर्शों और वीरता का स्मरण कराने के साथ ही अपनी सांस्कृतिक जड़ों से जोड़ता है। भगवान शिव के गण लखिया भूत का आगमन इस पर्व में सुख, समृद्धि और खुशहाली का प्रतीक माना जाता है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार पर्यटन को केवल तीर्थाटन तक सीमित नहीं रखना चाहती। उत्तराखंड को पर्यटन के विभिन्न क्षेत्रों में वैश्विक पहचान दिलाने के लिए निरंतर प्रयास किए जा रहे हैं। आज उत्तराखंड वेडिंग डेस्टिनेशन, एडवेंचर टूरिज्म और फिल्म शूटिंग के पसंदीदा केंद्र के रूप में तेजी से उभर रहा है। कार्यक्रम में विधायक बिशन सिंह चुफाल सहित अन्य जनप्रतिनिधि, जिलाधिकारी, जनपद स्तरीय अधिकारी एवं बड़ी संख्या में स्थानीय नागरिक उपस्थित रहे।

भारत से पहले ढाका में ट्रेनिंग कर सकता है ब्राजील

कोलकाता स्टेडियम पर सवाल, 6 अक्टूबर को केप वर्डे से मैच की भी तैयारी

नईदिल्ली (एजेंसी)। ब्राजील की फुटबॉल टीम 3 अक्टूबर को भारत के खिलाफ मुकाबले से पहले बांग्लादेश के ढाका में ट्रेनिंग कैंप लगाने पर विचार कर रही है। ब्राजील फुटबॉल कन्फेडरेशन के पांच सदस्यीय प्रतिनिधिमंडल ने 23 अगस्त को ढाका का दौरा किया। टीम ने नेशनल स्टेडियम, बसुंधरा किंग्स एरेना और कई होटलों का निरीक्षण किया। बांग्लादेश फुटबॉल फेडरेशन के अध्यक्ष तबिथ अवल ने बताया कि ब्राजील के साथ ढाका में ट्रेनिंग करने और बांग्लादेश के खिलाफ फ्रेंडली खेलने समेत सभी विकल्पों पर बात हुई है। हालांकि, अभी कोई फैसला नहीं हुआ है। ब्राजील 25 सितंबर को ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ टाउन्सविले और 29 सितंबर को ब्रिस्बेन में मुकाबला खेलेगा। इसके

बाद टीम भारत आएगी।कोलकाता के साल्ट लेक स्टेडियम में भारत और ब्राजील के बीच फ्रेंडली मैच खेला जाना है।

ढाका की पिच ब्राजील को ठीक लगी – बांग्लादेश फुटबॉल फेडरेशन के मुताबिक, ब्राजील के प्रतिनिधिमंडल ने नेशनल स्टेडियम और बसुंधरा किंग्स एरेना की पिच को टीम के लिए सही बताया। हालांकि, ड्रेसिंग रूम, तकनीकी स्टाफ के लिए जगह और एंट्री-एग्जिट पर सुरक्षा व्यवस्था में सुधार की जरूरत बताई गई है। ढाका में ब्राजील और बांग्लादेश के बीच 5 या 6 अक्टूबर को फ्रेंडली मैच की भी चर्चा हुई है। हालांकि, बांग्लादेश की टीम 24 सितंबर से 4 अक्टूबर तक इंडोनेशिया में 32वां एशियन कप में खेलेगी।

ब्राजील के मैच पर भूटिया ने खर्च को लेकर सवाल उठाए

भारत-ब्राजील मुकाबले को लेकर पूर्व भारतीय कप्तान बाइचुंग भूटिया ने भी सवाल उठाए हैं। उन्होंने ब्राजील को कोलकाता बुलाने पर करीब 50 से 70 करोड़ रुपए खर्च होने की रिपोर्ट पर आपत्ति जताई। उनका कहना है कि इतनी रकम बंगाल के घरेलू फुटबॉल और ग्रासरूट डेवलपमेंट पर खर्च की जा सकती थी।भूटिया ने भारत के एफआईएफए एशियन कप 2026 से हटने के विरोध में फैंस से ब्राजील के खिलाफ होने वाले मैच के बहिष्कार की अपील भी की है।

सितंबर में पनामा से भी मुकाबला

भारत सितंबर में पनामा के खिलाफ भी फीफा इंटरनेशनल फ्रेंडली खेलने की तैयारी में है। एआईएफएफ ने पनामा के साथ लेटर ऑफ इंटेंट साइन किया है। यह मैच 26 या 27 सितंबर को होने की संभावना है। हालांकि, इसका वेन्यू अभी तय नहीं हुआ है।

साल्ट लेक की पिच पर ब्राजील ने जताई चिंता – भारत-ब्राजील मुकाबला 3 अक्टूबर को कोलकाता के साल्ट लेक स्टेडियम में होगा। यह ब्राजील का भारत में पहला मुकाबला होगा। ऑल इंडिया फुटबॉल फेडरेशन ने 30 जुलाई को इसकी घोषणा की थी। मैच से पहले सीबीएफ के पांच सदस्यीय दल ने कोलकाता का भी निरीक्षण किया। प्रतिनिधिमंडल ने स्टेडियम, ट्रेनिंग ग्राउंड, पिच, ड्रेसिंग रूम, होटल और सुरक्षा व्यवस्था देखी। रिपोर्ट्स के मुताबिक, मैदान की घास की स्थिति और कुछ जगहों पर टर्फ को लेकर चिंता जताई गई है। ब्राजील ने पिच और ट्रेनिंग ग्राउंड की घास में सुधार की जरूरत बताई है।

संक्षिप्त समाचार

मोदी 1500 से ज्यादा जगहों पर युवाओं-खिलाड़ियों से करेंगे संवाद

नेशनल स्पोर्ट्स डे से पहले कार्यक्रम, पीटी उषा समेत कई प्लेयर्स भी जुड़ेंगे

नईदिल्ली (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 27 अगस्त को देशभर में 1,500 से ज्यादा जगहों पर युवाओं और खिलाड़ियों से वर्चुअल संवाद करेंगे। यह कार्यक्रम खेल मंत्रालय के 'खेलो इंडिया संवाद- खेल की बात, पीएम के साथ' अभियान के तहत आयोजित किया जाएगा। कार्यक्रम 29 अगस्त को होने वाले नेशनल स्पोर्ट्स डे से दो दिन पहले होगा। 29 अगस्त को हॉकी के दिग्गज खिलाड़ी मेजर ध्यानचंद की जयंती होती है। इसी दिन देश में नेशनल स्पोर्ट्स डे मनाया जाता है।

कॉमनवेल्थ गेम्स के मेडलिस्ट से मिल चुके हैं मोदी – इससे पहले प्रधानमंत्री मोदी 9 अगस्त को कॉमनवेल्थ गेम्स में मेडल जीतने वाले भारतीय खिलाड़ियों से मिले थे। उन्होंने खिलाड़ियों के साथ मुलाकात की रील भी इंस्टाग्राम पर शेयर की थी। इस बार खिलाड़ियों और युवाओं के साथ संवाद वर्चुअल होगा।

दिल्ली में 4-5 जगहों पर कार्यक्रम – राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में कार्यक्रम 4-5 जगहों पर आयोजित किए जाएंगे। इनमें आईआईटी दिल्ली भी शामिल है। केंद्रीय खेल मंत्री मनसुख मांडविया आईआईटी दिल्ली में होने वाले कार्यक्रम में मौजूद रहेंगे। उन्होंने कहा कि वह 27 अगस्त को आईआईटी दिल्ली में आयोजित कार्यक्रम में शामिल होंगे।

दिग्गज खिलाड़ी भी युवाओं से करेंगे बातचीत – भारतीय ओलिंपिक संघ की अध्यक्ष पीटी उषा के अलावा मौजूदा और पूर्व खिलाड़ी तथा अंतरराष्ट्रीय पदक विजेता भी युवाओं से संवाद करेंगे। इनमें मनिका बत्रा, दीपा करमाकर, साइना नेहवाल, गगन नारंग, श्रीजेश, मैरी कॉम, बाइचुंग भूटिया, पुलेला गोपीचंद, अंजू बॉबी जॉर्ज, कर्णम मल्लेश्वरी और मीराबाई चानू शामिल हैं। कुछ क्रिकेटर भी कार्यक्रम में युवाओं से बातचीत करेंगे।

लद्दाख में सबसे ऊंचा क्रिकेट स्टेडियम बनाने की तैयारी

11,800 फीट की ऊंचाई पर बनेगा मैदान

नई दिल्ली (एजेंसी)। लद्दाख में दुनिया का सबसे ऊंचा क्रिकेट स्टेडियम बनने की योजना चर्चा में है। लेह के पास थिकसे क्षेत्र में करीब 11,800 फीट की ऊंचाई पर रणबीरपुर क्रिकेट स्टेडियम बनाने का प्रस्ताव तैयार किया जा रहा है। अगर इस प्रोजेक्ट को मंजूरी मिलती है और इसका निर्माण पूरा होता है, तो यह दुनिया के सबसे ऊंचे क्रिकेट स्टेडियमों में शामिल हो सकता है। फिलहाल यह परियोजना डिटेल्ड प्रोजेक्ट रिपोर्ट के चरण में है। लेह पब्लिक वर्क्स डिपार्टमेंट ने इसकी व्यवहार्यता का आकलन करने के लिए कंसल्टेंसी सेवाओं के लिए बोली आमंत्रित की है। हालांकि, अभी तक परियोजना को अंतिम आधिकारिक मंजूरी नहीं मिली है।

11,800 फीट की ऊंचाई पर बनेगा स्टेडियम – प्रस्तावित रणबीरपुर क्रिकेट स्टेडियम लेह शहर से करीब 19-20 किलोमीटर दूर थिकसे के पास बनाया जा सकता है। इसकी ऊंचाई करीब 11,800 फीट बताई जा रही है, जो मौजूदा कई हाई-एल्टीट्यूड क्रिकेट मैदानों से कहीं ज्यादा होगी। यहां से हिमालय की ऊंची चोटियों का शानदार नजारा भी देखने को मिल सकता है।

100 करोड़ रुपये से ज्यादा हो सकती है लागत – रिपोर्ट्स के अनुसार, इस महत्वाकांक्षी प्रोजेक्ट की लागत 100 करोड़ रुपये से ज्यादा हो सकती है। स्टेडियम में करीब 40,000 दर्शकों के बैठने की क्षमता रखने का भी अनुमान है। हालांकि, अंतिम क्षमता और बजट DPR तथा मंजूरी के बाद ही तय होगा।

खिलाड़ियों के लिए आसान नहीं होगी चुनौती – करीब 11,800 फीट की ऊंचाई पर पतली हवा खिलाड़ियों के लिए बड़ी चुनौती साबित हो सकती है। गेंदबाजों और बल्लेबाजों को सामान्य मैदानों की तुलना में अलग परिस्थितियों का सामना करना पड़ सकता है। वहीं, ऑक्सीजन की कमी और बेहद ठंडा मौसम खिलाड़ियों की फिटनेस और निर्माण कार्य दोनों को प्रभावित कर सकते हैं।

भारत ने 503/9 पर पारी घोषित की

ध्रुव जुरेल का दूसरा टेस्ट शतक, पंत-गिल ने फिफ्टी लगाई

कोलंबो (एजेंसी)। श्रीलंका के खिलाफ कोलंबो में खेले जा रहे दूसरे टेस्ट के दूसरे दिन भारत ने 9 विकेट पर 503 रन पर पारी घोषित कर दी थी।ध्रुव जुरेल ने शतक पूरा कर लिया है। उन्होंने 100वां रन बनाने के लिए 13 बॉल खेलीं। जुरेल ने 171 बॉल पर दूसरा टेस्ट शतक लगाया। प्रसिद्ध कृष्णा उनका साथ दे रहे हैं। मोहम्मद सिराज 29 बॉल पर 3 रन बनाकर आउट हुए। मानव सुथार ने 18 रन बनाए। भारत के लिए दूसरे सत्र की शुरुआत अच्छी नहीं रही क्योंकि पंत ने केशारा नुवांथा की गेंद पर सर्कल के बाहरी किनारे पर खड़े लाहिरू उदरा को कैच थमा दिया. पंत और जुरेल ने सातवें विकेट के लिए 112 रन की साझेदारी की।

दोनों टीमों की प्लेइंग-11

भारत- यशस्वी जयसवाल, केएल राहुल, देवदत्त पडिक्कल, शुभमन गिल (कप्तान), ऋषभ पंत (विकेटकीपर), रवींद्र जडेजा, ध्रुव जुरेल, सारांश जैन, मानव सुथार, मोहम्मद सिराज, प्रसिद्ध कृष्णा।

श्रीलंका- लाहिरू उदारा, कामिल मिशारा, पसिंदु सोरियाबंदरा, कामिंदु मेंडिस, धनंजय डी सिल्वा (कप्तान), सोनल दिनुशा, निरोशन डिकवेला (विकेटकीपर), केशरा नुवांथा, प्रभात जयसूर्या, लाहिरू कुमारा, असिथा फर्नांडो।

ऋषभ पंत ने रचा इतिहास, धोनी को पीछे छोड़ सबसे ज्यादा रन बनाने वाले विकेटकीपर बल्लेबाज बने

भारतीय विकेटकीपर-बल्लेबाज ऋषभ पंत ने श्रीलंका के खिलाफ दूसरे टेस्ट में एक बड़ा रिकॉर्ड अपने नाम कर लिया है। पंत ने विदेशी या न्यूट्रल वेन्यू पर टेस्ट मैचों में बतौर विकेटकीपर सबसे ज्यादा रन बनाने के मामले में पूर्व भारतीय कप्तान महेंद्र सिंह धोनी को पीछे छोड़ दिया है। उन्होंने चोट के बावजूद दूसरे दिन मैदान पर वापसी करते हुए यह खास उपलब्धि हासिल की। कोलंबो टेस्ट के दौरान ऋषभ पंत ने विदेशी और न्यूट्रल वेन्यू पर बतौर विकेटकीपर बल्लेबाज भारत के लिए सबसे ज्यादा रन बनाने का रिकॉर्ड अपने नाम किया। पंत के नाम रिपोर्ट लिखे जाने तक 41.68 की औसत से 2,501 रन दर्ज हो गए थे, जबकि महेंद्र सिंह धोनी ने 2,496 रन बनाए थे। इस सूची में फारुख इंजीनियर 1,209 रनों के साथ तीसरे स्थान पर हैं। सैयद किरमानी ने 1,109 रन बनाए हैं, जबकि किरण मोरे 901 रनों के साथ शीर्ष पांच में शामिल हैं।

कोलंबो में सिर टकराने पर जायसवाल-फर्नांडो की 25 प्रतिशत फीस कटी,दोनों ने गलती मानी

इंटरनेशनल क्रिकेट काउंसिल (आईसीसी) ने भारतीय बल्लेबाज यशस्वी जायसवाल और श्रीलंका के तेज गेंदबाज असिथा फर्नांडो पर जुर्माना लगा दिया है. दोनों खिलाड़ी कोलंबो में जारी दूसरे टेस्ट मैच के पहले दिन मैदान पर ही भिड़ गए थे। आईसीसी ने सोमवार को दोनों खिलाड़ियों पर जुर्माना लगाने की पुष्टि भी कर दी है. क्रिकेट की गवर्निंग बॉडी ने जायसवाल और फर्नांडो पर मैच फीस का 25 प्रतिशत जुर्माना लगाया है. इस के अलावा दोनों को एक-एक डिमेरिट पॉइंट भी दिया गया। आईसीसी ने एक प्रेस रिलीज में कहा, दोनों खिलाड़ियों को आईसीसी के आचार संहिता के आर्टिकल 2.12 का उल्लंघन करते पाया गया. यह नियम किसी खिलाड़ी, खिलाड़ी सहायता कर्मी, अंपायर, मैच रेफरी या किसी अन्य व्यक्ति (जिसमें इंटरनेशनल मैच के दौरान दर्शक भी शामिल हैं) के साथ अनुचित शारीरिक संपर्क से संबंधित है।

इंडिया लड़ेगा और जवाब भी देगा..., श्रीलंकाई गेंदबाज के साथ हुई झड़प पर जायसवाल ने तोड़ी चुप्पी

भारत और श्रीलंका के बीच कोलंबो में खेले जा रहे दूसरे टेस्ट मैच के पहले दिन काफी कुछ घटा. देवदत्त पडिक्कल ने लगातार दूसरा शतक जड़ा और 117 रन बनाकर आउट हुए. इसके अलावा यशस्वी जायसवाल और श्रीलंका के तेज गेंदबाज असिथा फर्नांडो के बीच तीखी बहस हुई. जिस पर जायसवाल की काफी ज्यादा आलोचना हुई। अब जायसवाल ने उन आलोचना का जवाब दिया है। उनका कहना है कि लोगों को इस झड़प के संदर्भ को जानने से पहले अपनी कोई राय नहीं कायम करनी चाहिए. जायसवाल ने ये प्रतिक्रिया मशहूर कमेंटेटर हर्षा भोगले की राय पर दी है। क्रिकबज के एक वीडियो में कमेंटेटर हर्षा भोगले इस पूरी घटना पर अपनी राय देते हुए दिखे. उन्होंने कहा कि ऐसी स्थिति में जायसवाल के लिए सबसे अच्छा यही था कि वे वहां से चले जाते। जायसवाल ने जल्द ही उस वीडियो पर कमेंट करते हुए कहा कि घटना की पूरी जानकारी के बिना कोई राय नहीं बनानी चाहिए. उन्होंने अपनी पोस्ट में लिखा, अगर आपको पता नहीं है कि उन्होंने क्या कहा, तो कृपया अपनी राय न बनाएं, हमें उन्हें बताना होगा, और साथ ही यह भी कहा, भारत लड़ेगा और जवाब देगा।

भारतीय महिला हॉकी टीम वर्ल्ड कप से बाहर, कोच मारिन ने कहा, 'मुझे टीम पर गर्व है'

ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ बिना गोल खाए मैच ड्रॉ कराने में सफल रही

नईदिल्ली (एजेंसी)। हॉकी वर्ल्ड कप में भारतीय महिला टीम ने शानदार खेल का प्रदर्शन किया. लेकिन वो बड़े मैच का दबाव नहीं झेल सकी और ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ बिना गोल खाए मैच ड्रॉ कराने में सफल रही. 'करो या मरो' के इस मुकाबले में दोनों टीमें कोई गोल नहीं कर सकीं. जिससे दोनों टीमों के पास 2-2 अंक रहे. लेकिन गोलों की गिनती के आधार पर भारतीय टीम सेमीफाइनल की दौड़ से बाहर हो गई।

भारत को सेमीफाइनल में जाने के लिए यह मैच हर हालत में जीतना था. पहले दौर में पूल डी में चीन से ड्रॉ का एक अंक भारत के पास था जबकि आस्ट्रेलिया भी एक अंक लेकर आई थी. इसके बाद गोल डिफ्रेंस के आधार पर होना था जिसमें दोनों के माइनस दो गोल थे. आस्ट्रेलिया ने तीन गोल

किये और पांच गंवाये थे जबकि भारत ने दो गोल किए और चार गंवाए थे. पॉइंट्स और गोल डिफरेंस बराबर रहने के बाद गोल की गिनती में आस्ट्रेलिया एक गोल आगे था, जिससे वो सेमीफाइनल में पहुंच गया. अब भारत क्लासिफिकेशन मैच खेलेगा जबकि नीदरलैंड और ऑस्ट्रेलिया पूल श्र से सेमीफाइनल में पहुंच गए हैं। भारतीय महिला हॉकी टीम के कोच शोर्ड मारिन ने स्वीकार किया कि ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ गोलरहित ड्रॉ में उनकी टीम काफी नर्वस थी लेकिन इसके साथ ही उन्होंने कहा कि वर्ल्ड कप में पांचवें-छठे स्थान के प्लेऑफ में पहुंचना अभी भी एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है। मारिन ने कहा, ऐसा लग रहा था कि हमारे खिलाड़ी काफी नर्वस हैं. हम उस तरह का खेल नहीं खेल पाए जैसा हम खेलना चाहते थे. हमारे खेल में निरंतरता का अभाव था, पासिंग और रिसीविंग में तालमेल नहीं था और कई अनावश्यक गलतियां हुईं।उन्होंने आगे कहा, हम परिणाम तो नहीं बदल सकते, लेकिन मुझे लड़कियों पर बहुत गर्व है. हम साथ मिलकर जीतते हैं, साथ मिलकर हारते हैं और साथ मिलकर ड्रॉ भी खेलते हैं. सभी ने अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन किया. मुझे उन पर हमेशा गर्व रहेगा।

द्रोणाचार्य अवॉर्डी पर यौन शोषण का आरोप

पास्को में केस,16 साल की पीड़ित की शिकायत- मैसेज करके जिम में बुलाया, गोद में बैठाया

मुंबई (एजेंसी)। द्रोणाचार्य अवॉर्डी कोच गणेश प्रभाकर देवरुखकर के खिलाफ प्रोटेक्शन ऑफ चिल्ड्रंस फ्रॉम सेक्शुअल ऑफेंस यानी पास्को में केस दर्ज किया गया है। 45 साल के मलखंभ कोच के खिलाफ 16 साल की छात्रा ने शिकायत दर्ज कराई थी। पुलिस के मुताबिक छात्रा मुंबई के एक कॉलेज में पढ़ती है और कई साल से आरोपी कोच से जिमनास्टिक की ट्रेनिंग ले रही थी। शिकायत के अनुसार, घटना शुक्रवार सुबह की है। मलखंभ फेडरेशन ऑफ इंडिया के एक अधिकारी ने नाम न छापने की शर्त पर बताया कि मुंबई के मलखंभ फेडरेशन से घटना को लेकर जानकारी मांगी गई है। आरोपी कोच फिलहाल फरार है। मुंबई पुलिस मामले की जांच कर रही है।

रिंकू सिंह ने 414.29 के स्ट्राइक रेट से रन बनाए

यूपी प्रीमियर लीग में सिर्फ 7 गेंदों में 29 रन की पारी खेली, मेरठ की लगातार छठी जीत

लखनऊ (एजेंसी)। लखनऊ के इकाना क्रिकेट स्टेडियम में सोमवार को रिंकू सिंह ने 414.29 के स्ट्राइक रेट से बल्लेबाजी करते हुए सिर्फ 7 गेंदों पर 29 रन बनाए। मेरठ मावेरिक्स के कप्तान रिंकू ने गोरखपुर लायंस के खिलाफ अपनी पारी में 2 चौके और 3 छक्के लगाए।उनकी इस पारी की मदद से मेरठ ने यूपी टी-20 लीग के 16वें मैच में गोरखपुर को 10 विकेट से हरा दिया।

8-8 ओवर का मैच खेला गया – बारिश के कारण मैच 8-8 ओवर का कर दिया गया था। गोरखपुर लायंस ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 8 ओवर में 6 विकेट पर 91 रन बनाए। जवाब में मेरठ मावेरिक्स ने 6.4 ओवर में बिना विकेट गंवाए 92 रन बनाकर मैच जीत लिया।यह मेरठ मावेरिक्स की इस सीजन में लगातार छठी जीत है। टीम 12 अंक के साथ पॉइंट्स टेबल में पहले नंबर पर है। वहीं, गोरखपुर लायंस की 6 मैचों में यह चौथी हार है।

जीशान ने 2 ओवर में 4 विकेट लिए – मेरठ ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी का फैसला किया। गोरखपुर के ओपनर अभय प्रताप सिंह ने 16 गेंदों पर 33 रन बनाए। उन्होंने 4 चौके और 2 छक्के लगाए।मेरठ के जीशान अंसारी ने 2 ओवर में सिर्फ 10 रन देकर 4 विकेट लिए। वे प्लेयर ऑफ द मैच भी रहे।

रिंकू के अलावा स्वास्तिक ने बनाए 44 रन – रिंकू सिंह के अलावा मेरठ मावेरिक्स की ओर से स्वास्तिक चिकारा ने नाबाद 44 रन बनाए। 92 रन के टारगेट का पीछा करने उतरी मेरठ ने शुरुआत से ही तेज बल्लेबाजी की।

रग्बी के पूर्व स्टार ने 81 अल्ट्रा मैराथन दौड़कर बनाया रिकॉर्ड

100 दिन तक दौड़कर 12 करोड़ जुटा रहे डेविड जैक्सन ; चोट से चली गई थी याददाश्त

लंदन (एजेंसी)। इंग्लैंड, वेल्स और स्कॉटलैंड के 25 स्थानों पर 10 किमी के सर्किट में दौड़ते हुए जैक्सन अब तक 4,000 किमी से ज्यादा की दूरी तय कर चुके हैं। इंग्लैंड, वेल्स और स्कॉटलैंड के 25 स्थानों पर 10 किमी के सर्किट में दौड़ते हुए जैक्सन अब तक 4,000 किमी से ज्यादा की दूरी तय कर चुके हैं। 13 साल पहले सिर की गंभीर चोट से याददाश्त खोने वाले पूर्व ब्रिटिश रग्बी खिलाड़ी डेविड जैक्सन ने लगातार 81 दिनों तक रोज 50 किमी की अल्ट्रा मैराथन पूरी कर नया विश्व रिकॉर्ड बनाया है।ब्रिस्टल में रिवर एवन के किनारे 81वीं दौड़ पूरी करते ही उन्होंने पुरुष वर्ग में लगातार सबसे ज्यादा अल्ट्रा मैराथन का रिकॉर्ड अपने नाम किया। इससे पहले यह रिकॉर्ड 80 दौड़ का था। हालांकि

जैक्सन का लक्ष्य सिर्फ रिकॉर्ड बनाना नहीं, बल्कि ब्रेन इंजरी से जूझ रहे लोगों की मदद के लिए 100 दिन में 100 अल्ट्रा मैराथन पूरी करना है। 31 साल की उम्र में उनका 12 साल का पेशेवर रग्बी करियर एक हादसे के बाद खत्म हो गया था। नॉटिंघम रग्बी क्लब के लिए 316 मैचों में 102 ट्राई और 971 अंक बनाने वाले जैक्सन अभ्यास के दौरान साथी खिलाड़ी से सिर टकराने के बाद मैदान पर ही बेहोश हो गए थे।